सेंसेक्स	~	83,697.29
निफ्टी	~	25,541.80
सोना	~	98400
चांदी	~	110000
डॉलर	~	85.62

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
बुधवार 02 जुलाई 2025
आषाढ़ शुक्ल 06 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 277
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

तमिलनाडु की पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 5 की मौत

हैदराबाद। तमिलनाडु के शिवकाशी में मंगलवार को एक पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ, कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 4 लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में दवा फैक्ट्री में हुए धमाके में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 36 हो गया है। फैक्ट्री से 31 शव बरामद किए गए हैं। वहीं, अस्पताल में 5 लोगों की मौत हो गई। 30 से ज्यादा घायल हैं। संगारेड्डी के एसपी परितोष पंकज ने यह जानकारी दी है। 30 जून को फैक्ट्री की रिएक्टर यूनिट में विस्फोट हुआ था। हादसा पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8.15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ था।

फार्मा प्लांट विस्फोट में 36 की मौत

हैदराबाद। पशम्यलारम में सिगाची इंडस्ट्रीज के फार्मा प्लांट में हुए विस्फोट में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 36 हो गई है। जिला पुलिस अधीक्षक परितोष पंकज ने मंगलवार को बताया कि मलबा हटाते वक्त कई शव बरामद हुए। मलबे से अब तक 33 शव निकाले जा चुके हैं, जबकि तीन की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस बीच मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी अपने कुछ कैबिनेट साथियों के साथ दुर्घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार अब तक 36 लोगों की जान चली गई है।

जगन रेड्डी को हाईकोर्ट से राहत

अमरावती। आंध्र प्रदेश

हाईकोर्ट ने मंगलवार को एक अंतरिम आदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ दो हफ्तों के लिए सभी कानूनी कार्यवाहियों और जांच पर रोक लगा दी है। यह मामला हाल ही में पालनाडु जिले के रेंटापल्ला गांव में एक पार्टी समर्थक की मौत से जुड़ा है। जगन मोहन रेड्डी 18 जून को रेड्डी रेंटापल्ला गांव गए थे, जहां उन्होंने पार्टी नेता के परिवार से मुलाकात की थी, जिसने एक साल पहले आत्महत्या कर ली थी। आरोप है कि कि उस नेता को टीडीपी नेताओं और पुलिस की कथित प्रताडऩा के कारण आत्महत्या करनी पड़ी थी। वहीं पुलिस का आरोप है कि गांव जाते समय वाईएसआरसीपी समर्थक सी. सिंगैया कथित तौर पर रेड्डी के काफिल के वाहन के नीचे आ गए। इस दुर्घटना में सिंगैया की मौत हो गई।

पंचायती राज मंत्री पर एफआईआर

शिमला। हिमाचल प्रदेश के पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ शिमला के ढली थाना में एफआईआर दर्ज की गई है। मंत्री पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के प्रोजेक्ट मैनेजर और साइट इंजीनियर को कमरे में ले जाकर पीटने का आरोप है। पानी से भरे घड़े से सिर पर वार कर लहूलुहान करने का भी आरोप लगाया गया है। यह घटना उस वक्त हुई, जब मंत्री भट्टाकुफर की माठू कॉलोनी में ढह गए 5 मंजिला मकान के प्रभावितों का हाल जानने पहुंचे थे। यहां एनएचआई के प्रोजेक्ट मैनेजर अचल जिंदल और साइट इंजीनियरिंग योगेश भी मौजूद थे। आरोप है कि आपदा प्रभावितों से मिलने के बाद मंत्री दोनों को एक कमरे में ले गए और लोगों के सामने ही गाली गलौज की।

भाजपा ने 4 राज्य हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष को चुना

हेमंत खंडेलवाल मप्र भाजपा के नए अध्यक्ष

राजीव बिंदल हिमाचल, महेंद्र भट्ट को उत्तराखंड की कमान, तेलंगाना में विरोध के बाद भी रामचंद्र राव प्रदेशाध्यक्ष बने

नई दिल्ली/भोपाल। भाजपा ने मंगलवार को 9 राज्यों में से 4 राज्य हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष को चुन लिया है। इसके अलावा, मप्र में हेमंत विजय खंडेलवाल ने भी निर्विरोध नामांकन भरा। बुधवार को उनकी जीत का ऐलान किया जाएगा। हिमाचल में राजीव बिंदल को को तीसरी बार कमान दी गई है। वहीं, महेंद्र भट्ट दूसरी बार उत्तराखंड अध्यक्ष बने। आंध्रप्रदेश में पीएनवी माधव और तेलंगाना में रामचंद्र राव को चुना गया है। महाराष्ट्र में रवींद्र चाव्हाण के नाम का ऐलान होना बाकी है। तेलंगाना में रामचंदर राव को प्रत्याशी बनाए जाने पर विवाद हुआ था। गोशामहल से विधायक टी राजा ने विरोध करते हुए सोमवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

2 दिन में 9 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तस्वीर साफ हो जाएगी। भाजपा के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 50 प्रतिशत राज्यों में चुनाव होने के बाद ही होता है। फिलहाल भाजपा की 37 मान्यता प्राप्त स्टेट यूनिट हैं। इनमें से अब तक 14 राज्यों में अध्यक्ष चुने जा चुके हैं। मंगलवार को 19 राज्यों के अध्यक्ष चुन लिए जाएंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष जुलाई में चुने जा सकते हैं।

विरासत में मिली राजनीति

खंडेलवाल मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मथुरा के रहने वाले हैं। उनका जन्म 3 सितंबर 1964 को मथुरा में हुआ था। खंडेलवाल को राजनीति और समाजसेवा के संस्कार अपने पिता स्वर्गीय विजय कुमार खंडेलवाल से विरासत में मिले हैं। विजय कुमार खंडेलवाल भाजपा से सांसद रह चुके हैं। पिता के निधन के बाद हेमंत खंडेलवाल ने उनकी राजनीतिक और समाजिक विरासत संभाली। हेमंत अपने पिता के समय से ही जनसेवा के लिए समर्पित रहे हैं। हेमंत खंडेलवाल बैतूल विधानसभा सीट से विधायक हैं। साफ छवि और संघ से जुड़ाव उनके नए प्रदेश अध्यक्ष बनने की वजह बताई गई। उनके पिता विजय कुमार खंडेलवाल बीजेपी के दिग्गज नेता थे और बैतूल से सांसद थे। 2008 में उनके निधन के बाद हेमंत खंडेलवाल पूरी तरह से राजनीति में सक्रिय हुए थे। वह पिता के निधन के बाद 2008 में पहली बार लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बने थे। इसके बाद 2013 के विधानसभा चुनाव में वह बैतूल विधानसभा सीट से भाजपा के विधायक चुने गए थे। जबकि 2023 में वह दूसरी बार बैतूल विधानसभा सीट से भाजपा के विधायक चुने गए हैं।

सीएम मोहन ने जमा करवाया नामांकन

बता दें कि हेमंत खंडेलवाल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ धर्मेंद्र प्रधान, विवेक शेजवलकर और सरोज पांडे के सामने नामांकन दाखिल किया। बतौर प्रस्तावक मुख्यमंत्री ने नामांकन जमा करवाया। उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भी उनके प्रस्तावक बने। इस दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहे। उनके साथ केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक, डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल, ज्योतिरादित्य सिंधिया, जगदीश देवड़ा, प्रह्लाद पटेल, सावित्री ठाकुर भी मौजूद रहे। हेमंत खंडेलवाल का सिंगल नामांकन दाखिल हुआ।

जनसेवा से बनाई अपनी पहचान

हेमंत खंडेलवाल ने अपने राजनीतिक जीवन में हमेशा जनता की समस्याओं को प्राथमिकता दी है। क्षेत्र के विकास, सडक़, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और किसानों के मुद्दों पर वे हमेशा मुखर और सक्रिय रहे हैं। उनके प्रयासों से बैतूल में कई विकास योजनाएं क्रियान्वित की गईं, जिनका आमजन को सीधा लाभ मिला है।

डीके के अरमानों पर फिरा पानी, सुरजेवाला बोले- सीएम सिद्धारमैया की जगह कोई नहीं लेगा

कर्नाटक में नहीं होगा नेतृत्व परिवर्तन

बेंगलुरु। कर्नाटक में बीते कई दिनों से उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थक मांग कर रहे थे कि अब राज्य नेतृत्व परिवर्तन हो जाना चाहिए। सीएम सिद्धारमैया की जगह पर उन्हें मुख्यमंत्री बनने की मांग थी, लेकिन मंगलवार को जो कुछ हुआ उससे डीके और उनके समर्थक विधायकों के अरमानों पर पानी फिर गया। दरअसल कांग्रेस हाईकमान की ओर से भेजे गए कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने डीके को अपनी बगल में बिठाकर दावा खारिज कर दिया है। उन्होंने प्रेस से चर्चा के दौरान कहा कि यदि आपका सवाल है कि क्या कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन होने वाला है, तब मेरा सीधा जवाब ना में है। प्रभारी सुरजेवाला ने कहा, आप मुझसे पूछ रहे हैं कि क्या कर्नाटक में नेतृत्व बदल रहा है। इस पर मेरा एक ही जवाब है कि नहीं कोई परिवर्तन नहीं होने वाला है। आने वाले पांच सालों तक सिद्धारमैया ही मुख्यमंत्री पद पर आसीन रहने वाले है।

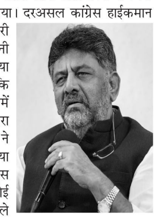

सुरजेवाला ने कहा, कई विधायकों की ओर से लीडरशिप चेंज की मांग उठी है। इस पर सुरजेवाला ने कहा कि मैं अपने विधायकों को सलाह देता हूं कि यदि उन्हें कोई परेशानी है, तब फिर मसले को मीडिया में उठाने की बजाय पार्टी फोरम पर बात करें। यदि राज्य के संगठन में कोई दिक्कत है, तब फिर प्रदेश अध्यक्ष से बात कर सकते हैं। सरकार में कोई समस्या हो, फिर मुख्यमंत्री से बात करनी चाहिए। इस दौरान डीके उनके बगल में एकदम शांत बैठे दिखे। उनके चेहरे पर उदासी का भाव दिख रहा था, जिसे वे संभालने की कोशिश कर रहे थे।

सुरजेवाला ने कर्नाटक में चल रहे सियासी नाटक पर विराम लगाने की कोशिश की है। लेकिन अब देखना यह हैं कि प्रेसवार्ता में शांत दिख रहे डीके या फिर उनके समर्थक विधायक आने वाले दिनों में किसी तरह से इस फैसले को लेते है।

पुलिस कस्टडी में गार्ड की मौत पर मद्रास हाईकोर्ट सख्त,कहा-

...पुलिस सत्ता के नशे में चूर

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने शिवगंगा जिले में पुलिस हिरासत के दौरान मंदिर के गार्ड अजित कुमार (27) की मौत के मामले में कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने इस मामले में स्वत- संज्ञान लेते हुए कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में 44 चोटों के निशान साबित करते हैं कि यह बर्बर पुलिसिया हिंसा का मामला है। जस्टिस एस.एम. सुब्रमण्यम ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, कि यह क्रूरता का चरम है। राज्य ने अपने ही नागरिक की हत्या की है। यह सत्ता के नशे में चूर पुलिस की हरकत है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि अजित कुमार के शरीर के लगभग सभी हिस्सों पर गंभीर चोटें थीं। उसे 27 जून को चोरी के एक मामूली आरोप में हिरासत में लिया गया था। 28 जून को कस्टडी में ही उसकी तबीयत बिगड़ी और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी अजित को बेरहमी से पीटते नजर आए हैं। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि हिरासत में उसे बुरी तरह से प्रताड़ित किया गया। इसके बाद उन्होंने मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की।

5 पुलिसकर्मी गिरफ्तार, एसपी को हटाया

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पांच पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। थिरुप्पुवनम थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196(2)(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। सभी आरोपियों को 15 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इसके साथ ही शिवगंगा जिले के एसपी को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है।

संघ से बैन हटाना गलती, उन्हें संविधान से नहीं मनुस्मृति से प्यार - प्रियांक खड़गे

बेंगलुरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खड़गे ने 'आरएसएस' पर बैन लगाने के अपने बयान पर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने फिर कहा कि संघ से बैन हटाना गलती थी। कर्नाटक में मंत्री खड़गे ने कहा, पहले भाजपा का संविधान देखना चाहिए, जिसमें धर्मनिरपेक्षता का जिक्र है। पहले उससे धर्मनिरपेक्षता को हटाना चाहिए और उसके बाद संविधान के बारे में बात होनी चाहिए। संघ को संविधान से एलर्जी है, जब अंबेडकर ने संविधान सभा में इसका (संविधान) प्रस्ताव रखा, तब से उन्हें इससे दिक्कत है। आरएसएस को मनुस्मृति से प्यार है। कर्नाटक सरकार में मंत्री खड़गे ने कहा, संविधान में अगर कोई संशोधन आएगा भी, तब वहां सिर्फ आर्थिक होगा। सामाजिक सशक्तीकरण की बात होगी, न कि देश को बांटने के लिए कोई संशोधन होगा। क्या हम एक सोशलिस्ट देश नहीं हैं? क्या हम एक सेक्युलर देश नहीं हैं, तब वे इसके खिलाफ क्यों हैं? क्योंकि ये संघ का एजेंडा है, वन नेशन वन रिलीजन। आरएसएस पहले भी बैन हुआ था, ये प्रतिबंध हटाना हमारी गलती थी।

उन्होंने कहा, संघ का हमेशा से एक राष्ट्र, एक धर्म का एजेंडा रहा है। यह कोई नई बात नहीं है। उन्हें हमेशा से संविधान से एलर्जी रही है, क्योंकि यह हमें सम्मान और आत्मसम्मान का जीवन देता है। यह हर धर्म और हर जाति को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक समानता प्रदान करता है।

कर्नाटक में कांग्रेस घमासान पर कहा, जब सीएम, डिप्टी सीएम और कांग्रेस अध्यक्ष ने बता दिया कि राज्य में कोई बदलाव नहीं होगा, तब नहीं होगा। खड़गे ने पोस्ट में लिखा था, विश्वास कीजिए, जिस दिन मुझे पर्याप्त शक्ति मिलेगी, मैं आरएसएस की जहरीली, राष्ट्र-विरोधी मशीनरी को नष्ट करने के लिए हर संवैधानिक टूल का इस्तेमाल करूंगा।

आसाराम बापू को राजस्थान हाईकोर्ट से फिर मिली अंतरिम राहत

जयुपर। नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम बापू को राजस्थान हाई कोर्ट से फिर अंतरिम राहत मिली है। जस्टिस दिनेश मेहता और विनीत माथुर की खंडपीठ ने उनकी अंतरिम जमानत की अवधि 9 जुलाई तक बढ़ाई है। उन्हें मंगलवार शाम जेल में पेश होना था, लेकिन उनके वकील द्वारा पेश की गई अर्जी पर कोर्ट ने उन्हें ये राहत दी। इस फैसले से आसाराम को कुछ और दिनों की मोहलत मिल गई है, लेकिन यह मामला अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

आसाराम को 25 अप्रैल 2018 को दोषी ठहराया गया था और उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। यह मामला अगस्त 2013 का है, जब एक नाबालिग लड़की ने उन पर जोधपुर के पास मनाई आश्रम में दुष्कर्म का आरोप लगाया था। आसाराम कई बार स्वास्थ्य कारणों से जमानत की अर्जी लगा चुके हैं, लेकिन उन्हें या तो खारिज किया गया है या सीमित समय के लिए अंतरिम राहत दी गई है।

आसाराम और उनके बेटे नारायण साईं के खिलाफ गुजरात में भी दो बहनों ने अलग-अलग बलात्कार और यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। गुजरात मामलों की सुनवाई अभी चल रही है। आसाराम जोधपुर की केंद्रीय जेल में सजा काट रहे हैं। उन्होंने कई बार स्वास्थ्य कारणों से जमानत की अर्जी लगाई है, जिसे कोर्ट ने खारिज किया है या सीमित समय के लिए अंतरिम राहत दी है।

प्रिंयाक खडग़े बोले-संघ धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के खिलाफ

केंद्र में आए तो आरएसएस को बैन करेंगे

बेंगलुरु। कांग्रेस नेता प्रियांक खडग़े ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनती है, तो आरएसएस पर बैन लगाया जाएगा। प्रियांक ने आरएसएस पर धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के खिलाफ काम करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले भी दो बार आरएसएस पर बैन लगाया था और अब उन्हें उसे हटाने का अफसोस है। उनके मुताबिक, संघ हमेशा समानता और आर्थिक न्याय के विरोध में रहा है।

प्रियांक खडग़े कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े के बेटे हैं और अभी कर्नाटक सरकार में मंत्री हैं। पहले भी आरएसएस को बैन करने की बात कर चुके हैं। 2 साल उन्होंने कर्नाटक में आरएसएस को बैन करने की बात कही थी। प्रियांक खडग़े ने आरएसएस-भाजपा से देश को लेकर कोई सवाल नहीं पूछती। प्रियांक ने कहा कि आरएसएस अपनी राजनीतिक पार्टी भाजपा से ये सवाल क्यों नहीं पूछती कि देश में बेरोजगारी क्यों बढ़ रही है और पहलगाम में आतंकी हमला कैसे हुआ, ये किसकी चूक थी। यह प्रश्न न पूछकर संघ के लोग समाज में नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट में पहली दफा एससी-एसटी आरक्षण नीति लागू, कर्मचारियों को पदोन्नति और सीधी भर्ती में मिलेगा आरक्षण

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए कहा है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लिए कर्मचारियों की सीधी भर्ती और पदोन्नति में आरक्षण की औपचारिक नीति लागू की जाती है। यह नीति 23 जून 2025 से प्रभावी मानी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के आंतरिक प्रशासन में सामाजिक समावेश की दिशा में इस फैसले को एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने सामाजिक न्याय और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए अपने गैर-न्यायिक पदों पर प्रत्यक्ष भर्ती और पदोन्नति में आरक्षण नीति लागू कर दी है। अभी तक के इतिहास में यह पहली दफा है जबकि सुप्रीम कोर्ट ने अपने यहां ऐसी नीति को अपनाया है, जो अब तक कई हाईकोर्ट और अन्य सरकारी संस्थानों में लागू थी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यह आरक्षण नीति 23 जून से प्रभावी मानी जाएगी। 24 जून, 2025 को सभी कर्मचारियों को जारी सर्कुलर में सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 23 जून 2025 से यह नीति प्रभाव में आ गई है। इसके तहत 15 फीसदी पद एससी वर्ग के लिए आरक्षित होंगे। इसी प्रकार 7.5 फीसदी पद एसटी वर्ग के लिए आरक्षित होंगे। यह आरक्षण सिर्फ प्रशासनिक और सहायक पदों पर लागू होगा, जजों की नियुक्तियों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट के जिन पदों पर यह आरक्षण नीति लागू होगी उनमें रजिस्ट्रार का पद से लेकर सीनियर पर्सनल असिस्टेंट, असिस्टेंट लाइब्रेरियन, जूनियर कोर्ट असिस्टेंट, जूनियर कोर्ट अटेंडेंट और चेंबर अटेंडेंट के साथ ही जूनियर प्रोग्रामर सहित अन्य तकनीकी व सहायक पद शामिल किए गए हैं।

सीजेआई गवई की अगुवाई में हुआ ऐतिहासिक फैसला

सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जस्टिस गवई ने इस ऐतिहासिक कदम को अंतिम रूप देने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, कि अगर अन्य सरकारी संस्थानों और हाईकोर्ट में यह आरक्षण नीति पहले से लागू है, तो सुप्रीम कोर्ट इससे अछूता क्यों रहे? जब हमारे फैसले वर्षों से सामाजिक न्याय और आरक्षण का समर्थन करते आ रहे हैं, तो अब समय है कि हम अपनी प्रशासनिक व्यवस्था में भी इसे लागू करें।

आरक्षण रोस्टर सुपनेट पोर्टल पर अपलोड

सर्कुलर के अनुसार, मॉडल आरक्षण रोस्टर और रजिस्टर को सुप्रीम कोर्ट के आंतरिक डिजिटल पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है, ताकि सभी कर्मचारी इसे देख सकें और पारदर्शिता बनी रहे।

बेंगलुरु भगदड़ मामले में सस्पेंड आईपीएस विकास कुमार बहाल

बेंगलुरु। आईपीएल ट्रॉफी जीतने के बाद बेंगलुरु में हुई विक्ट्री परेड के दौरान मची भगदड़ मामले को लेकर सस्पेंड किए गए सीनियर आईपीएस अधिकारी विकास कुमार को बहाल कर दिया गया है। यह फैसला मंगलवार को सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (सीएटी) ने सुनाया।

अपने आदेश में ट्रिब्यूनल ने स्पष्ट कहा कि इस हादसे के लिए पुलिस नहीं, बल्कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) फ्रेंचाइज़ी जिम्मेदार है। सीएटी ने आईपीएस अधिकारी विकास कुमार के सस्पेंशन को अनुचित बताते हुए कहा, कि पुलिस के पास कोई अलादीन का चिराग नहीं होता, जो उंगली रगड़ते ही भीड़ पर नियंत्रण पा सके। ट्रिब्यूनल ने कहा कि आरसीबी ने 4 जून को हुई विक्ट्री परेड से पहले पुलिस से कोई पूर्व अनुमति नहीं ली थी। सोशल मीडिया पर अचानक कार्यक्रम की जानकारी शेयर कर दी गई, जिससे भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जब 5 लाख लोगों की भीड़ एक साथ जुटती है, तो फ्रेंचाइज़ी को उसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

भगदड़ में 11 की मौत

चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर आयोजित हुई इस विक्ट्री परेड के दौरान अफरातफरी में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 75 लोग घायल हो गए थे। हादसे के बाद बेंगलुरु सिटी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी विकास कुमार को निलंबित कर दिया गया था। सीएटी ने तर्क दिया कि पुलिस को अचानक कार्यक्रम की सूचना मिली। ऐसे में उससे भीड़ नियंत्रण की उम्मीद करना अव्यावहारिक है। ट्रिब्यूनल ने कहा है कि निलंबन पुख्ता सबूतों पर आधारित नहीं है। पुलिस अधिकारियों को बिना किसी पर्याप्त सबूत या आधार के सस्पेंड किया गया है। अत- यह आदेश निरस्त किया जाता है।

आइए, ऐसा भारत बनाएं जो लोगों को सशक्त करे

नई दिल्ली। डिजिटल इंडिया पहल के प्रारंभ हुए आज 10 साल पूरे हो गए। इस खास अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एक ब्लॉग के माध्यम से देश को संबोधित करते हुए इस परिवर्तनकारी यात्रा पर विचार साझा किए। उन्होंने तकनीक के माध्यम से हुए व्यापक बदलावों को रेखांकित किया यऔर कहा, कि यह विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल क्रांति में से एक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा, कि दस वर्ष पहले हमने एक साहसिक यात्रा की शुरुआत की थी। कई लोगों को संदेह था कि भारत जैसे विविधतापूर्ण और विशाल देश में डिजिटल क्रांति संभव भी है या नहीं। लेकिन आज यह सवाल 140 करोड़ भारतीयों के जीवन में आए बदलावों ने स्वयं ही उत्तर दे दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि वर्ष 2014 में इंटरनेट का दायरा सीमित था, डिजिटल साक्षरता कम थी और सरकारी सेवाओं तक ऑनलाइन पहुंच नाममात्र को ही थी। लेकिन 10 वर्षों में भारत ने न केवल इन बाधाओं को पार किया, बल्कि दुनिया को चौंकाने वाली उपलब्धियां भी हासिल कीं।

वर्ष 2014 में जहां सिर्फ 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे, आज देश में 97 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। 42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई जा चुकी है— जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी से 11 गुना अधिक है।

भारत का 5जी रोलआउट दुनिया में सबसे तेज़ माना गया है— केवल दो वर्षों में 4.81 लाख बेस स्टेशन लगाए गए हैं, जिनमें गलवान, सियाचिन और लद्दाख जैसे दुर्गम क्षेत्र भी शामिल हैं।

भारत स्टैक और यूपीआई, दुनिया को दिखाई नई राह

प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया स्टैक को देश की डिजिटल रीढ़ बताते हुए कहा कि इसके जरिये यूपीआई जैसी सेवाओं ने वित्तीय लेन-देन को सरल, तेज और पारदर्शी बना दिया है। उन्होंने कहा, कि आज दुनिया के आधे से ज्यादा रियल टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन भारत में होते हैं। यूपीआई पर हर साल 100 अरब से ज्यादा का लेन-देन हो रहा है।

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से अब तक ?44 लाख करोड़ सीधे लाभार्थियों को भेजे गए, जिससे ?3.48 लाख करोड़ की बचत हुई है।

जनसुनवाई में कलेक्टकर ने सुनी आवेदकों की समस्या

86 आवेदक अपनी समस्यार लेकर आए

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 01 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देशन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ एवं अपर कलेक्टइर श्री जीएस धुर्वे ने अन्यि विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 86 आवेदक अपनी समस्याअ लेकर आए थे।

जनसुनवाई में किरनापुर तहसील के ग्राम गोंगलई की अनिता लिल्हारे शिकायत लेकर आयी थी कि उसे प्रधानमंत्री किसान सम्मांन निधी का लाभ नही मिल रहा है। अनिता ने बताया कि उसकी पैतृक भूमि ग्राम हिर्री में स्थित है। उसके द्वारा तहसील कार्यालय किरनापुर में सभी आवश्यक दस्तावेज 03 अप्रैल 2025 को जमा कर दिए गए थे। जिस पर अब तक कोई कार्यवाही नही हुई है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने किरनापुर तहसीलदार को इस प्रकरण का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये है।

बालाघाट तहसील के ग्राम गोंगलई की अनिता लिल्हारे भी प्रधानमंत्री किसान सम्मालन निधी योजना का लाभ नही मिलने की शिकायत लेकर आयी थी। खैरलांजी तहसील के ग्राम येवराघाट की श्रीमती इन्द्रकलाबाई अटराहे शिकायत लेकर आयी थी कि उसे मालिकाना हक भूमि मिलने के बाद भी सोहनलाल द्वारा उस पर खेती नहीं करने दे रहे है। इंद्रकलाबाई ने बताया कि जब वह मजदूर लेकर जाती है तो सोहनलाल द्वारा मजदूरों को डरा धमकाकर भगा दिया जाता है। इस प्रकरण में अपर कलेक्टनर श्री जीएस धुर्वे ने वारासिवनी एसडीएम को शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

जनसुनवाई में वार्ड न. 26 प्रेमनगर बालाघाट के अनुराग कुमार गोधे शिकायत लेकर आए थे कि रजनी सिंह बैस एवं लक्ष्माण सिंह बैस द्वारा नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत बहने वाले नाले पर अवैध रूप से पक्का निर्माण कर अतिक्रमण कर लिया गया है। जिसके कारण वार्ड क्र. 26 एवं 27 में जल भराव की स्थिति निर्मित हो रही है। अत: नाले पर किये गए अतिक्रमण को शीघ्र हटाया जाए। इस प्रकरण में मुख्या नगर पालिका अधिकारी बालाघाट ने कार्यवाही करने कहा गया है। लामता तहसील के ग्राम प्रतापपुर का प्याइर सिंह इनवाती शिकायत लेकर आया था कि उसकी जमीन पर गंगाराम उईके द्वारा अवैध रूप से कब्जाा कर खेती की जा रही है। गंगाराम उईके उसे अपनी जमीन पर खेती नही करने दे रहा है और मारने पीटने की धमकी देता है। प्या र सिंह का कहना था कि उसक परिवार अपनी खेती पर ही निर्भर है। अत: उसकी जमीन पर किये गए अवैध कब्जेम को शीघ्र हटाया जाए।

जनसुनवाई में ग्राम बेनी का दीपकचंद धुवारे शिकायत लेकर आया था कि मनरेगा के अंतर्गत ग्राम पंचायत द्वारा उसके खेत में वर्ष 2023 में कपिलधारा कूप का निर्माण किया गया है लेकिन उसे अब तक राशि का भुगतान नही किया गया है। अत: उसे मजदूरी की राशि का शीघ्र भुगतान कराया जाए। जनसुनवाई में सेवानिवृत्त पंचायत समन्व य अधिकारी महेश कुमार लांजेवार शिकायत लेकर आए थे कि जनपद पंचायत बालाघाट द्वारा उनकी सेवानिवृत्ति के उपरांत समयमान वेतनमान एवं नोशनल वेतनवृद्धि का लाभ नही दिया गया है। समयमान वेतन एरियर की 28 हजार 711 रुपये की राशि पर भुगतान बकाया है। महेश कुमार का कहना था कि वे 30 जून 2023 को सेवानिवृत्त हो गए है। लेकिन अब तक उनके प्रकरण में टाल मटोल किया जा रहा है। इस प्रकरण में जनपद पंचायत बालाघाट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को कार्यवाही करने कहा गया है।

बालाघाट विकासखंड के ग्राम ईमलीटेकरा-हीरापुर के ग्रामीण शिकायत लेकर आए थे कि ग्राम पंचायत हीरापुर के सरपंच द्वारा ईमलीटेकरा में राम मंदिर के सामने अवैध रूप से बाउण्ड्री वॉल का निर्माण किया जा रहा है। सरपंच द्वारा स्वयं की हित में शासकीय राशि का दुरूपयोग कर यह कार्य किया जा रहा है। इस कार्य में अन्य गांव के मजदूरों को लगाया गया है। बाउण्ड्री वॉल के बनने से ईमलीटेकरा के लोगो को सुलभ शौचालय एवं अन्या सुविधाओं से वंचित होना पड़ेगा। अत: इस कार्य को तत्काल रूकवाया जाए। इस पर बालाघाट तहसीलदार एवं जनपद सीईओ को मौके पर जाकर जॉंच करने एवं फोटो वीडियो सहित रिपोर्ट प्रस्तुरत करने कहा गया है।

लालबर्रा तहसील के ग्राम जाम का इलियास खान शिकायत लेकर आया था कि वन विकास निगम लामता प्रोजेक्टो द्वारा बगदेही बीट में वर्ष 2024 में सागौन के पौधे लगाना था और इसके लिए ट्रेंच खुदाई करना था, लेकिन वन परिक्षेत्र लालबर्रा के अधिकारी आरके गुप्ता द्वारा मात्र 50 पौधे लगाये गए है और ट्रेंच खुदाई का कार्य भी पूर्ण नही किया गया है। उनके द्वारा इस सम्पूर्ण कार्य की राशि फर्जी तरीके से आहरित कर ली गई है। अत: इस प्रकरण की जॉंच कर दोषी व्यीक्ति पर कार्यवाही की जाए। इस प्रकरण में वन विकास निगम लामता के अधिकारी को जॉंच करने कहा गया है।

किरनापुर तहसील के ग्राम सेवती के जगदीश पांचे शिकायत लेकर आए थे कि ग्राम पंचायत द्वारा प्राथमिक शाला भौराटोला से स्वच्छता परिसर भवन का सीसी रोड निर्माण में फर्जी हाजरी भरकर राशि आहरित की गई है। ग्राम पंचायत द्वारा भोजराज मेश्राम के नाम से 09 से 15 मार्च 2025 की फर्जी हाजरी भरी गई है। जबकि भोजराज मेश्राम की मृत्यु 02 जून 2024 को हो चुकी है। अत: ग्राम पंचायत के सरपंच एवं ग्राम रोजगार सहायक पर कार्यवाही की जाए। इस प्रकरण में जिला पंचायत की शिकायत शाखा को कार्यवाही करने कहा गया है।

ग्राम पंचायत उकवा की सरपंच सुश्री अनुसूईया क्षत्रिय शिकायत लेकर आई थी कि उनकी पंचायत में पदस्थ सचिव दशरथ बिसेन द्वारा पिछले 01 वर्ष से पंचायत के कार्यों में कोई रूचि नही ली जा रही है और न ही पंचायत के विकास कार्यों में सहयोग किया जा रहा है। सचिव की वजह से पंचायत के कार्य प्रभावित हो रहे है और सरपंच को अपमानित होना पड़ रहा है। अत: सचिव दशरथ बिसेन को उनकी पंचायत से हटाया जाए।

खैरलांजी विकासखंड की ग्राम पंचायत टटेकसा (तुमसर) के ग्रामीण शिकायत लेकर आए थे कि उनकी पंचायत के सचिव शंकपाल घरडे पंचायत से अनुपस्थित रहते है, जिसके कारण ग्रामीणों को अपने कार्यों के लिए परेशान होना पड़ता है। सचिव से सम्पर्क करने पर वह गाली गलौच करता है और धमकी देता है कि जो बनती है वो कर लेना। सचिव प्राय: नशे की हालत में पंचायत आते है और गंदगी करते है। उनके द्वारा पंचायत के कार्यों में अनियमितता भी की जा रही है। अत: सचिव को तत्कालल निलंबित किया जाए, और उनके कार्यों की जॉंच की जाए। वारासिवनी तहसील की ग्राम डोरली का निवासी दानेंद्र नगरगड़े शिकायत लेकर आया था कि 16 फरवरी 2021 को दूसरी संतान का जन्म होने के बाद उसने 11 अगस्त 2021 को अपना नसबंदी ऑपरेशन करा लिया है। लेकिन मेडिकल जॉच में बताया गया कि उसका नसबंदी ऑपरेशन फैल हो गया है। अत: उसे इसका मुआवजा दिलाया जाए। उसके द्वारा 20 अप्रैल 2024 को इसके लिए आवेदन दिया गया है लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नही हुई है। इस पर स्वाजस्व्‍ विभाग के अधिकारी द्वारा बताया गया कि दानेंद्र नगरगड़े को 30 हजार रुपये की राशि स्वीकृत हो गई है और इसे शीघ्र प्रदान कर दिया जाएगा।

04 जुलाई को जिला पंचायत की संचार एवं संकर्म समिति की बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आगामी 04 जुलाई को जिला पंचायत की संचार एवं संकर्म समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। यह बैठक जिला पंचायत कार्यालय सभाकक्ष में दोपहर 02 बजे से प्रारंभ होगी। इस बैठक में मनरेगा, पांचवा वित्तव, 15वॉ वित्ता के कार्यों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्नग योजनओं के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की जाएगी। सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के लिए सूचित किया गया है।

शपथ-पत्र

शपथकर्ता- दुपेश चौधरी उम्र 30 वर्ष पिता श्री रोशनलाल चौधरी, निवासी वार्ड नं0 4 हैडपम्प के पास पांजरा जरामोहगांव तहसील खैरलांजी, जिला बालाघाट (म.प्र.) मैं शपथकर्ता. निम्नानुसार शपथपूर्वक कथन करता हूँ -

1/ यह कि मैं शपथकर्ता उपरोक्त वर्णित स्थान की स्थायी निवासी हूँ।।

2/ यह कि मेरे वोटर कार्ड, पेन कार्ड, एवं ड्राइविंग लायसेस में मेरा का नाम दुपेश चौधरी (**DUPESH CHOUDHARY**) पिता श्री रोशनलाल चौधरी (**ROSHANLAL CHOUDHARY**) दर्ज है।

3/ यह कि मेरे आधार कार्ड एवं बी0फार्मेसी की अंकसूची में मेरा का नाम दुपेश चौधरी (**DUPESH CHOUDHARY**) पिता श्री रोशन लाल चौधरी (**ROSHAN LAL CHOUDHARY**) दर्ज है।

4/ यह कि मेरे संपूर्ण दस्तावेज़ में दर्ज नाम डुपेश चौधरी (दुपेश चौधरी) पिता श्री रोशनलाल चौधरी (रोशनलाल चौधरी) और डुपेश चौधरी (दुपेश चौधरी) पिता श्री रोशन लाल चौधरी (रोशन लाल चौधरी) मेरा स्वयं का ही नाम है जो वास्तविक सत्य और सही है।

5/ यह कि इस शपथपत्र मे शपथकर्ता के द्वारा उक्त नामों के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई गलत जानकारी नही छिपायी गई है, यदि भविष्य में उक्त नामों के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई गलत जानकारी पायी जाती है तो इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शपथकर्ता की होगी।

अत: शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
दुपेश चौधरी
वार्ड न. 04, ग्राम पांजरा जरामोहगाँव
तह.खैरलांजी जिला बालाघाट

नाम सुधार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं संजय पिता कंचन लाल बनोटे निवासी वार्ड न. 11 ग्राम खुरसोड़ी ग्रामीण थाना बालाघाट जिला बालाघाट का निवासी हुँ। मेरे ड्राईविंग लाइसेंस में भुलवश सजय कुमार पिता कंचन लाल बनोटे लिखा गया है जो कि बाकी दस्तावेजों से अलग है जबकि मेरा वास्तविक नाम संजय बनोटे पिता कंचन लाल बनोटे है।

अत: मुझे मेरे वास्तविक नाम संजय बनोटे पिता कंचन लाल बनोटे से जाना व पहचाना जावें एवं मेरे ड्राईविंग लाइसेंस में नाम सुधार किया जाएँ।

संजय बनोटे
ग्राम खुरसोड़ी, बालाघाट

जंगल में अवैध शराब फैक्ट्री में छापा मार कार्यवाही के दौरान फरार आरोपी गिरफ्तार

तिरोड़ी पुलिस ने ग्राम पुलपुट्टा के जंगल में की थी कार्यवाही

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। तिरोड़ी पुलिस ने ग्राम पुलपुट्टा के जंगल मे अवैध शराब की फैक्ट्री में छापा मार कार्रवाई के दौरान फरार शराब विक्रेता को उसके घर से गिरफ्तार किया गिरफ्तार शराब विक्रेता कृष्णा पिता सेवक राम देवारे 33 वर्ष को न्यायिक अध्यक्षता में जेल भिजवा दिया गया है ।26 जून को तिरोड़ी पुलिस द्वारा पुलपुट्टा के जंगल में की गई छापा मार कार्रवाई के दौरान 70 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब और शराब बनाने के उपकरण जप्त किए गये थे। तिरोड़ी पुलिस के मुताबिक 26 जून को सहायक उप निरीक्षक उमेश दियेवार अपने स्टाफ के साथ देहात भ्रमण करते हुए ग्राम पुलपुट्टा पहुंचे थे। तभी सूचना मिली कि कृष्णा देवारे अपने गांव के सोविन्द राम परतेती के खेत के नीचे जंगल में वडेकसा नाले में भारी मात्रा में कच्ची शराब निकाल रहा है। मुखबिर की इस सूचना पर सहायक उप निरीक्षक उमेश दियेवार ने अपने स्टाफ के साथ वडेकसा नाला जंगल मैं घेराबंदी की और देखें नाला किनारे अवैध रूप से हाथ भट्टी की कच्ची शराब बनाने की फैक्ट्री लगी हुई थी। जिससे कच्ची शराब निकाली जा रही थी। पुलिस पार्टी की भनक लगते ही कृष्णा देवारे वहा से भाग गया। मौके से काले रंग के तीन ट्यूब में हाथ भट्टी की 20-20 लीटर कच्ची शराब के अलावा एक सफेद रंग की पोलीथिन में 10 लीटर शराब भरी हुई थी और मौके पर ही शराब बनाने में प्रयुक्त अल्युमिनियम की तीन कर्ची एक लम्बा बांस जप्त किया गया था। मौके से। कुल 70 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब जप की गई। इस मामले में कृष्णा देवारे के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शरू की गई। लगातार की जा रही तलाश के दौरान 29 जून की शाम को सूचना मिली कि कृष्णा देवारे हाल ही में अपने घर में है। तब सहायक उपरीक्षक उमेश दियेवार ने अपने स्टाफ के साथ मिलकर ग्राम पुलपुट्टा में घेराबंदी कर कृष्णा देवारे को उसके घर में गिरफ्तार किये और 30 जून को तिरोड़ी पुलिस ने कृष्णा देवारे को कटंगी की अदालत में पेश कर दिए। जहा से उसे न्यायिक अभिरक्षा में उपजेल वारासिवनी भिजवा दिया गया है।

आल्टो कार की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा रोड ग्राम कनकी के पास बेलगाम आल्टो कार में मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। इस दुर्घटना में आल्टो कार की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। अन्य युवक को मामूली चोटे आई गंभीर रूप से घायल व्यक्ति लखन सिंह पिता गुलाब सिंह मर्सकोले 39 वर्ष ग्राम पिपरिया छिंदलई थाना लालबर्रा निवासी है जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। अन्य युवक शिवचंद पिता रतन सिंह उइके 29 वर्ष ग्राम पिपरिया निवासी ही है जिससे प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिपरिया निवासी शिवचंद उनके ने बालाघाट मोती नगर में किराए से रहकर पढ़ाई किया है ।1 जुलाई को शिवचंद अपने गांव के लखन सिंह मर्सकोले के साथ मोटरसाइकिल में मोती नगर बालाघाट अपने किराए के रूम आए थे और मोटरसाइकिल में रूम का सामान ले जा रहे थे। बालाघाट से अपने गांव पिपरिया जाते समय मोटरसाइकिल लखन सिंह मर्सकोले चल रहा था और शिवचंद सामान को लेकर पीछे बैठा हुआ था ।बालाघाट से लालबर्रा रोड पर स्थित ग्राम कनकी के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही एक आल्टो कार ने रांग साइड जाकर मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। इस दुर्घटना में लखन सिंह मर्सकोले अधिक चोट लगने से घायल हो गया वहीं शिवचंद को मामूली चोट आई । सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस की एमटी रेखा भोयर और पायलट मनीष चंदेल 108 एंबुलेंस लेकर तुरंत कनकी पहुंचे और दोनों घायल को जिला अस्पताल लाये जहां पर अत्यधिक चोट लगने से घायल लखनसिह मर्सकोले को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है वही शिवचंद को इस दुर्घटना में मामूली चोटे आई है। जिला अस्पताल पुलिस ने शिवचंद उइके का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना लालबर्रा भिजवा दी है।

आम सूचना

मैं मुकेश अग्रवाल अधिवक्ता सिविल कोर्ट वारासिवनी तह: वारासिवनी जिला बालाघाट आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पक्षकार श्री हिमांशु पसीने पिता श्री संदीप पसीने जाति कलार निवासी वार्ड नं. १५ ग्राम पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र. की ओर से श्रीमति नेहा उपाध्याय पति मनोज उपाध्याय निवासी वार्ड नं. २१ सोगापथ तिवारी बाडा बालाघाट तहसील व जिला बालाघाट एवं श्री विक्की उर्फ देवेश गौतम पिता श्री दिलीप गौतम निवासी ग्राम घोटी तहसील लालबर्रा एवं आम जनता को सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार ने आप प्राप्तकर्ता श्रीमति नेहा उपाध्याय से आपके स्वामित्व व आधिपत्य की ग्राम मौजा मानपुर प.ह.नं. २३, रा.नि.मं.व तह: लालबर्रा जिला बालाघाट में खसरा नंबर २७७ में से रकबा ०.२०९ हे.जिसे वर्तमान में नया खसरा नं. २७७/१ आवंटित हुआ है, और यही सौदा भूमि है जिसकी चतुर्सीमा इस प्रकार है: पूर्व में सीमेंट रोड़, पश्चिम व उत्तर गिरीश पाठक की भूमि व दक्षिण में कुसुमलता की भूमि स्थित है, को विक्रय करने का सौदा राशि १६७१००० में दिनांक ०९/०५/२०२२ को किया था और आप नेहा उपाध्याय ने दिनांक ०९/०५/२०२२ को १,००००० व दिनांक ०२ दिसंबर २०२२ को ४,०००००राशि प्राप्त की चूंकि आप प्राप्तकर्ता नेहा ने मेरे पक्षकार को बताया कि आपको यह सौदा भूमि खसरा नं. २७७/१सहखातेदार से मौखिक बंटवारे में प्राप्त हो चुकी है । वह विक्रय किया था जो पूर्व से उत्तर दिशा की ओर ९८ फुट मौके पर जाकर सौदा किया था और दिनांक ०९/०५/२०२२ को गवाहों के समक्ष एक बिक्री इकरारनामा भी निष्पादित किया था। यह कि आप प्राप्तकर्ता नेहा को मेरे पक्षकार हमेशा सौदा करने के लिये तैयार था और आप नेहा को विक्रय करने के लिये हमेशा शेष राशि लेकर निष्पादित करने के लिये कहता रहता था। किन्तु आप नेहा के द्वारा राजस्व प्रलेखों में पृथक नाम होने का कारण बताकर विक्रय पत्र निष्पादित नहीं किया इसी बीच मेरे पक्षकार को ज्ञात हुआ कि सौदा भूमि का विक्रय करने जा रहे है । इस कारण आप श्रीमति नेहा व श्री विक्की उर्फ देवेश को इस सौदा भूमि को या अन्य किसी व्यक्ति को विक्रय पत्र निष्पादित नहीं करें तथा आम जनता को सूचित किया जाता है सौदा भूमि का कोई भी हस्तातंरण प्रलेख निष्पादित किया जाता है। तो ऐसा विक्रय पत्र अवैध व शून्य होगा और मेरे पक्षकार पर बंधनकारक नहीं होगा।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है
दिनांक-०१/०७/२०२५

मुकेश अग्रवाल
अधिवक्ता सिविल कोर्ट वारासिवनी

अज्ञात वाहन की ठोकर से महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा थाना अंतर्गत दमोह रोड पर स्थितग्राम मरारी टोला के पास अज्ञात वाहन एक महिला को ठोस मार कर फरार हो गया। अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल महिला सुनीता पति मनोज तेकाम 42 वर्ष ग्राम पाथरी मलाजखंड निवासी है। जिसे बिरसा के अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार हेतु बालाघाट रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुनीता तेकाम महिला एवं बाल विकास कार्यालय बिरसा में सुपरवाइजर के पद पर पदस्थ है जो अपने परिवार के साथ मरारी टोला में किराए के कमरे में रहती है ।जिनके पति मनोज तेकाम गोहारा में सहायक सचिव के पद पर पदस्थ है। 30 जून को सुनीता तेकाम मरारी टोला अपने कमरे से पैदल महिला एवं बाल विकास कार्यालय बिरसा आई थी और अपना काम निपटाना के बाद 4:30 बजे सुनीता तेकाम महिला बाल विकास कार्यालय से पैदल मरारी टोला अपने किराये का कमरा जा रहीं थी। बिरसा से दमोह रोड पर स्थित मरारी टोला के पास पीछे से तेज रफ्तार से आ रही एक अज्ञात वाहन सुनीता तेकाम को ठोस मार कर फरार हो गया ।अज्ञात वाहन की ठोकर से सुनीता तेकाम गंभीर रूप से घायल बेहोश हो गई जिन्हें बिरसा के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद सुनीता तेकाम को बेहतर उपचार हेतु हायर सेंटर रेफर किया गया है। बिरसा पुलिस ने सुनीता तेकाम के पति मनोज तेकाम द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध धारा 125(a), 281 भारतीय न्याय संहिता 2023 और धारा 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

खैरलांजी महाविद्यालय में मनाया गया दीक्षारंभ समारोह

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार प्रदेश के सभी महाविद्यालय में 01 जुलाई 2025 को नव प्रवेशित विद्यार्थियों के आगमन में दीक्षारंभ समारोह मनाया जाना है। इसी तारतम्य में वीरांगना रानी अवंती बाई शास. महाविद्यालय खैरलांजी में धूमधाम से दीक्षारंभ समारोह मनाया गया।

दीक्षारंभ कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नए परिवेश में सहज महसूस कराने संस्थान की प्रकृति और संस्कृति से अवगत कराने अन्य विद्यार्थियों से संपर्क तथा उनके व्यापक उद्देश्य, स्वयं की खोज की भावना से परिचित कराने के लिए की गई है । कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य केएल हिवारे, प्रवेश प्रभारी अमर सिंह गोंड, शमीम, कुशवाहा, रोहित कुमार पांडेय, अशोक टेंभुरने, डॉ. अल्का हिरकने, श्रीमती गुप्ता, वीरेन्द्र पटले तथा महाविद्यालय का समस्त स्टॉफ के साथ नव प्रवेशित विद्यार्थियों के साथ पूर्व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0015/ड-154/2025-26
मौजा जाम, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती जानकी सौलाखे पति जयराम सौलाखे (पिता प्रेमलाल नगपुरे) जाति लोधी, निवासी ग्राम नैतरा, तहसील, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा जाम, रा.नि.मं. लालबर्रा तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदिका द्वारा अपनी माता ठगनबाई पति प्रेमलाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 03.09.2023 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम जाम के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 10.07.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 01.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 02.07.2025

के.एल. तेकाम
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

रतलाम में हुई घटना से जिले के अधिकारी नहीं ले रहे सबक : खाद्य मंत्री के आदेश पर भी नही किया जा रहा अमल

आदेश के बावजूद भी अब तक पेट्रोल पंपो की शुरू नही हुई जांच

कई पेट्रोल पंप में ग्राहकों को नही मिल रही सुविधाए, खाद्य निरीक्षक बोले जल्द करेंगे जांच

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पिछले दिनों प्रदेश के रतलाम जिले में मुख्यमंत्री के काफिले में शामिल कुछ वाहन एक पेट्रोल पंप में रुके थे। जहां सीएम काफिले के सभी वाहनों में डीजल डलवाया गया था।लेकिन उक्त पेट्रोल पंप पर मिलने वाले डीजल में पानी मिला हुआ था।जिसे वाहनों में डालने से कुछ दूर चलकर सभी वाहन बंद हो गए थे। इस मामले में दोषी पंप संचालक पर एफआईआर दर्ज करा दी गई है। रतलाम में हुई घटना का त्वरीत संज्ञान लेते हुए राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने प्रदेश भर के सभी पेट्रोल पंपों की जांच के निर्देश दे दिए थे। उन्होंने अपने आदेश में अधिकारियों से उपभोक्ताओं को हर हाल में गुणवत्तायुक्त पेट्रोल एवं डीजल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने और पेट्रोल पंप पर मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लेने को कहा था। लेकिन आदेश के तीन दिन बाद भी, बालाघाट में जांच को लेकर खाद्य विभाग गंभीर दिखाई नही दे रहा है। शायद यही वजह है कि अब तक बालाघाट जिले के किसी भी पेट्रोल पंप पर अधिकारियों ने दबीश देकर उपभोक्ताओं को मिलने वाले पेट्रोल डीजल और उनको मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी नहीं ली है।

किसी भी पेट्रोल पंप पर नही दिखी सभी सुविधाएं

रतलाम में हुई इस घटना और खाद्य मंत्री द्वारा दिए गए आदेशों को लेकर जब हमने नगर के विभिन्न पेट्रोल पंप पर जाकर देखा तो ऐसी कई सुविधाएं हैं जो पेट्रोल पंप पर मिलनी चाहिए। वह सुविधा भी उपभोक्ताओं को पेट्रोल पंपों पर नहीं मिल रही है। उधर खाद्य मंत्री के आदेश के बावजूद भी विभाग द्वारा पेट्रोल पंपो की जांच नहीं की जा रही है ।जिसका सीधा-सीधा असर आम उपभोक्ता पर पड़ रहा है। हालांकि विभाग द्वारा जल्द ही जांच शुरू करने की बात कही गई है।अब देखना दिलचस्प रहेगा की जिले के विभिन्न पेट्रोल पंपों की जांच, विभाग द्वारा कब से शुरू की जाती है।

क्या कहता है नियम

बात अगर नियम की करे तो एक पेट्रोल पंप में नियमानुसार पीने के पानी, टायर में हवा भरने की सुविधा, शौचालय, प्राथमिक चिकित्सा किट, इमरजेंसी कॉल की सुविधा,फायर सेफ्टी डिवाइस, पेट्रोल और डीजल की क्वालिटी और क्वांटिटी जानने की व्यवस्था और पेट्रोल पंप में पेट्रोल या डीजल भरवाने पर बिल की सुविधा अनिवार्य है, लेकिन बालाघाट के पेट्रोल पंपो में इन सुविधाओ में कई सुविधाएं, पंप संचालक देते नहीं है या फिर इसका अभाव पेट्रोल पंप में है। इसके अलावा, लोगो में जागरूकता की कमी का भी पंप संचालक फायदा उठाते है। यहां तक कि कई बार तो सुविधाए मांगने के बावजूद भी नही मिल पाती है।

कई जगह दिखी अनदेखी

आपको बताए कि पेट्रोल पंपो की जांच किसी निर्देश या शिकायत पर ही नहीं बल्कि खाद्य विभाग की यह जिम्मेदारी है कि वह, इसकी जांच कर सकता है लेकिन बालाघाट में ऐसी कोई जांच, विभाग ने कभी की है, यह देखने में नहीं आया है ।ज्ञात हो कि बालाघाट जिले में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के पेट्रोल पंप है। जिसमें कई पेट्रोल पंप में शौचालय और हवा भरने तक की सुविधा नहीं है, जबकि कुछ जगह है, लेकिन वह, स्पष्ट रूप से नजर नहीं आती है, कई पेट्रोल पंप में तो आलम यह है कि, वाहन में हवा भी, वाहन चालक ही भरते है और कई जगह, केवल हवा सेंटर नजर आता है लेकिन, वहां हवा नहीं भरी जाती है ।कई जगह तो आगजनी जैसी घटना से निपटने के लिए साधन तक नही है ।तो कई जगह पीने का पानी तक नही है। जबकि नियमानुसार यह सुविधाए हर उपभोक्ता को मिलनी ही चाहिए ।लेकिन वह भी उपभोक्ताओं को नसीब नही हो रही है।

जल्द शुरू करेंगे जांच- ठाकुर

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान, खाद्य अधिकारी रविकांत ठाकुर ने बताया कि रतलाम में हुई घटना और घटना को लेकर खाद्य मंत्री द्वारा जारी किए गए आदेश उनके संज्ञान में है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी पेट्रोल पंपों की जांच करने के लिए आदेश बनाए जा रहे है, आदेश जारी होते ही जल्द जांच शुरू कर दी जाएगी।

नर्मदा नगर से चोरी गई मोटरसाइकिल के कल पुर्जे गोंदिया रजेगांव के ऑटो सेंटर से जप्त

मोटरसाइकिल चोरी और चोरी की मोटरसाइकिल के पार्ट्स खरीदने के आरोप में तीन युवक गिरफ्तार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पुलिस नर्मदा नगर से चोरी गई मोटरसाइकिल के कल पुर्जे गोंदिया जिले के छोटा रजेगांव से बरामद किए और इस मोटरसाइकिल चोरी करने और चोरी की मोटरसाइकिल के पार्ट्स खरीदने के आरोप में तीन युवक को गिरफ्तार किये है। गिरफ्तार तीनों युवक कार्तिक पिता शिव शंकर बिसेन 25 वर्ष छोटा रजेगाव जिला गोंदिया, अजय पिता मेहतर लिल्हारे 25 वर्ष और रोहित पिता विजय लिल्हारे 20 वर्ष दोनों ग्राम सिवनी खुर्द थाना किरनापुर निवासी है। तीनों युवक को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक 26 जून को दोपहर बाद नर्मदा नगर स्थित श्रीराम फाइनेंस के पास से पैशन प्रो मोटरसाइकिल सीजी 04 डी यू 2148 चोरी हो गई थी ।शुभम ऐड़े वार्ड नंबर 3 लोहारा थाना हट्टा निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया था। जिसकी जांच थाना प्रभारी निरीक्षक विजय राजपूत के मार्गदर्शन में सहायक उपनिरीक्षक संतोष कोशले के द्वारा शुरू की गई थी सीसीटीवी फुटेज से इस मोटरसाइकिल चोरी का पता चलने पर कोतवाली की पुलिस टीम ने रजेगांव के कार्तिक बिसेन को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। जिसने रोहित लिल्हारे के साथ उक्त मोटरसाइकिल चोरी करना बताया और अपने ऑटो सेंटर में मोटरसाइकिल खोलकर साकप अजय लिल्हारे ग्राम सिवनी खुर्द निवासी को बेचना बताया। कोतवाली पुलिस ने अजय लिल्हारे को अभिरक्षा में लेकर उसके द्वारा चोरी की मोटरसाइकिल के खरीदे गए साकप जप्त किया गया। कार्तिक बिसेन के छोटे रजेगांव स्थित ऑटो सेंटर से मोटरसाइकिल के चेचिस इंजन सहित अन्य कल् पुर्जे जप्त किये। मोटरसाइकिल की चोरी और चोरी की मोटरसाइकिल के पार्ट्स खरीदने के आरोप में कोतवाली पुलिस ने कार्तिक बिसेन,रोहित लिल्हारे और अजय लिल्हारे को गिरफ्तार करके 1 जुलाई को तीनों को बालाघाट की अदालत में पेश कर दिए। तीनों को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

एक ग्राम पंचायत ऐसी भी : पिछले 5 महीनो से पंचायत नहीं आया सचिव

सरपंच भी पंचायत से रहते हैं नदारत ,गांव में अधूरे पड़े है विकास कार्य, उप सरपंच सहित पंचों ने जताई आपत्ति,ग्रामीणों के साथ सौपा ज्ञापन, खैरलांजी के ग्राम टटेकसा- तुमसर का मामला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।यदि किसी भी ग्राम पंचायत का विकास करना हो या उस पंचायत को सर्व सुविधा युक्त बनाकर उसे एक आदर्श ग्राम पंचायत या मॉडल ग्राम पंचायत बनाना हो। तो उस ग्राम पंचायत में सचिव का होना अति आवश्यक है। क्योंकि सचिव ही गाँव मे शासन प्रशासन की विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन कराता है ।वही गांव में विभिन्न निर्माण कार्य कराकर ग्रामीणों को रोजगार व शासन प्रशासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाता है। लेकिन खैरलांजी तहसील में एक ग्राम पंचायत ऐसी भी है जहां के सचिव सहाब तो हमें महीने में सिर्फ एक दो बार आते है ।वही पिछले 5 महीनों से सचिव पंचायत में नही आए। जिससे पंचायत के कई कार्य अधूरा पड़े है। जिसका खामियाजा जहां एक ओर ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है ।तो वहीं दूसरी ओर गांव में विभिन्न निर्माण कार्य भी नहीं हो पा रहे हैं ।इसके अलावा मनरेगा के तहत ग्रामीणों को रोजगार भी नहीं मिल रहा है तो वहीं ग्रामीण शासन प्रशासन की विभिन्न योजनाओं से मेंहरूम है ।तो वहीं सरपंच भी अक्सर पंचायत से नदारत रहते हैं ।ताजा मामला खैरलांजी तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत टटेकसा- तुमसर का है। जहा के पंचायत उपसरपंच, सहित अन्य पंचों व ग्रामीणों ने सरपंच ,सचिव पर पंचायत से नरारत रहने का आरोप लगाते हुए सचिव को तत्काल पंचायत से हटाने,व सरपंच पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है। जहां उन्होंने अपनी उक्त मांग को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में एक ज्ञापन सोपा है ।जिसमें उन्होंने उनकी इस मांग को यथाशीघ्र पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।

पंचायत में पड़े है कई अधूरे कार्य, -पंचगण

चर्चा के दौरान ग्राम टटेकसा- तुमसर वार्ड 02 पंच राजू पटले और पंच ज्ञानचंद कावरे ने बताया कि सरपंच और सचिव के कार्य प्रणाली से परेशान होकर आज हम कलेक्टर कार्यालय आए हैं। अभी स्कूल शुरू हो गया है बच्चों के बहुत सारे काम है लेकिन सरपंच सचिव दोनों नदारत होने से वह काम नहीं हो पा रहे हैं। दोनों ही पंचायत में उपस्थित नहीं रहते ,जिससे गांव के कई विकास कार्य अधूरे पड़े हैं जो पूरे नहीं हो रहे हैं। यदि सचिव को कोई काम होता है तो वह बाहर की बाहर सरपंच से मिलकर बिल वाउचर में साइन कर देता है और वह बाहर ही बाहर पैसे निकाल लेते हैं ।हमारी मांग है कि ऐसे सचिव को तत्काल हटाना चाहिए और किसी अच्छे सचिव को पंचायत भेजना चाहिए ताकि ग्रामीणों के काम ना रुके।

सरपंच,सचिव पर की जाए कार्यवाही- स्वरूपचंद

उपसरपंच स्वरूपचंद बानेवार ने बताया कि उनकी ग्राम पंचायत में सरपंच और सचिव अपनी मनमर्जी से काम कर रहे हैं। अवैध तरीके से फर्जी बिल वाउचर लगाकर बाहर की बाहर शासन की राशि का आहरण किया जा रहा है। पंचों की पूछ परख नहीं जा रहा है। सचिव पंचायत से अक्सर नदारत रहते हैं। हमारी मांग है कि ऐसे सचिव को तत्काल हटाना चाहिए। वहीं सरपंच सचिव पर वैधानिक कार्यवाही की जानी चाहिए।

5-6 महीनों ने गायब है सचिव- राजकुमार पटले

वहीं वार्ड नंबर 9 पंच राजकुमार पटले ने बताया कि गांव में सचिव करीब 6 महीनो से पंचायत नहीं आए है। फोन करो तो बाहर हु या अस्पताल में हूं कहकर बहाना बना देता है ।उनके पास सिर्फ एक ही गांव का प्रभार है फिर भी वे गांव के काम में के लिए नहीं आते है ।कभी आते भी है तो शराब का सेवन करके आते हैं गाली गलौज देते हैं। हमारी मांग है कि गांव के सचिव को निलंबित किया जाना चाहिए इसके अलावा पंचायत में कई विकाश कार्य अधूरे हैं। उनका फर्जी बिल वाउचर लगाकर उस कार्य की पूर्ण राशि सरपंच सचिव द्वारा निकाल ली गई है। हमारी मांग है कि पंचायत में अब तक किए गए निर्माण कार्य की जांच कराकर संबंधितों पर वैधानिक कार्यवाही की जानी चाहिए।

रसोईया बहनों ने मध्यान भोजन से संबंधित विभिन्न मांगों को लेकर निकाली रैली, सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय स्व सहायता रसोईया संघ द्वारा जिला मुख्यालय पहुंचकर , मध्यान भोजन से संबंधित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सर्वप्रथम स्थानीय मजदूर संघ कार्यालय में एक बैठक की । उसके बाद सभी रसोइया बहनों द्वारा संगठन कार्यालय से एक रैली निकाली गई। जो शहर के प्रमुख चौक , चौराहों का भ्रमण करते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंची, वहां रसोई संघ की बहनों द्वारा कलेक्टर को अपनी विभिन्न मांगों का ज्ञापन दिया गया । आपको बता दे की 1 जुलाई को अखिल भारतीय स्व- सहायता समूह रसोईया संघ की बहनों द्वारा जिला मुख्यालय में पहुंचकर एक बैठक का आयोजन किया गया । जिसमें उन्होंने मध्यान भोजन बनाते समय आने वाली विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा की और बताया कि आज उन्हें मध्यान भोजन बनाते समय बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि उन्हें मानदेय बहुत कम मिल रहा है ,उन्होंने कहा कि उन्हें 10,000 रूपये प्रतिमाह से अधिक मानदेय दिया जाना चाहिए। लेकिन विभाग द्वारा बहुत ही कम मानदेय दिया जा रहा है। जिससे उन्हें परिवार चलाने में बहुत ही असुविधा हो रही है । इस योजना का निजीकरण नहीं किया जाना चाहिए , क्योंकि आज देखा जा रहा है कि अधिकतर इस योजना के तहत समूहों को भोजन बनाने का कार्य दिया जा रहा है, जिसे कहीं ना कहीं रसोई बहनों की सेवाएं भी समाप्त हो रही है, वह नहीं चाहते कि किसी प्रकार से मध्यान भोजन का भी निजीकरण हो जाए । कुछ रसोईया बहनों ने तो यह भी बताया कि आज उन्हें मध्यान भोजन बनाते समय कोई घटना हो जाती है तो उसका उन्हें निशुल्क उपचार किया जाना चाहिए । जबकि ऐसा होता नहीं है अन्य विभाग के अधिकारी कर्मचारियों की तरह उनका भी निःशुल्क बीमा योजना के तहत लाभ दिया जाना चाहिए , ताकि उनका बीमा किया जा सके । पीएफ सहित उनको पेंशन योजना का लाभ दिया जाना चाहिए । रसोई समूह की पदाधिकारी लीला नगपुरे द्वारा बताया गया कि उन्होंने अपनी मांग को लेकर एकदिवसीय धरना प्रदर्शन मुख्यालय में रखा था, जिसमें उनकी 9 सूत्रीय प्रमुख मांगे हैं, जिसमें उनका मानना है कि उनकी रसोईया बहनों को 10,000 रूपये प्रति महीने दिया जाना चाहिए , मध्यान भोजन का जो निजीकरण व ठेका पद्धति हो रही है उस पर तत्काल रोक लगाई जाए, इस बात का वह सबसे अधिक विरोध कर रहे हैं, क्योंकि उनका कहना है कि यदि मध्यान भोजन का भी ठेका पद्धति के साथ निजीकरण हो जाएगा तो उनकी रसोईया बहनों का धीरे-धीरे काम ही खत्म हो जाएगा । वह पुनः बेरोजगार हो जाएगी कि उन्होंने 200 रूपये प्रति माह के मानदेय पर भी कार्य किया है तो आज उनसे काम छिन जाएगा तो वह कहां काम करेंगी उन्होंने यह भी बताया कि आज कार्य के दौरान उन्हें चार-चार महीने से स्कूलों में मानदेय नहीं दिया जाता , जिससे उनकी रसोईया बहने परेशान होते रहती हैं और उन्होंने राशन निःशुल्क दिए जाने की भी मांग की है क्योंकि आज राशन देने पर उनका पैसा काट दिया जा रहा है ।ऐसी कई मांगे हैं इनको लेकर उनके द्वारा आज एकदिवसीय प्रदर्शन किया गया है और इसके बाद भी यदि उनकी मांगे पूरी नहीं होती तो वह इसको लेकर जिले में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन करेंगे ।

एक व्यक्ति को बाप बेटे ने हाथ बुक्के और पत्थर से मारकर किये घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम भीमजोरी में नहर की पार से मवेशी ले जाने की विवाद को लेकर बाप बेटे ने एक व्यक्ति को हाथ बुक्को और पत्थर से मारकर घायल कर दिए, और उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। घायल व्यक्ति नैनसिंह सिंह पिता तुलसीराम यादव 54 वर्ष ग्राम भीमजोरी निवासी का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया वहीं मलाजखंड पुलिस ने इस व्यक्ति द्वारा की गई रिपोर्ट पर प्रेमलाल यादव और उसके बेटे राजा यादव के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भीमजोरी निवासी नैनसिंह यादव मजदूरी करता है और अपने घर के मवेशी चराने काभी काम करता है। 1 जुलाई को 2:00 बजे नैनसिंह यादवअपने घर के गाय बैलों को चराने के लिए गांव की नर्सरी तरफ लेजा रहा था। गांव के प्रेम लाल यादव के घर के सामने से मवेशी ले जाते समय प्रेम लाल यादव अपने बेटा राजा यादव के साथ अपने घर के सामने खड़ा था। तब प्रेमलाल यादव ने नैनसिंह यादव से बोला कि हमारे घर के सामने नहर के पार के ऊपर से मवेशियों कोक्यों लिया जाते हो। तब नैनसिंह यादव ने प्रेमलाल यादव से बोला कि यहा से गांव के सभी लोग अपने मवेशियों को ले जाते हैं। नैनसिंह यादव के इतना कहते ही प्रेमलाल यादव अपने बेटे के राजा यादव के साथ नैनसिंह यादव को अश्लील गालियां देने लगे नैनसिंह यादव ने उन्हें गाली देने से मना किया तो प्रेमलाल यादव और उसके बेटे राजा यादव ने नैनसिंह यादव को हाथ बुक्के से मारपीट करने लगे और नहर के पार के ऊपर पड़े पत्थर को उठाकर नैनसिंह यादव के ऊपर मारा जिससे नैनसिंह यादव का कान फट गया। नैनसिंह यादव यादव की आवाज सुनकर नहर के पास खेत में काम कर रहे आशा यादव, रवि यादव, राकेश यादव दौड़कर आए और बीच बचाव कर झगड़ा छुड़ाएं। इसके बाद प्रेमलाल यादव और राजा यादव दोनों ने नैनसिंह यादव को दोबारा घर के सामने से आते-जाते दिखाई देने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। मारपीट में घायल नैनसिंह यादव ने इस घटना को अपने परिवार वालों को बताया और भतीजे सालिकराम यादव के साथ रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड पुलिस थाना पहुंचा। मलाजखंड पुलिस ने मारपीट में घायल नैनसिंह यादव का इलाज बिरसा के अस्पताल में करवाए और प्रधान आरक्षक राम दयाल राहंगडाले ने नैनसिंह यादव द्वारा की गई रिपोर्ट पर प्रेमलाल यादव और उसके बेटे राजा यादव के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने कीआरोप में धारा 296,115(2), 351(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

लांजी सिविल अस्पताल में महिला चिकित्सक पर लापरवाही और अभद्रता का आरोप

पीड़ित परिजनो ने की चिकित्सक पर कार्रवाई की मांग

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । जिले के लांजी तहसील अंतर्गत सिविल अस्पताल में पदस्थ महिला चिकित्सक डॉ. सुजाता गेडाम पर प्रसव के दौरान गंभीर चिकित्सकीय लापरवाही, अमानवीय व्यवहार और परिजनों से अभद्रता के गंभीर आरोप लगे हैं। ग्राम बोरीखुर्द निवासी लेखराम लिल्हारे ने मंगलवार को जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर से शिकायत कर चिकित्सक पर के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है।

चार जून को हुआ था प्रसव

पीड़ित ने बताया कि 04 जून 2025 को उसने अपनी गर्भवती पत्नी के प्रसव के लिए लांजी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया था, यहां डा. सुजाता गेडाम द्वारा सिजेरियन आपरेशन के लिए 6 हजार 500 रुपये की मांग की गई। आपरेशन पांच जून को हुआ और एक बालक का जन्म हुआ। कुछ दिनों बाद पत्नी को पेट में तेज दर्द शुरू हुआ, लेकिन चिकित्सक ने इसे सामान्य बताकर नजर अंदाज कर दिया और दवाइयां देकर घर भेज दिया ।जब स्थिति बिगड़ती गई और टांकों से मवाद निकलने लगा, तब 20 जून को मरीज को गोंदिया रेफर किया गया। वहां जांच में सामने आया कि संक्रमण फैल चुका है और गर्भाशय में गहरी सर्जिकल लापरवाही हुई है।

5 जून के बाद 26 जून को करना पड़ा दोबारा ऑपरेशन

पीड़ितों ने बताया कि गोंदिया ले जाने पर लांजी अस्पताल की महिला चिकित्सक की लापरवाही समाने आई जहा शरीर मे फेल थे संक्रमण को रोकने के लिए 26 जून को दोबारा आपरेशन कर गर्भाशय की सफाई करनी पड़ी। वहां के चिकित्सकों के अनुसार जिस औजार से पहले महिला का आपरेशन किया गया था, उसी औजार को पुनः इस्तेमाल किया गया, जिससे संक्रमण फैला। पीड़ित ने बताया कि जब उन्होंने स्थिति को लेकर संबंधित से बात करनी चाही, तो चिकित्सक ने परिजनों से अभद्र व्यवहार किया, गाली-गलौज की और धमकियां दीं। पीड़ति की मां और मामी को भी अपमानजनक बातें कहीं गईं। परिजनों का यह भी आरोप है कि चिकित्सक ने जो करना है कर लो कहकर उनकी शिकायतों को नजरअंदाज किया। जिसके बाद परिवार ने 25 जून को थाने में रिपोर्ट दर्ज करानी चाही, तो थाना लांजी ने रिपोर्ट लेने से इनकार कर दिया। जिस पर सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की गई है ।परिजनों ने इस मामले में सम्बधित चिकित्सक पर एफआईआर दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की मांग की है।

सड़क निर्माण के बाद नाली निर्माण करवाना भूला प्रशासन

नाली नही होने से घरों में घुस रहा पानी, ग्रामीणजन परेशान, जिम्मेदार मौन, ग्रामीणजनों ने सड़क के दोनों साइड में पक्की नाली का निर्माण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 9 किमी. दूर ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. से छिंदलई पहुंच मार्ग का करोड़ों रूपयों की लागत से निर्माण कार्य करवाया गया है। जिसका कार्य पूर्ण होने के बाद सड़क से आवागमन शुरू चुका है, लेकिन प्रशासन के द्वारा नाली का निर्माण कार्य नही करवाया गया है जिसके कारण तेज बारिश होने पर रोड़ किनारे निवासरत लोगों के घरों में पानी घुस रहा है। साथ ही कुछ स्थानों पर जल भराव की स्थिति निर्मित हो रही है। जिसके कारण ग्रामीणजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं जाम पंचायत के द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था के तहत गत दिवस अपनी पंचायत क्षेत्र में अस्थाई नाली बनाकर पानी निकासी की व्यवस्था बनाई गई है परन्तु बरसात के दिनों में अनवरत बारिश होने पर यह नाली भी काम नही आ पायेगी। ऐसी स्थिति में ग्रामीणजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। वहीं सड़क के दोनों साईड में नाली का निर्माण नही होने के कारण ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से नेवरगांव ला. से छिंडलई पुल तक बनी सड़क के दोनों साईड में पक्की नाली का निर्माण कार्य एवं सड़क निर्माण कार्य की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करने की मांग की है।

मामला - नेवरगांव ला. से छिंदलई पहुंच मार्ग का

नाली नही बनने से बरसात के दिनों में हो रही परेशानी

आपकों को बता दे कि मुख्यमंत्री विशेष निधि से स्वीकृत वीरांगना रानी अवंतीबाई मार्ग नेवरगांव ला. से छिंदलई वैनगंगा नदी उच्चस्तरीय पुल तक सीसी रोड़ व नाली निर्माण कार्य लागत 19.50 करोड़ रूपये की लागत से होना था। लेकिन प्रशासन व निर्माण कंपनी के द्वारा सीसी सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण कर दिया गया है किन्तु सड़क के दोनों साईड में नाली का निर्माण नही करवाया गया है। जिसके कारण तेज बारिश होने पर रोड़ किनारे पानी जमा होने से निवासरत लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और गत दिवस से हो रही तेज व रिमझिम बारिश के चलते जिनके मकान सड़क से नीचे है उनके घरों में पानी घुस जाता है। साथ ही शुरूआती बारिश में ही यह हाल है तो बरसात के समय होने वाली तेज बारिश होने पर जाम, घटोलगांव, छिंदलई, बहेगांव, नेवरगांव ला. के ग्रामीणजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। जबकि सड़क निर्माण के समय ग्रामीणजनों के द्वारा निर्माण कंपनी एवं जिम्मेदार अधिकारियों को सड़क के साथ ही दोनों साईड में पक्की नाली का निर्माण करवाने की मांग किये थे। लेकिन उन्होने कोई ध्यान नही दिये और ग्रामीणों को कहा कि स्टीमेट में नाली नही है। जबकि जिस समय नेवरगांव ला. से छिंदलई वैनगंगा नदी उ च स्तरीय पुल तकसड़क का निर्माण हेतु भूमिपूजन किया गया था उस समय सीसी रोड़ व नाली दोनों शामिल थे। लेकिन प्रशासन के द्वारा नाली का निर्माण कार्य नही करवाया गया है। साथ ही सड़क का निर्माण कार्य भी गुणवत्तापूर्ण नही किया गया है जिसके कारण कुछ स्थानों से सड़क में दरारे व गिट्टी निकलने लगी है एवं सड़क के बीच में पानी जमा होने लगा है और ओवरलोड़ वाहनों के गुजरने के कारण सड़क जल्द खराब हो सकती है। इस तरह से करोड़ों रूपयों की लागत से बनी सड़क का निर्माण होने के साथ ही सड़क खराब होने लगी है। समय रहते जिस स्थानों से सड़क के बीच में पानी जमा हो रहे, दरारे व गिट्टी निकल रहे है उसका मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो जल्द सड़क खराब हो जायेगी।

नाली नही बनने से घरों में घुस रहा पानी - सत्यनारायण

सत्यनारायण श्रीवास ने बताया कि सड़क के दोनों ओर पक्की नाली का निर्माण नहीं होने के कारण गत दिवस हुई तेज बारिश के कारण ग्रामीणजनों के घरों के अंदर पानी जमा हो गया था। जिसके बाद पंचायत के द्वारा जेसीबी मशीन से पानी निकासी की वैकल्पिक व्यवस्था बनाई गई है। लेकिन यह समस्या का समाधान नही है, बरसात के दिनों में तेज बारिश होने पर पुन: जल भराव की स्थिति निर्मित हो सकती है। श्री श्रीवास ने बताया कि सड़क निर्माण के दौरान प्रशासन से पक्की नाली का निर्माण करवाने की मांग किये थे लेकिन उन्होने नाली का निर्माण नही करवाये। जिसके कारण नेवरगांव ला. से छिंदलई के बीच में रोड़ किनारे स्थित ग्रामों के निवासरत लोगों के घरों में तेज बारिश होने पर पानी जमा हो जाता है।

सड़क निर्माण कार्य में बरती गई है अनियमितता - देवराज

देवराज ठकरेले ने बताया कि नेवरगांव ला. से छिंदलई पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य गुणवत्ताहीन किया गया है। साथ ही नाली भी नही बनाई गई है जिसके कारण जाम में जल भराव की स्थिति निर्मित होती है। साथ ही सड़क के बीच में पानी जमा होने से आने-जाने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। श्री ठकरेले ने बताया कि सड़क निर्माण की अनियमितता के संबंध में कई बार शासन-प्रशासन को अवगत करवाये लेकिन कोई ध्यान नही दिया गया और निर्माण कंपनी सड़क का निर्माण कर चले गये। जब हमारे द्वारा नाली के संबंध में विभाग के जिम्मेदारों से चर्चा किये तो उन्होने कहा कि स्टीमेट में नाली नही था, जबकि शासन से सीसी सड़क एवं पक्की नाली निर्माण कार्य एक साथ स्वीकृत हुए थे और भूमिपूजन भी जाम में किया गया था। साथ ही यह भी बताया कि सड़क निर्माण कार्य में अनियमितता बरती गई है, प्रशासन से मांग है कि निर्माण कार्य की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करें।

प्रशासन की लापरवाही के चलते ग्रामीणजन परेशान - जाहिद

जनपद सदस्य जाहिद कुरैशी ने बताया कि पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा सड़क का निर्माण करवाया गया है, लेकिन उनका कहना है कि स्टीमेट में नाली निर्माण का उल्लेख नही था इसलिए ठेकेदार के द्वारा नाली का निर्माण नही किया गया है। जबकि निर्माण कार्य के दौरान हमारे द्वारा शासन-प्रशासन एवं अधिकारियों से नाली नही बनने पर बारिश के दिनों में लोगों के घरों में पानी जमा होने की बात कहते रहे लेकिन उन्होने कोई ध्यान नही दिया एवं अब बारिश होने पर पानी मकानों में जमा हो रहे है। श्री खान ने बताया कि प्रशासन की लापरवाही के कारण नाली का निर्माण नही हो पाया और ग्रामीणजन परेशान है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि नेवरगांव ला. से छिंदलई तक सड़क के दोनों ओर पक्की नाली का निर्माण कार्य करवाये।

धान से भरा ट्रक पलटा, बड़ा हादसा टला

हाईवे रोड़ के बीच में ट्रक पलटने से आवागमन में हुई परेशानी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई एवं कनकी के बीच हाईवे रोड़ के बीच में बीती रात्रि में धान से भरा ट्रक रोड़ के बीच में अनियंत्रित होकर पलट गया। लेकिन चालक की सूझ-बुझ के चलते बड़ा हादसा होते-होते टल गया। लेकिन मंगलवार को दिनभर ट्रक रोड़ के बीच में ही पलटा रहा जिससे आवागमन करने वाले राहगीर एवं ग्रामीणजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ा एवं शाम में धान से भरे ट्रक को सड़क के बीच से हटाया गया है। जिसके बाद बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग से आवागमन सुचारू रूप से प्रारंभ हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार धान से भरा ट्रक लालबर्रा से बालाघाट की ओर जा रहा था तभी सोमवार एवं मंगलवार की रात्रि में बेहरई व कनकी के बीच हाईवे रोड में धान से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। लेकिन इस दौरान मार्ग सुनसान था, अगर दिन के समय यह ट्रक पलटता तो बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता था क्योंकि इस मार्ग में सुबह से लेकर रात 11 बजे तक लोगों का अधिक आवागमन होता है। लेकिन ट्रक रात 12 बजे के बाद पलटा होगा इस कारण से बड़ा हादसा घटित नही हुआ। वहीं मंगलवार की शाम तक धान से भरा ट्रक रोड़ के बीच में ही पलटा रहा जिससे आने-जाने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा एवं शाम 5 बजे के बाद रोड़ के बीच सें धान से भरे ट्रक को हटाया गया। जिसके बाद लोगों को आवागमन करने में हो रही परेशानियों से निजात मिल पाई। साथ ही धान से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलटने से चालक को मामूली चोटे आने की बात कही जा रही है।

जिले का सर्वश्रेष्ठ मोक्षधाम का निर्माण कार्य पूर्ण, पांढरवानी पंचायत के कार्य की चहुंओर हो रही प्रशंसा

मोक्षधाम, शोकसभा मंच, बाउंड्रीवाल, गेट, सोलर लाइट, शिव भगवान की मूर्ति आकर्षण का केंद्र - अनीस

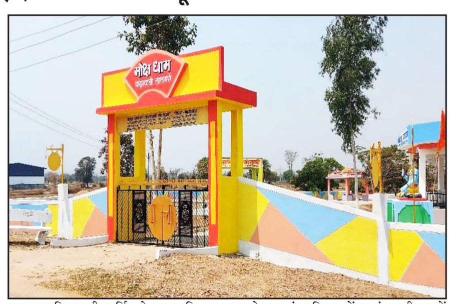

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट जिले की जनपद पंचायत लालबर्रा की ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा अपने विशेष निर्माण कार्यों के लिए जानी जाती है। हाल ही में ग्राम पंचायत के द्वारा ग्राम पांढरवानी लालबर्रा में ग्राम पंचायत स्तर पर बालाघाट जिले का सर्वश्रेष्ठ मोक्षधाम का निर्माण किया गया है और इस कार्य की चहुंओर प्रशंसा हो रही है। चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि हाल ही में ग्राम पंचायत अंतर्गत पांढरवानी में अतरी-घोटी रोड पर स्थित पांढरवानी में ग्राम पंचायत द्वारा मोक्षधाम का निर्माण किया गया है जो कि ग्राम पंचायत स्तर पर बालाघाट जिले का सर्वश्रेष्ठ, सर्वसुविधायुक्त सुंदर शांतिधाम का निर्माण किया गया है। जिसमें बाउंड्रीवाल सहित शोक सभा मंच, शोक सभा स्थल, भगवान शिव की मूर्ति, गेट इत्यादि का निर्माण कार्य किया गया हैं। इस मोक्षधाम में पेयजल हेतु हैंडपंप व कुएं होने के साथ साथ सीमेंट सड़क, पेवर ब्लाक, पेड़ पौधे भी लगाये गये है एवं सोलर लाइट लगाई गई है। वहीं नाडेफ कचरा संग्रहण व सिटिंग चेयर भी बनाये गये है। श्री खान ने बताया कि बालाघाट जिले का सर्वश्रेष्ठ इस मोक्षधाम में गार्डन का भी निर्माण किया जायेगा एवं भविष्य में यहां ग्रामीणजनों की मांग पर ओपन जिम भी लगाया जा सकता है। साथ ही यह भी बताया कि पूर्व में लोग मोक्षधाम जैसी जगह के नाम से डरते थे और वहां जाना भी पसंद नहीं करते थे किंतु अब मोक्षधाम केम्पस में लोग घूमने आ रहे हैं तथा प्रात:काल में व्यायाम व ओपन जिम की मांग की जा रही है जिसे जल्द पूरा किया जायेगा।

अमोली पंचायत में सरपंच पद के लिए उपचुनाव 22 को

उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी, नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तारीख 8

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत अमोली में सरपंच पद एवं ग्राम पंचायत डोकरबंदी में पंच पद के रिक्त पद को भरने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। जिसके साथ ही अमोली पंचायत में सरपंच पद एवं डोंकरबंदी में वार्ड नं. 18 के पंच पद के लिए नाम निर्देशन पत्र जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और अंतिम तिथि 8 जुलाई है। वहीं ग्राम पंचायत अमोली में सरपंच पद के लिए उपचुनाव की अधिसूचना जारी हाेने साथ ही अनुसूचित जनजाति वर्ग से चुनाव लगने वाले इच्छुक उम्मीदवार के द्वारा तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। जिनके द्वारा 8 जुलाई के पूर्व नाम निर्देशन पत्र जमा किये जायेगे और 22 जुलाई को मतदान होना है जिसकी तैयारी निर्वाचन विभाग के द्वारा प्रारंभ कर दी गई है। आपकों बता दे कि त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव 2022 में संपन्न हुए थे। जिसमें विभिन्न ग्राम पंचायत से लोगों के द्वारा सरपंच पद के लिए नामांकन करके चुनाव लड़े गए थे और नवनिर्वाचित सरपंचों के द्वारा पदभार ग्रहण कर लिया गया था। इसी प्रक्रिया के तहत अमोली में भी पंचायत चुनाव संपन्न हुए थे। जिसमें जनता जनार्दन के आशीर्वाद से किशोर पडवार सरपंच निर्वाचित हुए थे। लेकिन विगत माह पूर्व पंचायत के निर्माण कार्य में व्यवधान उत्पन्न करने सहित अन्य आरोप सरपंच पर लगाते हुए पंचों ने प्रशासन को शिकायत कर सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने ज्ञापन सौंपा था। जिसके बाद प्रशासन के द्वारा पंचों की बैठक लिया गया था जिसमें सभी पंचों ने सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाये थे। जिसके बाद से अमोली पंचायत में सरपंच का पद खाली हो गया था। वही सरपंच नही होने पर निर्माण कार्य सहित अन्य कार्य प्रभावित हो रहे थे। ऐसी स्थिति में स्थानापन्न सरपंच पंचों के द्वारा चुना गया था जिसमें सरपंच पद आरक्षित अनुसूचित जनजाति वर्ग से वार्ड नं. 16 की पंच श्रीमती सुकवन समनपुरे को स्थानापन्न सरपंच चुना लिया गया था। वहीं जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा जिन पंचायतों में सरपंच, पंच के पद रिक्त है उन पंचायतों में उक्त पदों को भरने के लिए अधिसूचना जारी कर अमोली में सरपंच एवं डोंकरबंदी में वार्ड नं. 18 में पंच पद के लिए उपचुनाव करवाने की तिथि घोषित की गई है और 22 जुलाई को दोनों स्थानों पर उपचुनाव संपन्न करवाये जायेगें।

जनपद पंचायत में जमा होगें नाम निर्देशन पत्र

लालबर्रा जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत अमोली में सरपंच एवं डोंकरबंदी में पंच पद के लिए उपचुनाव हेतु अधिसूचना जारी हो चुकी है। यानि की आचार संहिता इन पंचायतों में 1 जुलाई से लग चुकी है और इन दोनों पदों को भरे जाने के लिए आगामी 22 जुलाई को चुनाव संपन्न करवाया जायेगा। वहीं अमोली पंचायत में सरपंच पद एवं डोंकरबंदी में वार्ड नं. 18 के पंच पद के लिए नाम निर्देशन पत्र जनपद पंचायत कार्यालय में 8 जुलाई तक प्रात: 10.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक जमा किये जायेगें। जिसके बाद 9 जुलाई को नाम निर्देशन की संवीक्षा किया जायेगा, 11 जुलाई को दोपहर 3 बजे तक अभ्यर्थी अपने नाम वापस ले सकते है जिसके बाद चुनाव चिन्ह बताया जायेगा। वहीं 22 जुलाई को प्रात: 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान होगा, जिसके बाद मतगणना होगी एवं 26 जुलाई को अधिकृत रूप से परिणाम घोषित किया जायेगा। साथ ही ग्राम पंचायत अमोली में जनपद प्राथमिक शाला भवन अमोली, माध्यमिक शाला भवन अमोली, नवीन शाला भवन अमोली एवं ग्राम पंचायत भवन अमोली को मतदान केंद्र बनाया गया है एवं ग्राम पंचायत डोंकरबंदी में शासकीय प्राथमिक शाला भवन गोंडेगांव को मतदान केन्द्र बनाया गया है। इस तरह से दो पंचायत में होने वाले सरपंच व पंच पद के उपचुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

इनका कहना है-

अमोली पंचायत में सरपंच एवं डोंकरबंदी के वार्ड नं. 18 में पंच पद के उपचुनाव के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई हैं। जिसके बाद से इन पंचायतों में आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी है। साथ ही जो चुनाव लड़ना चाहते है वे 8 जुलाई तक जनपद पंचायत कार्यालय में अपना नाम निर्देशन पत्र जमा कर सकते है एवं 22 जुलाई को चुनाव संपन्न होगें, जिसकी तैयारी पुरी कर ली गई है।

खिलेन्द्र सोनवंशी
खण्ड पंचायत अधिकारी
जनपद पंचायत लालबर्रा।

महाविद्यालय में एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना एवं इको क्लब के तत्वाधान में सोमवार को एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अन्तर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। इस अवसर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न औषधियों एवं फलदार पौधों का रोपण कर उसकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया। साथ ही प्रकृति के संरक्षण हेतु वृक्षारोपण कर जन जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। साथ ही पौधारोपण करने के बाद आसपास के गाजर घास को नष्ट किया गया क्योंकि गाजर घास विनाशकारी खरपतवार होता है। जो मनुष्य एवं पशुओं के लिए गंभीर समस्या बन जाता है इसलिए समय रहते इस पर नियंत्रण की आवश्यकता होती है। वहीं शासन के निर्देशानुसार एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान कार्यक्रम गत 5 जून 2025 से 30 सितम्बर 2025 तक चलाया जाना है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत ने बताया कि उ%च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 5 जून से 30 सितंबर तक एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। इसी कड़ी में सोमवार को एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया और महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण कर उसकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया है। इस अवसर पर सुमन बरवा, कार्यक्रम के प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे, डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. ऋषिकेष पटेल, श्रीमती संध्या भलावे, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, संदीप चौरसिया, डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. क्रांति जैन, श्रीमती आशा कारे, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, पीतम मुरते, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, कु. सोनम हरिनखेड़े, प्रषिक हुमनेकर, निशांत तलवरे एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अधूरी नाली निर्माण से वार्डवासी परेशान

नाली में गंदगी एवं जल भराव की ३ वर्षों से बनी हुई हैं समस्या

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर २ स्थित भैरवगंज में नगर पालिका के द्वारा सीसी नाली निर्माण करवाया गया था। जो वर्तमान में अधूरा निर्माण कार्य पड़ा हुआ है जहां निवासरत लोगों को गंदगी सहित जल भराव की समस्या से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तो वहीं छोटे.छोटे बालकों के साथ दुर्घटना होने की संभावना भी बनी हुई है। जिसको देखते हुए वार्ड वासियों के द्वारा नगर पालिका से नाली का पूर्ण निर्माण करवाने की मांग की जा रही है। ताकि पानी की निकासी बनी रहे वहीं दुर्घटना की संभावना ना हो।

नपा ने नही किया नाली निर्माण कार्य अब हो रही समस्या

प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर २ भैरवगंज में कबीर कुटी के सामने पक्की सड़क और नाली निर्माण कार्य किया गया है। जिसमें सड़क तो पूरी बना दी गई है किंतु सड़क के किनारे नाली निर्माण अधूरा किया गया है। जहां पर करीब १०० मीटर नाली निर्माण किया जाना था किंतु आधी नाली निर्माण कर छोड़ दिया गया है। यह निर्माण कार्य बीते करीब ३ वर्ष पहले नगर पालिका के द्वारा करवाया गया था इसके बाद से उक्त स्थान पर समस्या बनी हुई है की नाली में बरसात का पानी भर जाता है। जिसके बाद नाली का पानी सड़कों पर बहता है क्योंकि नाली के दोनों छोर पर कोई निकासी नहीं दी गई है। पिछले वर्ष कच्ची नाली खोदी गई थी परंतु वह भी अब बंद हो गई है, जहां पानी जमा होकर गंदगी फैला रहा है जिससे मच्छर मक्खी का प्रकोप वार्ड में बना हुआ है। तो वहीं प्रत्येक घर में छोटे.छोटे नौनिहाल है जो सड़कों पर आना जाना करते हैं ऐसे में दुर्घटना का डर भी लोगों को लगा हुआ है। जबकि आगे एक नाली पानी निकासी के लिए है जिससे यदि उक्त नाली को जोड़ दिया जाता तो यह समस्या नहीं होती परंतु अधूरा नाली निर्माण होने से समस्या यथावत बनी हुई है। जिसकी शिकायत अनेकों बार वार्डवासियों के द्वारा वार्ड पार्षद एवं नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारियों से की जा चुकी है किंतु आज तक किसी प्रकार से समस्या पर ध्यान नहीं देने से वह यथावत बनी हुई है। जिसका निराकरण करने की मांग वार्डवासियों के द्वारा की जा रही है।

वार्ड की सबसे बड़ी समस्या नाली निर्माण की जो आये दिन दुर्घटना हो रही है-शेषराम सिरसाठे

वार्डवासी शेषराम सिरसाठे ने बताया कि नाली को अधूरा बनाकर छोड़ दिए हैं यही सबसे बड़ी समस्या है। पूरी नाली बनना चाहिए था बार.बार इसके लिए हमारे द्वारा सभी को बोला गया है तो उनके द्वारा बना देंगे कहते हैं पर बनाये नहीं हैं। कच्ची नाली आगे बने थे उससे अब पानी निकासी नहीं हो रहा है प्रत्येक घर में छोटे.छोटे बच्चे हैं जो दुकान के लिए आना जाना करते हैं। करीब डेढ़ फ

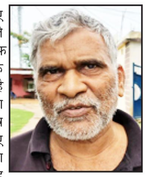

टि से अधिक गहरी नाली है कभी भी दुर्घटना हो सकती है। जब इन्होंने नाली बनाए थे तो पूरा बनाना था अन्यथा बंद कर देना था। करीब ५० मीटर नाली बनी है और आगे ५० मी नाली कच्ची है अब इसको बनाने का क्या उद्देश्य हमें तो नहीं पाता किंतु अधिकारी इसका उद्देश्य बता पाएंगे।

तीन वर्षो से वार्ड में नाली निर्माण की समस्या से वार्ड वासी परेशान है-शेखर हेड़ाऊ

वार्ड वासी शेखर हेड़ाऊ ने बताया कि हमारे घर के सामने आधी नाली बनाकर भाग गए हैं इसे पूरी नहीं बनाए हैं। जहां गंदगी जमा हो रही है मच्छर मक्खी का प्रकोप बना रहा है पानी निकासी नहीं हो पा रहा है। मोहल्ले में सभी को समस्या बनी हुई है छोटे बच्चे सभी के यहाँ हैं कभी कोई दुर्घटना होती है तो इसके जिम्मेदारी कौन लेगा। ३ साल से यह समस्या से हम परेशान हैं पहले तो इन्हें नाली नहीं

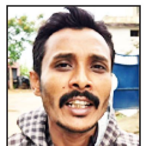

बनना था और बनाया तो पूरी बनाना था यहां नाली का पानी सड़कों पर आकर बहता है। यह जो हमारे घर है इनकी निकासी के लिए यह नाली बनाए थे किंतु आधा बनाने से इसका कोई उद्देश्य नहीं रह गया है। नाली की निकासी नहीं है ७० मी. बनी है और ५० से ७० मीटर अधूरी बची है आगे नाली है यदि उसे जोड़ देते तो निकासी रहती। यहाँ सुनने वाला कोई नहीं है पार्षद को हजारों बार समस्या के लिए बोला गया है पर आज तक कुछ नहीं हुआ हम चाहते हैं पूरी नाली बन पानी निकासी की व्यवस्था हो।

इनका कहना है

दुरभाष पर चर्चा में बताया कि मौका स्थल निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्था बनाने का प्रयास किया जायेगा।

सूर्यप्रकाश उके
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
वारासिवनी

विधायक विवेक पटेल ने नगर के वार्ड नंबर १ और २ का किया निरीक्षण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर में विकास के नाम का रोल पिटती नगर पालिका के वार्डो का क्या हाल है इसका अंदाजा नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती प्रीति संतोष शिव के घर के बाजू में फैली गंदगी और सड़को पर बहता गंदा पानी से नजर आता है। जब नपा उपाध्यक्ष के वार्ड का ये हाल है तो बाकी वार्ड़ों का क्या हाल होगा। नाली में बजबजाती गंदगी और सड़को पर बहता गंदा पानी और पक्की नाली निर्माण की शिकायत वार्ड वासियो के द्वारा कई बार आवेदन के माध्यम से नगर पालिका में बैठे अधिकारियो व पार्षदो दिया गया। वार्ड वासियो की मांग को नगर पालिका के अधिकारियों ने शिकायत को अनसुना कर दिया । नगर पालिका सें नाराज वार्ड वासियो ने विधायक विवेक पटेल के निवास पहुँचकर उनसे मुलाकात की और वार्ड में पक्की नाली बनवाने और सड़क की मतम्मत करने की बात कहीं । जिसके बाद विधायक पटेल ने बहुत जल्द नाली बनवाने और पक्की सड़क बनवाने का आश्वासन वार्ड वासियो को दिया। वार्ड वासियो से मुलाकात के बाद विधायक

विवेक पटेल दूसरे दिन नगर पालिका उपाध्यक्ष के वार्ड पहुँचे और सड़को पर बहता गंदा पानी देखकर नगर पालिका के खिलाप नाराजगी व्यक्त की और वार्ड वासियों से कहा की नपा उपाध्यक्ष के घर में बाजू में यह हाल है तो नगर के बाकी वार्ड़ों का क्या हाल होगा। वहीं उन्होंने वार्ड वासियो सें बहुत जल्द पक्की नाली बनवाने की बात वार्ड वासियों सें कही। विधायक विवेक पटेल ने कहा की प्रदेश सरकार एक तरफ जल गंगा संवर्धन अभियान चला रही है। वहीं इस अभियान को नगर पालिका में बैठे अधिकारी पलिता लगा रहें है। नगर के वार्ड नंबर १,२ में नाली नहीं होने से सड़कों पर गंदा पानी बहता है । जिससे लोगों को आवाजाही करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, गंदे पानी की निकासी के लिए नाली भी नहीं है जिससे गंदा पानी सड़क में बहता रहता है । वहीं सड़क पर बड़े.बड़े गड्ढे हो गए हैं कई बार वार्ड वासियों के द्वारा नगर पालिका में बैठे अधिकारियों को सड़क बनाने कहां गया। मगर उन्होंने वार्ड वासियों की बातों को अनसुना कर दिया हमारे पास वार्ड वासियों ने पक्की नाली और सड़क बनवाने की मांग की है बहुत ही जल्द वार्ड वासियो की मांग की पूरा किया जायेगा।

शिकायतकर्ता की बगैर जानकारी के अज्ञात व्यक्तियों ने 181 बंद कराई शिकायत

मोबाइल नंबर संचालकों पर कार्यवाही करने शिकायतकर्ता ने जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से की शिकायत

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद पंचायत में बिना शिकायतकर्ता की सहमति के १८१ की शिकायत बंद करने का नया मामला प्रकाश में आया है। जिसमें ग्राम पंचायत घोटी निवासी शिकायतकर्ता महेश पिता नारायण लिल्हारे एवं महेंद्र कुमार पिता मोहनलाल देशभरतार के द्वारा जनसुनवाई बालाघाट में जिला कलेक्टर ,पुलिस अधीक्षक बालाघाट ,मुख्य कार्यपालन अधिकारी खैरलांजी एवं थाना प्रभारी खैरलांजी को शिकायत कर मामले में कार्यवाही करने की मांग की है। उक्त व्यक्तियों के द्वारा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन १८१ में ग्राम पंचायत घोटी के ६ प्रकरण को लेकर शिकायत की गई थी। जिसे अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा दूसरे मोबाइल नंबर से रजिस्टर्ड करवा कर बंद करवा दिया गया है। इस घटना के बाद से शिकायतकर्ताओं में आक्रोश व्याप्त है।

फर्जी तरीके से निकाली गई राशि की शिकायत पर नही हो रही कार्यवाही

प्राप्त जानकारी के अनुसार महेश लिल्हारे एवं महेंद्र देशभरतार दोनों निवासी घोटी थाना खैरलांजी के द्वारा ग्राम पंचायत में हो रहे निर्माण कार्य एवं फर्जी तरीके से निकाली गई राशि सहित अन्य विषय को लेकर ६ प्रकरणों में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन १८१ पर शिकायत दर्ज करवाई गई थी। जिसमें उक्त व्यक्तियों के द्वारा अपने मोबाइल नंबर से यह सभी शिकायत दर्ज करवाई गई थी। जिसकी उनके द्वारा लगातार अपडेट ली जा रही थी। ऐसे में महेन्द्र देशभरतार को ६ जून को जानकारी लगी की उनकी दो शिकायत १८१ से उनकी बिना सहमति के दूसरे मोबाइल नंबर ८८१५३५०२७१ से शिकायत को रजिस्टर्ड करवारकर बंद करवा दिया गया है जो उनका मोबाइल नंबर नहीं है। तो वहीं ग्राम के दूसरे शिकायतकर्ता महेश लिल्हारे के द्वारा अपने मोबाइल नंबर से १८१ पर ४ बार शिकायत की गई थी। जिसमें उनकी भी बिना सहमति के दूसरे मोबाइल नंबर ९२६५२७९१६५ से शिकायत को रजिस्टर्ड करवा कर बंद करवा दिया गया। जिसकी जानकारी उन्हें २० जून को शिकायत की अपडेट लेने के दौरान प्राप्त हुई। इस प्रकार मुख्यमंत्री हेल्पलाइन शिकायत को किसी दूसरे व्यक्ति के द्वारा अपने मोबाइल नंबर से बिना शिकायतकर्ता की सहमति से बंद करवाने का प्रकरण सामने आया है। जिसमें दोनों शिकायतकर्ताओं के द्वारा जनसुनवाई बालाघाट में शिकायत कर जिनके द्वारा मामले में शिकायतकर्ता की सहमति के बिना फर्जी मोबाइल नंबर एवं फर्जी तरीके से शिकायत बंद करवारकर शासन की योजना के साथ एवं आम जनता के साथ धोखाधड़ी व जालसाजी करने वाले दोषियों के विरुद्ध कानूनी एवं दंडात्मक कार्यवाही करने की मांग की है।

सरपंच ,सचिव ,एपिओ जनपद के साथ मिलकर मोबाईल नं.बदलकर शिकायत बंद कर दिये -महेश लिल्हारे

शिकायतकर्ता महेश लिल्हारे ने बताया कि हम घोटी रहते हैं जनसुनवाई में हम शिकायत करने गए थे। क्योंकि मैंने एक वर्ष पहले मुख्यमंत्री हेल्पलाइन १८१ में ४ बार शिकायत दर्ज करवाई थी। उसे अधिकारी, प्रशासन, सरपंच और सचिव के द्वारा मेरी चारों शिकायतों को दूसरे नंबर से बंद करवा दिया गया है। शिकायत मेरे नंबर से चलती आ रही थी ११ जून को मैंने अपडेट लिया था २० जून को अपडेट लिया तो मेरा नंबर ही रजिस्टर्ड नहीं था। दूसरा नंबर आ चुका था। इसकी शिकायत हमने अधिकारियों को और पुलिस को किए हैं मेरे द्वारा सांसद निधि से जो २५ लाख की रोड़ मिली थी। स्टॉप डेम जो १५ लाख की लागत से बना था। फर्जी तरीके से जो पंचायत के बिल निकाले हैं एवं सीसी नाली की शिकायत थी। जिसे बंद कर दिया गया है मुझे लगता है

कि सरपंच ,सचिव ,एपिओ जनपद खैरलांजी के साथ मिलकर बंद किया है। हमारे यहां सरपंच नरेंद्र ठकरेले एवं सचिव हनसलाल टेंभरे हैं। इस मामले में बारीकी से जांच कर कार्यवाही करनी चाहिए । यह पहली बार हमने सुना है कि किसी की शिकायत को कोई ने बंद कर दिया यह पूरा फर्जीवाड़ा है।

सरपंच और सचिव की मिली भगत से फर्जी राशि निकाली गई जिसकी शिकायत किये थे १८१ पर-महेंद्र देशभरतार

महेंद्र देशभरतार ने बताया कि मेरे द्वारा शिकायत १८१ पर लगाई गई थी कि बिना कार्य किये ही फर्जी राशि निकाली गई है। जिसमें पठान टोला का चबूतरा निर्माण सीवर बॉडी की रोड़ जिसमें मुरूम डालना था जिसका फर्जी पैसा निकाला गया है। एक सीसी नाली थी जो बाबा सुलाखे से कावड़े के घर तक बना था उसका काम रोक

कर फर्जी बिल निकाला गया है। १८१ पर शिकायत चालू थी बिना जानकारी मेरी जगह दूसरे फर्जी नंबर से इसे बंद कर दिया गया। इसकी शिकायत जिला कलेक्टर ,पुलिस अधीक्षक को किए हैं कि मामले की जांच हो मेरे नंबर की जगह फर्जी नंबर ६ जून को दर्ज हुआ है यह पता चला। इसमें ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत की मिली भगत होगी क्योंकि इसके बिना यह होगा नहीं हम चाहते हैं कि दोषियों पर कार्यवाही हो।

इनका कहना है

दुरभाष पर चर्चा में बताया कि घोटी ग्राम के दो आवेदकगणों के द्वारा शिकायत दर्ज करवाई गई है। जिसमें जांच के आदेश दे दियें गये है जांच के आधार पर जो भी दोषी पाया जायेगा आगे कार्यवाही की जायेगी।

डी के करपे
जनपद सीईओ खैरलांजी

जामखारी के शासकीय प्राथमिक शाला में एक पेड़ माँ के नाम किया वृक्षारोपण

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम जामखारी के शासकीय प्राथमिक शाला में १ जुलाई मंगलवार को एक पेड़ मां के नाम पर शासकीय प्राथमिक शाला जामखारी परिसर में ग्राम जामखारी के वरिष्ठ नागरिक सुखराम बिसेन सेवा निवृत्त कर्मचारी सिंचाई विभाग के द्वारा अपने जन्म दिन पर एक एक पेड़ मां के नाम पर रोपित कर उसके सुरक्षा की भी जिम्मेदारी ली गई। इस अवसर पर शाला के प्रधान पाठक जितेन्द्र हिरकने, शिक्षक खिरमोहन डहरवाल, शिक्षा समिति सदस्य रवि पिंटू मिश्रा, दिलीप बिसेन,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रीता निकोसे, संजय भालाधरे,रुपलाल बिसेन,अष्ट बिसेन,सिद्धी मिश्रा और छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर चिकित्सकों ने किया 15 यूनिट रक्तदान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।01 जुलाई राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय बालाघाट के ब्लड बैंक यूनिट में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.परेश उपलप एवं सिविल सर्जन डॉ. नीलय जैन सहित अन्य चिकित्सा अधिकारियों द्वारा करीब 15 यूनिट रक्तदान किया गया। सिविल सर्जन डॉ. नीलय जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस का आयोजन जिला चिकित्सालय बालाघाट में किया गया। जिसमें चिकित्सकों को स्वास्थ्य सेवाओं को जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करने का आव्हान किया गया। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय स्थित ब्लड बैंक यूनिट में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी डॉ.परेश उपलप, डॉ.श्रेयांश सेठिया, डॉ.प्रशांत जैन, डॉ.प्रवीण ज्योतिषी, डॉ.आशीष गिरी, डॉ.उमंग बघेल, डॉ.नीतेन्द्र रावतकर, डॉ.आशुतोष बांगरे सहित अन्य चिकित्सा अधिकारियों द्वारा रक्तदान किया गया।

अक्षर योग केन्द्र ने एक ही दिन में बनाए 12 गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड

भारतीय योग की समृद्ध विरासत के संरक्षण हेतु अक्षर योग केंद्र द्वारा चलायी जा रही मुहिम अब रंग लाने लगी है। हिमालय सिद्ध अक्षर के भगीरथ प्रयासों से देश-विदेश के हजारों साधकों के बीच गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की ऑफिशियल टीम ने एक दिन में बारह रिकॉर्ड दर्ज किए। यह योग की दुनिया में पहली मिसाल है जब एक ही दिन में बारह विश्व रिकॉर्ड दर्ज किए गए हों। एकता, अनुशासन और उद्देश्य की शक्ति के भव्य उत्सव में यह ऐतिहासिक उपलब्धि, अक्षर योग केन्द्र के संस्थापक एवं आध्यात्मिक प्रमुख हिमालयन सिद्ध अक्षर के दूरदर्शी नेतृत्व में बेंगलुरु में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में हासिल की गई। बेलि मठ, कर्नाटक के डॉ. शिवरुद्र महास्वामी की इस अभूतपूर्व रिकॉर्ड-बनाने के समारोह में ताइवान, मलेशिया, हांगकांग, इटली, यूएसए, यूके, दुबई, साइप्रस और सिंगापुर सहित 30 से अधिक देशों के 2,500 से अधिक योगाभ्यासियों ने भाग लिया। इस विविध आयोजन में भारतीय सेना, वायुसेना, कर्नाटक राज्य पुलिस,एन सी सी कैडेट्स, दिव्यांगों, अनाथालयों के बच्चों, कॉरपोरेट जगत के सदस्य तथा अंतरराष्ट्रीय योग समुदाय के सदस्य भी सम्मिलित हुए। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा योग संस्थान श्रेणी में मान्यता प्राप्त यह संस्था अक्षर योग केंद्र, प्राचीन परंपरा को आधुनिक युग से जोड़ने वाले विशाल योग अभियानों का नेतृत्व करता रहा है। हिमालयन सिद्ध अक्षर ने इस अवसर पर कहा- यह महाआयोजन एक उद्देश्यपूर्ण जीवन का प्रतीक है। यह प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरित करता है कि वह अपने जीवन में एक उच्च लक्ष्य निर्धारित करे और उसे पूर्ण निष्ठा एवं तपस्या के साथ प्राप्त करे। ये सारे कीर्तिमान मानवीय संकल्प शक्ति की असीम क्षमता को दर्शाते हैं। इस वैश्विक आंदोलन के माध्यम से, हम योग के प्राचीन ज्ञान का आदरपूर्वक सम्मान करते हैं और प्रत्येक आत्मा को उसके सर्वोच्च स्वरूप की ओर जागृत करने का प्रयास है। सभी प्रतिभागियों ने इस श्रृंखला में, मूलभूत विभिन्न आसनों को निर्धारित समय तक लगातार धारण किया। ये चयनित योगासन स्वास्थ्य, ऊर्जा और आंतरिक रूपांतरण के विविध पहलुओं का प्रतीक थे। यह कार्यक्रम अक्षर योग केंद्र के विश्वव्यापी नेटवर्क में कई सप्ताह के अनुशासित प्रशिक्षण और वैश्विक समन्वय का समापन था। वर्तमान में 80 से अधिक देशों में ऑनलाइन-ऑफलाइन पहुंच से, 2 करोड़ से अधिक योग साधक और 50,000 से अधिक प्रमाणित शिक्षकों के साथ, अक्षर योग केन्द्र अपने सुव्यवस्थित, समावेशी दृष्टिकोण के साथ निरंतर योग के अंतरराष्ट्रीय आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है। इसकी सहभागित देश-विदेश की सेना, कंपनियों, विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और कूटनीतिक संस्थानों के साथ हैं- जिनमें इन्फोसिस, विप्रो, रोल्स-रॉयस, अमेजॉन आदि शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि स्थापित किए गए 12 गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड आज भारत की जीवंत आध्यात्मिक धरोहर और अक्षर योग केन्द्र के निष्ठापूर्ण समर्पण के प्रमाण हैं। जैसे-जैसे विश्व योग को एक जीवनशैली और आध्यात्मिक अभ्यास के रूप में अपना रहा है, अक्षर योग केंद्र, योग को स्वास्थ्य, परिवर्तन और चेतना का एक सार्वभौमिक मार्ग बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को लेकर निरंतर प्रयत्नशील है। गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड हेतु दर्ज किए गए आसनों में अधो मुख श्वानासन, उत्कटासन, भद्रासन, उभय पदांगुष्ठासन, गरुड़ासन, शलभासन, वीरभद्रासन, एक पाद पादांगुष्ठासन, एक पाद राजकपोतासन, सर्वांगसन, सेतु बंध सर्वांगसन व वीरभद्रासन शामिल हैं।यह योग विद्या दुनिया को स्वस्थ बनाने के लिए प्रेरक की भूमिका निभा रही है।जिसके लिए अक्षर योग केंद्र की प्रशंसा होनी ही चाहिए।

टीएमसी नेताओं की निर्लज्ज टिप्पणियों से उठा विवाद

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार-गैंगरेप का मुद्दा एक बार फिर पश्चिम बंगाल में जितना बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनने लगा है उतना ही बड़ा नारी उत्पीड़न का मुद्दा बनकर उभर रहा है। इस मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल एवं निर्लज्ज टिप्पणी स्त्री की मर्यादा, सम्मान एवं अस्मिता के खिलाफ शर्मनाक, दुर्भाग्यपूर्ण व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। इन नेताओं ने गैंगरेप मामले पर विवादित बयान से राज्य एवं देश में भारी जनाक्रोश पैदा हो गया था। विशेषत: राजनेताओं के बयानों एवं सोच में एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मड़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। इस मामले में सत्तारूढ़ टीएमसी पार्टी अन्दर एवं बाहर दोनों मोर्चों पर घिरती हुई नजर आ रही है। जहां इस मामले में पार्टी के अन्दर गुटबाजी एक बार फिर सामने आयी है, वहीं भाजपा आक्रामक रूप से ममता सरकार को घेर रही है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा टीएमसी नेताओं कल्याण बनर्जी और मदन मित्रा के उन बयानों पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री-द्वेष पार्टी लाइन से परे है।

यह एक बदतर स्थिति है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर नारी सम्मान एवं अस्मिता को लेकर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। अकसर महिलाएं और महिला राजनेता पुरुष नेताओं के हाथों अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणओं की शिकार होती रही हैं। ऐसे बयानों के बावजूद अकसर ये राजनेता किसी कठोर कार्रवाई की बजाय हल्की फुल्की फटकार के बाद बच निकलते हैं। ये बयान कभी महिलाओं की बॉडी शेमिंग करते नजर आते हैं तो कभी बलात्कार जैसे गंभीर अपराध को मामूली बताने की कोशिश करते हुए नजर आते हैं। इसके साथ ही ये चिन्ताजनक संदेश भी जाता है कि महिलाओं के बारे में हल्के और आपत्तिजनक बयान देना विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के लिये सामान्य बात है।

जब किसी देश की बेटियां न्याय का अध्ययन कर रही हों और वहीं उनके साथ अन्याय की पराकाष्ठा हो तो यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि पूरे समाज, व्यवस्था और सोच के लिए एक जघन्य आइना बन जाती है। प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ हुए सामूहिक बलात्कार की घटना ने न केवल राजनीतिक सोच एवं कानून के मंदिरों को शर्मसार किया है, बल्कि हर संवेदनशील मन को झकझोर दिया है। पीड़िता एक लॉ कॉलेज में अध्ययनरत छात्रा थी, जो अपने उज्ज्वल भविष्य के सपनों के साथ शिक्षा के पथ पर अग्रसर थी। घटना की रात वह अपने कुछ परिचितों के साथ बाहर थी, जिनमें से ही कुछ ने उसकी अस्मिता को रौंद डाला। उसे नशा दिया गया और फिर सुनसान स्थान पर ले जाकर कई लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है, लेकिन सवाल यह है कि जब कानून प?ने वाली ल?की खुद असुरक्षित है, तो आम महिलाएं कैसे सुरक्षित होंगी? क्या यह कानून की शिक्षा देने वाली संस्थाओं एवं शासन करने वाली सत्ताओं के लिए आत्ममंथन का समय नहीं है? ऐसी घटनाओं पर निर्भया कांड के बाद बने कानूनों का सख्ती से पालन हो। रेप को सिर्फ एक 'जुर्म' नहीं, 'राष्ट्रीय आपदा' माना जाए, और उसकी रोकथाम के लिए शिक्षा, संस्कार और तकनीकी सुरक्षा साधनों को प्राथमिकता दी जाए। कोलकाता की लॉ छात्रा की यह दर्दनाक घटना हमें चेताती है कि केवल कानून बना लेना काफी नहीं, जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक बेटियां असुरक्षित रहेंगी। यह केवल एक छात्रा की लड़ाई नहीं, बल्कि हर बेटी की सुरक्षा की लड़ाई है। न्याय तब होगा जब ऐसी घटनाएं रुकेंगी और उसके लिए हमें मिलकर लड़ना होगा।

सबसे दुखद पहलू यह है कि अनेक बार ऐसी घटनाओं में समाज चुप रहता है, पीड़िता को दोषी ठहराने की कोशिश की जाती है। सोशल मीडिया पर तंज, मीडिया ट्रायल और व्यक्तिगत चरित्रहनन जैसी बातें पीड़िता को न्याय से अधिक पीड़ा देती हैं। पीड़िता के लिये यह पीड़ा तब और बढ़ जाती है जब उनके जन-प्रतिनिधि निर्लज्ज बयानबाजी करते हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। यदि इक्कीसवीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाने व व्यवस्था चलाने भेजते हैं। देश में बढ़ रही यौन-शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए जन-प्रतिनिधियों को ज्यादा संवेदनशील होने की अपेक्षा की जाती है। बड़ा प्रश्न है कि आखिर किसी राजनेता को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट क्यों एवं कैसे मिल जाती है।

भारत ही ऐसा देश है, जहां महिलाओं की अस्मिता एवं अस्तित्व को तार-तार करने वाले नेताओं के निर्लज्ज बयानों के बावजूद उन पर कोई ठोस, सख्त एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होती। जबकि विश्व के अन्य देशों में ऐसा नहीं है। जैसे 2017 में ब्रिटेन के एक पार्षद के सामान्य से बयान पर अच्छा खासा बवाल मचा था। पार्षद ने सांसद का चुनाव लड़ रही एक गर्भवती महिला राजनेता के बारे में कह दिया था, 'वो गर्भवती हैं और उनका समय तो नैपी बदलने में ही बीत जाएगा, वो आम लोगों की आवा? क्या उठाएंगी?' इसके लिए पार्षद को मा?ी मांगनी पड़ी। ब्रिटेन जैसे कई देशों में अकसर ऐसे बयानों पर कार्रवाई होती है। मिसाल के तौर पर 2017 में ही यूरोपियन संसद के एक सांसद ने बयान दिया था कि महिलाओं को कम पैसा मिलना चाहिए क्योंकि वो कमजोर, छोटी और कम बुद्धिमान होती हैं।' इसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था और उन्हें मिलने वाला भत्ता भी बंद हो गया था।

कोलकाता की लॉ छात्रा मामले में टीएमसी नेताओं की टिप्पणियां निस्संदेह निंदनीय हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा भी कड़े शब्दों में इसकी निंदा की जानी चाहिए। ममता बनर्जी के सामने एक और चुनौती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार-हत्याकांड और उसके बाद देश भर में उपजा आक्रोश अभी भी यादों में ताजा है। निस्संदेह, केवल टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक जीवन में नारी सम्मान एवं जीवन-मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिये परिणाम तय होने चाहिए। अन्यथा समाज में ये संदेश जाएगा कि ऐसे कुत्सित प्रयासों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती है। किसी अपराध की रोकथाम अच्छे शासन की अनिवार्य शर्त बनना चाहिए लेकिन जब कोई अपराध होता है तो प्रभावी प्रतिक्रिया भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। टीएमसी दोनों ही मामलों में विफल प्रतीत होती है। ऐसे मामलों में अत्याचार करने वालों की ही भांति अत्याचार का समर्थन करने वाले दोषी है। अत्याचारियों के लिये ही त्वरित न्याय और सख्त सजा जरूरी है लेकिन जन-प्रतिनिधि की निर्लज्ज बयानबाजी भी अपराध के दायरे में होनी चाहिए। आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब ऐसे और नये-नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होना होगा। अत्यंत विवशता और निरीहता से देख रही है वह यह क्रूर अपमान, यह वीभत्स अनादर, यह दूषित व्यवहार एवं संकुचित न्याय। न्याय एवं राजनीति की चौखट पर भी उसके साथ दोयम दर्जा एवं दुराग्रहपूर्ण सोच बदलना सर्वोच्च प्राथमिकता हो। यदि हम सच में नारी के अस्तित्व एवं अस्मिता को सम्मान देना चाहते हैं तो ईमानदार स्वीकारोक्ति, पड़ताल एवं निष्पक्ष न्याय से ही यह संभव होगा।

- ललित गर्ग

मध्यम वर्गीय परिवार नहीं फंसे ऋण के जाल में

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी की है। इसके साथ ही, निजी क्षेत्र के बैंकों, सरकारी क्षेत्र के बैंकों एवं क्रेडिट कार्ड कम्पनियों सहित अन्य वित्तीय संस्थानों ने भी अपने ग्राहकों को प्रदान की जा रही ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी की घोषणा करना प्रारम्भ कर दिया है ताकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में की गई कमी का लाभ शीघ्र ही भारत में ऋणदाताओं तक पहुंच सके एवं इससे अंतत: देश की अर्थव्यवस्था को बल मिल सके। भारत में चूंकि अब मुद्रा स्फीति की दर नियंत्रण में आ गई है, अत: आगे आने वाले समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में और अधिक कमी की जा सकती है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी के बाद कई नागरिक जिन्होंने पूर्व में कभी बैंकों से ऋण नहीं लिया है, वे भी ऋण लेने का प्रयास करें। बैंक से ऋण लेने से पूर्व इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि इस ऋण को चुकता करने की क्षमता भी ऋणदाता में होनी चाहिए अर्थात ऋणदाता की पर्याप्त मासिक आय होनी चाहिए ताकि बैंकों द्वारा प्रदत्त ऋण की किश्त एवं ब्याज का भुगतान पूर्व निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके। इस संदर्भ में विशेष रूप से युवा ऋणदाताओं द्वारा क्रेडिट कार्ड के उपयोग पश्चात संबंधित राशि का भुगतान समय सीमा के अंदर अवश्य करना चाहिए क्योंकि अन्यथा क्रेडिट कार्ड एजेंसी द्वारा चूक की गई राशि पर भारी मात्रा में ब्याज वसूला जाता है, जिससे युवा ऋणदाता ऋण के जाल में फंस जाते हैं।

बैकों से लिए गए ऋण की मासिक किश्त एवं इस ऋणराशि पर ब्याज का भुगतान यदि निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं किया जाता है तो चूककर्ता ऋणदाता से बैकों द्वारा दंडात्मक ब्याज की वसूली की जाती है। इसी प्रकार, कई नागरिक जो क्रेडिट कार्ड का उपयोग करते हैं एवं इस क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की गई राशि का भुगतान यदि वे निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं कर पाते हैं तो इस राशि पर चूक किए गए क्रेडिट कार्ड धारकों से भारी भरकम ब्याज की दर से दंड वसूला जाता है। कभी कभी तो दंड की यह दर 18 प्रतिशत से 24 प्रतिशत के बीच रहती है। क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने वाले नागरिक कई बार इस उच्च ब्याज दर पर वसूली जाने वाली दंड की राशि से अनभिज्ञ रहते हैं। अत: बैंकों से ली जाने वाली ऋणराशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का समय पर भुगतान करने के प्रति ऋणदाताओं को सजग रहने की आवश्यकता है।

कुल मिलाकर यह ऋणदाताओं के हित में है कि वे बैंक से लिए जाने वाले ऋण की राशि तथा ब्याज की राशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का पूर्व निर्धारित एवं उचित समय सीमा के अंदर भुगतान करें क्योंकि अन्यथा की स्थिति में उस चूककर्ता नागरिक की क्रेडिट रेटिंग पर विपरीत प्रभाव पड़ता है एवं आगे आने वाले समय में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है एवं बहुत सम्भव है कि भविष्य में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त ही न हो सके।

ऋणदाता यदि किसी प्रामाणिक कारणवश अपनी किश्त एवं ब्याज का बैंकों अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को समय पर भुगतान नहीं कर पाता है और उसका ऋण खाता यदि गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित हो जाता है तो इस संदर्भ में चूककर्ता ऋणदाता द्वारा बैकों को समझौता प्रस्ताव दिए जाने का प्रावधान भी है। इस समझौता प्रस्ताव के माध्यम से चूककर्ता ऋणदाता द्वारा सम्बंधित बैंक अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को मासिक किश्त एवं ब्याज की राशि को पुनर्निर्धारित किए जाने के सम्बंध में निवेदन किया जा सकता है। परंतु, यदि ऋणदाता ऋण की पूरी राशि, ब्याज सहित, अदा करने में सक्षम नहीं है तो चूक की गई राशि में से कुछ राशि की छूट प्राप्त करने एवं शेष राशि को एकमुश्त अथवा किश्तों में अदा करने के सम्बंध में भी समझौता प्रस्ताव दे सकता है। ऋण की राशि अथवा ब्याज की राशि के सम्बंध के प्राप्त की गई छूट की राशि का रिकार्ड बनता है एवं समझौता प्रस्ताव के अंतर्गत प्राप्त छूट के चलते भविष्य में उस ऋणदाता को बैकों से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, इस बात का ध्यान चूककर्ता ऋणदाता को रखना चाहिए। अत: जहां तक सम्भव को ऋणदाता द्वारा समझौता प्रस्ताव से भी बचा जाना चाहिए एवं अपनी ऋण की निर्धारित किश्तों एवं ब्याज का निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत भुगतान करना ही सबसे अच्छा रास्ता अथवा विकल्प है।

भारत में तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के चलते मध्यमवर्गीय नागरिकों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है, जिनके द्वारा चार पहिया वाहनों, स्कूटर, फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन एवं मकान आदि आस्तियों को खरीदने हेतु बैकों अथवा अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण लिया जा रहा है। कई बार मध्यमवर्गीय परिवार एक दूसरे की देखा देखी आपस में होड़ करते हुए भी कई उत्पादों को खरीदने का प्रयास करते हुए दिखाई देते हैं, चाहे उस उत्पाद विशेष की आवश्यकता हो अथवा नहीं। उदाहरण के लिए एक पड़ौसी ने यदि अपने चार पहिया वाहन का एकदम नया मॉडल खरीदा है तो जिस पड़ौसी के पास पूर्व में ही चार पहिया वाहन उपलब्ध है वह पुराने मॉडल के वाहन को बेचकर पड़ौसी द्वारा खरीदे गए नए मॉडल के चार पहिया वाहन को खरीदने का प्रयास करता है और बैंक के ऋण के जाल में फंस जाता है। यह नव धनाडय वर्ग यदि बैक से लिए गए ऋण की किश्त एवं ब्याज की राशि का निर्धारित समय सीमा के अंदर भुगतान नहीं कर पाता है तो उस नागरिक विशेष के वित्तीय रिकार्ड पर धब्बा लग सकता है जिससे उसके लिए उसके शेष जीवन में बैकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों से पुन: ऋण लेने में कठिनाई आ सकती है। अत: बैकों से ऋण प्राप्त करने वाले नागरिकों को ऋण की किश्त का समय पर भुगतना करना स्वयं उनके हित में हैं, ताकि भारत में तेज हो रही आर्थिक प्रगति का लाभ आगे आने वाले समय में भी समस्त नागरिक ले सकें।

भारत में तो यह कहा भी जाता है कि जिसके पास जितनी चादर हो, उतने ही पैर पसारने चाहिए। अर्थात, नागरिकों को बैंकों से ऋण लेते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ऋण की किश्त एवं ब्याज की राशि का भुगतान करने लायक उनकी अतिरिक्त आय होनी चाहिए, ताकि ऋण की किश्तों एवं ब्याज की राशि का भुगतान निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके एवं उनका ऋण खाता गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित नहीं हो।

-प्रहलाद सबनानी

भारतीय विजन 2047 के विकास पथ में विकास के साथ संस्कृति व विरासत पर ज़ोर देना समय की मांग

वैश्विक स्तरपर दुनियां के हर देश में विकास की एक आंधी सी चल रही है। हर देश वैश्विक वित्तीय मंचों संस्थाओं से अपने देश के लिए धन आवंटित कराने की दिशा में कार्य कर रहे हैं, ताकि अपने देश को आधुनिकता की दिशा में आगे बढ़ा सकें।भारत ने भी अपना विजन 2047 रूपी विकसित भारत का विकासपत्र तैयार किया है, जिसमें आगे बढ़ाने की प्लान हमने पूर्ण बजट 1 फरवरी 2025 में भी देखें। परंतु इस बजट में ध्यान देने योग्य बात यह है कि माननीय वित्तमंत्री ने अपने बजट भाषण में देश के विकास पथ में विकास और विरासत दोनों पर सरकार के जोर को रेखांकित किया जो ध्यान देने योग्य बात है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए संस्कृति मंत्रालय के लिए बजट में 100 करोड़ रुपये की वृद्धि करते हुए 3360.96 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं. मंत्रालय के भीतर, एक बड़ा हिस्सा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को गया है, जिसे 2024-25 में आवंटित 1273.91 करोड़ रुपये के मुकाबले 1,278.49 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसे संशोधित कर 1191.99 करोड़ रुपये कर दिया गया था.सरकार कल्चरल डेवलपमेंट तो चाहती है, लेकिन इसने शताब्दी और वर्षगांठ मनाने के लिए कार्यक्रमों के आयोजन में होने वाले बजट में बहुत कमी कर दी है, इन आयोजनों के लिए बजट 2024-25 में 110 करोड़ रुपये से घटाकर 2025-26 में सिर्फ 35 करोड़ रुपये कर दिया गया है। हालांकि, बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, संविधान दिवस की 75वीं वर्षगांठ और अहिल्या बाई होल्कर की 300 वीं जयंती जैसे प्रमुख समारोह अभी भी सरकार के समर्थन से मनाए जाएंगे अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक सहयोग के लिए निर्धारित धनराशि में तीव्र गिरावट देखी गई है।2024-25 में 10.50 करोड़ रुपये से 2025-26 में 4.65 करोड़ कर दी गई है एएसआई वह एजेंसी है जिसे यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों सहित 3,693 केंद्रीय संरक्षित स्मारकों के संरक्षण, संरक्षण और विकास का कार्य सौंपा गया हैअन्य आवंटनों के अलावा, राष्ट्रीय पुस्तकालयों और अभिलेखागार के लिए 156.55 करोड़ रुपये अलग रखे गए हैं,जो ऐतिहासिक अभिलेखों और दस्तावेजों के रखरखाव को सुनिश्चित करते हैं।राष्ट्रीय संग्रहालय और राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी जैसे संग्रहालयों को सांस्कृतिक संरक्षण प्रयासों को बढ़ाने के लिए 126.63 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे. प्राचीन लिपियों के संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए, पांडुलिपियों के लिए राष्ट्रीय मिशन को 60 करोड़ रुपये मिलेंगे, जो पिछले वर्षों की तुलना में काफी अधिक है।इस बीच, सांस्कृतिक मानचित्रण पर राष्ट्रीय मिशन के लिए 22.46 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं, जिसका उद्देश्य एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के तहत सांस्कृतिक गतिविधियों को समेकित करना है।सरकार संगीत नाटक अकादमी, साहित्य अकादमी, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र जैसे स्वायत्त सांस्कृतिक संस्थानों को महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखेगी।इन निकायों को सामूहिक रूप से 411.42 करोड़ रुपये मिलेंगे, इसके अतिरिक्त, विक्टोरिया मेमोरियल और भारतीय संग्रहालय सहित संग्रहालयों को उनके प्रदर्शन और आउटरीच कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए 379.58 करोड़ रुपये दिए गए हैं। हमें भारत की पौराणिक व पारंपरिक संस्कृति विरासत पांडुलिपि धरोहर स्मारकों को सहेज कर रखने के लिए हमारी नई पीढ़ी, युवाओं को जागरूक करने की अत्यंत आवश्यकता है, जिसके लिए सरकार ने भी मेरा गांव मेरी धरोहर, भारतीय संस्कृति व विरासत के बारे में युवाओं में जागरूकता फैलाने व राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन तथा राष्ट्रीय संस्कृति कोष जैसी योजनाएं चल रहा है। चूंकि आधुनिक विकास की आंधी में भारतीय संस्कृति विरासत पुरातत्व पांडुलिपि को बचाना अत्यंत जरूरी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारतीय विजन 2047 के पथ में विकास के साथ संस्कृति व विरासत पर जोर देना समय की है, व युवाओं को भारतीय संस्कृति, विरासत, पांडुलिपि कला प्रथाओं धरोहर स्मारक के प्रति जागरूकता फैलाना अत्यंत जरूरी है। साथियों बात अगर हम केंद्रीय सांस्कृतिक मंत्रालय द्वारा मेरा गांव मेरी धरोहर योजना की करें तो,कला और संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु वित्तीय सहायता योजना का विवरण और योजना के लिए आवंटित धन का विवरणइस योजना में निम्नलिखित उप-घटक हैं वे,(1) राष्ट्रीय उपस्थिति वाले सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता इस योजना घटक का उद्देश्य पूरे देश में कला और संस्कृति को बढ़ावा देने में शामिल राष्ट्रीय उपस्थिति वाले सांस्कृतिक संगठनों को बढ़ावा देना और समर्थन करना है। यह अनुदान ऐसे संगठनों को दिया जाता है जिनके पास उचित रूप से गठित प्रबंध निकाय है, जो भारत में पंजीकृत है; इसके संचालन में राष्ट्रीय उपस्थिति के साथ अखिल भारतीय चरित्र होना; पर्याप्त कार्य शक्ति; और पिछले 5 वर्षों में से 3 वर्षों के दौरान सांस्कृतिक गतिविधियों पर 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक खर्च किये हैं। इस योजना के अंतर्गत अनुदान की मात्रा 1.00 करोड़ रुपये है जिसे असाधारण मामलों में 5.00 करोड़ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। (2) सांस्कृतिक समारोह एवंउत्पादन अनुदान इसयोजना घटक का उद्देश्य संगोष्ठी, सम्मेलन अनुसंधान कार्यशालाओं त्यौहारों प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों, नृत्य, नाटक थिएटर, संगीत आदि के उत्पादन के लिए गैर सरकारी संगठनोंसोसाइटियों/ट्रस्टों/विश्वविद्यालयों आदि को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस योजना के अंतर्गत एक संगठन के लिए अनुदान 5 लाख रुपये है जिसे बढ़ाकर 5 लाख रुपये किया जा सकता है। असाधारण मामलों में 20.00 लाख रुपये हो सकता है। (3) हिमालय की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और विकास के लिए वित्तीय सहायताइस योजना घटक का उद्देश्य ऑडियो विजुअल कार्यक्रमों के माध्यम सेअनुसंधान प्रशिक्षण और प्रसार के माध्यम से हिमालय की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना और संरक्षित करना है।हिमालय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले राज्यों यानी जम्मू और कश्मीर,हिमाचल प्रदेश,उत्तराखंड सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। (4) बौद्ध तिब्बती संगठन के संरक्षण एवं विकास के लिए वित्तीय सहायता इस योजना के अंतर्गत बौद्ध/तिब्बती सांस्कृतिक और परंपरा के प्रचार-प्रसार और वैज्ञानिक विकास और संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान में लगे मठों सहित स्वैच्छिक बौद्ध/तिब्बती संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। योजना घटक के अंतर्गत वित्त पोषण की मात्रा एक संगठन के लिए प्रति वर्ष 30.00 लाख है, जिसे असाधारण मामलों में 1.00 करोड़ तक बढ़ाया जा सकता है। (5) स्टूडियो थिएटर सहित भवन निर्माण अनुदान के लिए वित्तीय सहायता।इसयोजना घटक का उद्देश्य एनजीओ, ट्रस्ट, सोसायटी, सरकार को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस योजना घटक के तहत सांस्कृतिक बुनियादी ढांचे (यानी स्टूडियो थिएटर, ऑडिटोरियम, रिहर्सल हॉल, कक्षा आदि) के निर्माण और बिजली, एयर कंडीशनिंग, ध्वनिकी, प्रकाश और ध्वनि प्रणाली आदि जैसी सुविधाओं के प्रावधान के लिए प्रायोजित निकाय, विश्वविद्यालय, कॉलेज आदि। अनुदान की अधिकतम राशि मेट्रो शहरों में 50 लाख रुपये तक और गैर-मेट्रो शहरों में 25 लाख रुपये तक है। (6) संबद्ध सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायताइस योजना घटक का उद्देश्य नियमित आधार पर और खुले/बंद क्षेत्रों/स्थानों में त्योहारों के दौरान सजीव प्रदर्शन का प्रत्यक्ष अनुभव देने के लिए संबद्ध सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए ऑडियो-विजुअल तमाशा को बढ़ाने के लिए संपत्ति के निर्माण के लिए सभी पात्र संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। (7) अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए योजना-यह योजना 2013 में संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत और विविध सांस्कृतिक परंपराओं की सुरक्षा के लिए विभिन्न संस्थानों, समूहों, गैर सरकारी संगठनों आदि को पुनर्जीवित करने और पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी ताकि वे गतिविधियों/परियोजनाओं में संलग्न हो सकें। भारत की समृद्ध अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करना, सुरक्षा करना, संरक्षित करना और बढ़ावा देना।यह जानकारी केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आज राज्य सभा में एक लिखित उत्तर में दी। साथियों बात अगर हम केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा भारतीय संस्कृति और विरासत के जनजागरण अभियान के तहत योजनाओं की करें तो संयह निरंतर प्रयास रहा है कि देश के युवाओं सहित समाज के सभी वर्गों में भारतीय संस्कृति और विरासत के बारे में जागरूकता फैलाई जाए। तदनुसार, मंत्रालय युवाओं के लिए योजनाएं संचालित करता है जैसे कि विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों को छात्रवृत्ति और संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट व्यक्तियों को फेलोशिप प्रदान करना, जिनका विवरण इस प्रकार है (द्व)विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों के लिए छात्रवृत्ति योजना- एक बैच वर्ष में 400 तक छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं। इस योजना के तहत, 18-25 वर्ष की आयु के उत्कृष्ट प्रतिभावान युवा कलाकारों को भारतीय शास्त्रीय संगीत, भारतीय शास्त्रीय नृत्य, रंगमंच,मूकाभिनय, दृश्य कला, लोक, पारंपरिक और स्वदेशी कला और सुगम शास्त्रीय संगीत आदि के क्षेत्र में भारत में उन्नत प्रशिक्षण के लिए 5,000/- रुपये प्रति माह की दर से 2 वर्षों के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है। छात्रवृत्ति की धनराशि चार बराबर छह मासिक किश्तों में जारी की जाती है।(7) क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किए हैं। ये जेडसीसी पूरे वर्ष देश भर में नियमित आधार पर विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं, जिसके लिए उन्हें वार्षिक अनुदान सहायता प्रदान की जाती है। इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों गतिविधियों में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए कलाकारों को जेडसीसी द्वारा लगाया जाता है, वर्ष 2015 से अब तक संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश भर में चौदह क्षेत्रीय उत्सव तथा चार क्षेत्रीय उत्सव आयोजित किए जा चुके हैं। ये क्षेत्रीय उत्सव कला एवं संस्कृति के विकास के लिए हर वर्ष कम से कम 42 क्षेत्रीय उत्सव भी आयोजित करते हैं।संस्कृति मंत्रालय शिक्षा मंत्रालय सहित भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/ विभागों को उनकी विभिन्न पहलों/ कार्यक्रमों के लिए नियमित रूप से सांस्कृतिक सहायता प्रदान करता है।

किशन सनमुखदास भावनानी

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। लेवाली कमजोर रहने से मंगलवार को तिलहनों में सोयाबीन बाजार नरमी के रहे। सरसो व रायडा बना रहा। खाद्य तेलों में कामकाज अच्छा रहा। दलहनों में चना मजबूत बना रहा। मसूर में टिकाव रहा। किराना जिंसों में नारियल बाजार सुर्खी पर रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तिलहनों में सोयाबीन में पूछपरख कमजोर रहने से बाजार नरमी के रहे। सरसो व रायडा पूर्वस्तर पर बना रहा। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। बाजार मजबूती के रहे। दलहनों में चना लेवाली से सुर्ख रहा। मसूर में बाजार बने रहे। उधर, किराना जिंसों में नारियलों में माल की अक्षत से बाजार सुर्खी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4110-4140, खोपरा गोला 350-380, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 6900-7100, सौंफ मोटी 100-130, बेस्ट 185-285, एस्ट्रा बेस्ट 340-450, सौंफ बारिक 290-350, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1200, क्लीन 1350-1600, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्स्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्स्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3400-3500, (160) 4400-4500, (200) 4800-4900, (250) 5200-5500

तेल- सींगदाना 1360-1380, मुम्बई 1390, राजकोट तेलिया 2165, सोया साल्वेंट 1105-1110, सोया रिफाइंड 1180-1185, कपास्या 1215, धूलिया 1220, कड़ी 1220,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1335, मुम्बई पाम 1160, मुम्बई सोया 1180-1185,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6500, रायडा 5800-6000, सोयाबीन 4200, टोली (महुआ बीज) 4300-4450, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5900-6000, एवरेज 5200-5300, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7100-7200, पाला 7200-7300, चमकी 7200-7300, नायलोन 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7300-7500, बोल्ड 7700-8100, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में कामकाज की मात्रा सामान्य ही रही। चॉंदी व सोने में बाजार सुर्खी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 105000, चॉंदी (99) 104800, टंच 104200, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 97500,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 26 पैसे की बढ़त के साथ ही 85.50 पर बंद हुआ। वहीं शुरुआती कारोबार में 42 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.34 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर के कई महीने के निचले स्तर पर पहुंचने और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख से रुपये को बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.66 पर खुला। शुरुआती कारोबार में 85.34 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 42 पैसे की बढ़त को बताता है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए धैर्य व संयम से काम लेने के लिए रहेगा। आपका किसी बात को लेकर मन परेशान रहेगा। परिवार का कोई सदस्य काम के लिए कहीं बाहर जा सकता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई पर पूरा ध्यान देना होगा। आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती है। आपको अपनी कमी को सुधार कर अपने कामों में जुटना होगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। जीवनसाथी की ओर से आपको कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। पारिवारिक समस्याएं भी यदि लंबे समय से आपको घेरे हुए थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होंगी। आप जीवनसाथी के साथ मिलकर किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मध्यम रुप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा। आपको शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय नहीं लेना है। आपको किसी काम को लेकर कहीं बाहर जाना भी पड़े, तो कीमती सामानों की सुरक्षा आवश्य करें। आईटी सेक्टर से जुड़े लोगों को कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आप किसी समस्या को छोटा समझे, तो वह आज बढ़ सकती है। आप शारीरिक रूप से कमजोर रहेंगे। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा। आपने कोई राज यदि लंबे समय से छुपा रखा था, तो वह परिवार के सदस्यों के सामने उजागर हो सकता है। आपको पुराने झगड़े व झंझटों से छुटकारा मिलेगा।

सिंह- आज आपको अपनी वाणी व व्यवहार पर संयम रखने की आवश्यकता है। आपके बॉस से आपके रिश्ते काफी बेहतर रहेंगे, लेकिन आपके आसपास कुछ शत्रु भी बने रहेंगे। आपको कोई चोट चपेट आदि लगने की संभावना है। आप यदि किसी नए काम की शुरुआत करने की सोच रहे हैं, तो आपको उसमें थोड़ा धैर्य रखना होगा। आपका कोई सहयोगी आपके कामों को बिगाड़ने की कोशिश कर सकता है। आप शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय न ले।

कन्या- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आपको कोई नौकरी से संबंधित खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम को लेकर बातचीत हो सकती हैं। कोई विवाद को लेकर जीवनसाथी से कहासुनी होने की संभावना है। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको किसी दूसरी नौकरी का ऑफर आ सकता है। परिवार में माताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकती है। आप घर से ज्यादा बाहर के कामों पर ध्यान लगाएंगे। आपको किसी काम को पूरा करने मे यदि कोई समस्या आ रही थी, तो उसके लिए आप अपने भाई से सलाह ले सकते हैं, लेकिन वाहनों का प्रयोग आपको थोड़ा सावधान रहकर करना होगा, क्योंकि कोई दुर्घटना होने की संभावना है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए उलझनों भरा रहने वाला है। आपका कोई मित्र आपसे लंबे समय बाद मिलने आ सकता है। आपके मन में यदि किसी बात को लेकर संशय बना हुआ है, तो आप उसमें बिल्कुल आगे ना बढ़ें। आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण कामों में कोई गड़बड़ी भी कर सकते हैं। आपके बॉस से आपके रिश्ते में थोड़ी कड़वाहट रहेगी। आप अच्छे भोजन का आनंद लेंगे।

धनु- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको कोई पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। पूजा पाठ में आपका खूब मन लगेगा। आपको किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा। आप अपने धन का निवेश बहुत ही सोच समझकर करें। संतान की फरमाइश पर आप किसी नए वाहन को घर लेकर आ सकते हैं। आपको किसी दूर रहे परिजन की याद सता सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। जो आपके व्यवसाय में धन लगाने में आपकी पूरी मदद करेंगे। राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहे लोगों को थोड़ा सावधान रहना होगा। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी से कोई भी बात सोच समझ कर बोले, उनके रिश्ते में खटास आने की संभावना है। आपको अपने मित्रों के साथ कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए तनावग्रस्त रहने वाला है। परिवार में किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आने से आपको टेंशन बनी रहेगी। भाग दौड़ भी अधिक रहेगी। नौकरी में आपके बॉस आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। भाई व बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा। जीवनसाथी की ओर से आपको कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। आप कहीं घूमने फिरने जाएं, तो वहां किसी से कोई बात बहुत ही सोच समझ कर बोले।

मीन- आज का दिन आपके लिए धन धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको आपका डूबा हुआ धन मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको अपने आसपास रह रहे विरोधियों से थोड़ा सतर्क रहना होगा। आप किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचे। संतान ने यदि किसी प्रतियोगिता में भाग लिया था, तो उसमें उन्हें जीत मिलेगी। परिवार व प्रॉपर्टी को लेकर कोई घमासान छिड़ सकता है।

शब्दजाल - 7947

शब्दजाल में प्राण की दस फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

आ	ल	र	ही	दा	उ	प	का	र	झ	आ
ज	द	ल	र	आ	क	ह	ब्ब	तें	शा	रा
अं	इ	मी	रां	ल	दा	ल	न	र	ला	म
जं	कु	अ	झा	बे	ला	क	सी	रि	श	औ
जी	ति	श	ने	व	द	स	ब	ग	वी	र
र	रं	गं	गा	की	सौ	गं	ध	ती	प	श्या
जो	गा	ध	र्मा	गा	प	म	र	कौ	या	म
श	बा	जीं	स	त	क	छ	श	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	म	रा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	बी	ना
थो	कु	र्बा	नी	र	हो	ग	या	दु	र	क

उपकार,शराबी,नसीब,हीर रांझा,आदमी, जंजीर,कुर्बानी,धर्मा,गंगा की सौगंध,राम और श्याम

शब्दजाल - 7946 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 6891

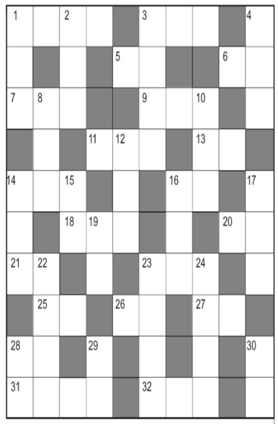

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि, जेबा, अश्विनीभावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. जॉन, बिपाशा की एक फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. १९७१ के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-३
३. 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखों' गीत वाली फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबु' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6890

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8415

बाएँ से दाएँ

1. कृष्ण का एक नाम-4,3
6. धन,संपत्ति-2
7. इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8. विजय,फतह-2
10. आम जनता,लोग-2
11. लाभ,कुल योग-2
13. निर्माण,कृति-3
14. उत्तर-3
15. नष्ट,विनाश-2
17. रुस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18. तह,अस्तर-2
20. राजी होना-3
21. अवरोध,रुकावट-2
22. आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2. भिड़ंत,मुठभेड़-3
3. इस्लामी महीना-4
4. हाथी,गज-4
5. न्यायाधीश-2
6. जोरदार-5
9. लालसी,आकांक्षी, पिपासु-5
10. ख्यातिपूर्ण,ख्यीय-3
12. वृतांत,घटना-3
16. हल,निष्कर्ष-4
17. राशन,भोजन-4
19. घोड़ा गाड़ी-2
21. रुकावट,अवरोध-3

शब्द पहेली - 8414 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

2 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.25 बजे से
चंद्र	कन्या में	सिंह	08.41 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.53 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.04 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.18 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.34 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.39 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.26 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.59 बजे से
		मेष	00.29 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		वृष	02.09 बजे से
		मिथुन	04.07 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 183 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 11.59 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी 11.08 बजे को समाप्त।
योग वरीयान 17.47 बजे को समाप्त।
करण वणिज 11.59 बजे तदनन्तर विष्टि 01.00 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 06.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 02'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872393
जूलियन दिन 2460858.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 06

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः ज्ञान की परंपरा

एक बार बुद्ध ने मिथिला में आम के एक बगीचे में डेरा डाला था। शाम का समय था। बुद्ध मंद-मंद मुस्करा रहे थे। पास बैठे आनंद ने इसका कारण पूछा तो बुद्ध ने कहा, 'मुझे यहां के राजा मखादेव की कथा याद आ रही है। वह बहुत ही दयालु, धामिर्क और बुद्धिमान था। प्रजा उसके कार्यों से बहुत खुश थी। एक दिन उसने अपने बेटे से कहा- अब मैं बूढ़ा हो गया हूं। मैं संन्यास धारण कर कल्याण मार्ग की खोज में निकलूंगा। मेरे बाद तुम्हें ही राज्य का शासन देखना है। एक बात और, मेरी यह संन्यास वृत्ति मेरे ही तक सीमित न रहे। मैं चाहता हूं कि मेरी तरह मेरे वंशज भी प्रजा के हित में काम करते हुए मेरी तरह संन्यास धारण करके ज्ञान की खोज में निकलें। तुम भी जब बूढ़े हो जाओ तो अपने बेटे को शासन का भार सौंप कर संन्यास धारण कर लेना। बेटे ने कहा- आप की इच्छा अवश्य पूरी होगी। मखादेव के बाद कई पीढ़ियों तक यह सिलसिला चला। राज्य में सुख-शांति बनी रही। मगर जब कलारजनक राजा बना तो यह क्रम टूट गया। वह लोभी और अत्याचारी था। वह अंतिम समय तक राजा बना रहा। इस तरह कुल की प्रथा समाप्त हो गई। और विदा हो गई राज्य की खुशहाली। आनंद मैं यही सोच कर हंस रहा था कि पता नहीं मेरे बाद भी मेरे दिखाए गए मार्ग पर हमारे भिक्षु चलेंगे या नहीं। कहीं तुम्हारे बाद इस कल्याणकारी मार्ग की इतिश्री न हो जाए।' आनंद ने कहा, 'आपने जो रास्ता दिखाया है वह कभी अवरुद्ध नहीं होगा।' बुद्ध ने कहा, 'मैं भी यही चाहता हूं। ज्ञान चलायमान है। इसका मार्ग हमेशा चलता रहे इसी में मानवता का हित है। जिस दिन इसका रास्ता रुक जाएगा, समाज नष्ट हो जाएगा। इसलिए सभी को अपना दायित्व अगली पीढ़ी को सौंप कर उसके रास्ते से हट जाना चाहिए और ज्ञान के नए-नए क्षेत्रों की खोज में समय बिताना चाहिए।'

सूडोकु नवताल- 7200

★☆☆☆☆ सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7199 का हल

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बाजार ज्यादा ऊपर नहीं आ पाया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 90.83 अंकों की बढ़त के साथ ही 83,697.29 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 24.75 अंकों की बढ़त के साथ ही 25,541.80 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 13 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ऊपर आकर बंद हुए, जबकि बाकी की सभी 17 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे बंद हुए। निफ्टी की 50 में से 24 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही लाभ पर बंद हुए और बाकी की 26 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल बीईएल के शेयर सबसे ज्यादा 2.51 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि एक्सिस बैंक के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.13 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 1.84 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.18 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.10 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.93 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.60 फीसदी, टाइटन 0.30फीसदी, भारती एयरटेल 0.29 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 0.04 फीसदी और इंफोसिस के शेयर 0.04 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए।वहीं दूसरी ओर आज , टेक महिंद्रा 1.05 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.95 फीसदी,

टीसीएस 0.89 फीसदी, एनटीपीसी 0.70 फीसदी, पावरग्रिड 0.67 फीसदी, एचसीएल टेक 0.60 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.60 फीसदी, सनफार्मा 0.57 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.37 फीसदी, आईटीसी 0.31 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.25 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.23 फीसदी नुकसान के साथ बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार हरे निशान में खुले। शुरुआती कारोबार में ऑटो और आईटी सेक्टर में खरीदारी देखी गई। सेंसेक्स 188.66 अंक बढ़कर 83,795.12 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 54.80 अंक बढ़कर 25,571.85 पर कारोबार कर रहा था। विश्लेषकों के अनुसार अमेरिकी बाजार के नए रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के साथ, ग्लोबल इक्विटी बाजार का मूड सकारात्मक है और पश्चिम एशियाई भू-राजनीति अब वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरा नहीं है।

दिल्ली में 1 जुलाई से तय समय से अधिक पुराने वाहनों पर नया नियम हुआ लागू

नई दिल्ली। दिल्ली में मंगलवार 1 जुलाई से 10 साल से पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों को अब शहर के किसी भी पेट्रोल पंप से ईंधन नहीं मिलेगा। यह फैसला राजधानी की बिगड़ती वायु गुणवत्ता को देखते हुए लागू किया गया है। इस नियम को लागू करने के लिए दिल्ली के लगभग 500 पेट्रोल पंपों पर एआई आधारित ऑटोमे ?टिक नंबर प्लेट रिकाग्निशन कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे वाहन की नंबर प्लेट को स्कैन कर वह कितने साल पुराना है बता देते हैं। तय सीमा से अधिक पुराने वाहन की पहचान होने पर उन्हें ईंधन नहीं दिया जाएगा। प्रत्येक पेट्रोल पंप पर अधिकारी तैनात रहेंगे। सभी पंपों को निर्देश दिया गया है कि ऐसे वाहनों को ईंधन देने से इनकार करें और उनका रिकॉर्ड रखें। अगर कोई वाहन मालिक इस नियम का उल्लंघन करता है, तो 10,000 रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है, वाहन जब्त भी किया जा सकता है। दोपहिया वाहनों के लिए 5,000 रुपए जुर्माना तय किया गया है, सार्वजनिक स्थानों पर ऐसे वाहन खड़े पाए जाने पर भी कार्रवाई होगी। दिल्ली में करीब 62 लाख पुराने वाहन हैं, जो प्रदूषण का बड़ा कारण बनते हैं। सरकार चाहती है कि लोग अब इलेक्ट्रिक वाहनों या पब्लिक ट्रांसपोर्ट की ओर रुख करें। यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के 2018 के आदेश और एनजीटी के 2014 के निर्देशों के अनुरूप है, जिसमें कहा गया था कि 15 साल पुराने वाहनों को सार्वजनिक स्थानों पर पार्क नहीं किया जा सकता।

सरकार ने एफएसआईबी के चेयरपर्सन का कार्यकाल एक वर्ष बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के निदेशकों की नियुक्ति करने वाली संस्था एफएसआईबी के चेयरपर्सन और अन्य सदस्यों का कार्यकाल एक साल बढ़ा दिया है। वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (एफएसआईबी) का कार्यकाल पिछले वर्ष भी एक वर्ष के लिए बढ़ाया गया था। अब इस विस्तार के साथ, चेयरपर्सन और अन्य सदस्य 30 जून 2026 तक ब्यूरो में

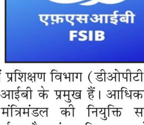

अपने पद पर बने रहेंगे। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के पूर्व सचिव भानु प्रताप शर्मा एफएसआईबी के प्रमुख हैं। आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने एफएसआईबी के वर्तमान चेयरपर्सन और अंशकालिक सदस्यों के कार्यकाल को 30 जून 2025 से एक वर्ष की अवधि के लिए बढ़ाने को मंजूरी दे दी है जो एक जुलाई 2025 से 30 जून 2026 तक या अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी। इसके अन्य सदस्य ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स के पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) अनिमेष चौहान, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व कार्यकारी निदेशक दीपक सिंघल और आईएनजी वैश्य बैंक के पूर्व एमडी शैलेन्द्र भंडारी हैं। बीमा क्षेत्र में नियुक्तियों के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की पूर्व प्रबंध निदेशक उषा सांगवान, ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ए. वी. गिरिजा कुमार तथा भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) के पूर्व पूर्णकालिक सदस्य (वितरण) सुजय बनर्जी के कार्यकाल को भी अंशकालिक सदस्य के रूप विस्तार दिया गया है।

आमगांव मार्ग पर बनी नाली बनी दुर्घटना का कारण, नगर परिषद से मरम्मत की मांग

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर के आमगांव मार्ग पर सुदामा टी स्टॉल के सामने सड़क पर बनी नाली की खराब स्थिति ने एक बार फिर स्थानीय लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे इस मार्ग से गुजर रही एक महिला स्कूटी सवार इस नाली में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि आसपास के लोगों ने तुरंत दौड़कर महिला की मदद की और स्कूटी को उठाया, जिससे महिला को मामूली चोटें ही आईं। इस घटना ने नगर परिषद की लापरवाही को उजागर किया है, जिसके चलते स्थानीय निवासियों ने सड़क पर बनी नाली की मरम्मत कर रोड़ को ठीक किए जाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार, आमगांव मार्ग पर सुदामा टी स्टॉल के सामने सड़क पर बनी नाली गणेशी तालाब के पानी की निकासी के लिए बनाई गई थी। इसके लिए सड़क को काटकर पाइप डाला गया था, लेकिन पाइप निकालने के बाद सड़क को ठीक नहीं किया गया। परिणामस्वरूप, सड़क पर गड्ढा बन गया, जो बारिश के मौसम में दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। स्थानीय लोगों का कहना

है कि इस नाली की मरम्मत नहीं किए जाने से यह मार्ग आए दिन हादसों का सबब बन रहा है। लांजी के आमगांव मार्ग पर सुदामा टी स्टॉल के सामने हुई इस दुर्घटना ने एक बार फिर नगर परिषद की लापरवाही को उजागर किया है। खराब सड़कों की समस्या न केवल आवागमन को प्रभावित कर रही है, बल्कि लोगों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रही है। अब देखना यह है कि नगर परिषद इस मांग को कितनी गंभीरता से लेती है और इस समस्या का स्थायी समाधान कब तक हो पाता है।

सिविल अस्पताल लांजी में डाक्टर्स एवं स्वास्थ्य अमले ने मनाया डाक्टर्स दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सिविल अस्पताल लांजी मे 1 जुलाई को डाक्टर्स दिवस का आयोजन समस्त डाक्टर्स एवं स्वास्थ्य अमलो की उपस्थिती में किया गया। बतादे कि राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस 01 जुलाई स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में डॉक्टरों के समर्पण, कड़ी मेहनत और बलिदान का सम्मान करने और उनकी सराहना करने का दिन है, जो समाज में उनकी बड़ी भूमिका पर जोर देता है. यह दिन स्वास्थ्य, नियमित जांच और स्वास्थ्य सेवा के साथ सक्रिय जुड़ाव के महत्व की याद दिलाता है. सिविल अस्पताल लांजी में पदस्थ चिकित्सकों ने इस दिन को मनाकर स्वास्थ्य सेवा में निस्वार्थ भाव से आने वाले मरीजों की सेवा जांच उपचार करने के भाव व्यक्त करते हुए मनाया। कार्यक्रम में डॉ अक्षय उपराडे खण्ड चिकित्सा अधिकारी, डॉ अंकित खरोले, डॉ रूपेंद्र गिरिया, डॉ श्रृष्टि गुप्ता, डॉ ओम प्रकाश नेवारे, डॉ मिना वाहने, डॉ विद्या उईके ने उपस्थिति दर्ज की। हर व्यक्ति के जीवन में डॉक्टर की बड़ी अहमियत है, ऐसे में राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस समाज में डॉक्टरों के योगदान को सम्मान देने और मान्यता देने के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर समस्त सिविल अस्पताल लांजी अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमृत हरित माह अभियान के तहत नगर में 7 हजार पौधा रोपण का लक्ष्य

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर परिषद लांजी के द्वारा शासन निर्देशानुसार अमृत हरित माह अभियान के अन्तर्गत लगभग 7 हजार पौधा रोपण के लक्ष्य को लेकर जनभागीदारी से वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत संपूर्ण नगर के 15 वार्डो में यह अभियान संचालित होगा। यह अभियान 1 जुलाई से 30 अगस्त तक आयोजित किया जायेगा जिसमे नगर के सभी वार्डो में लक्ष्य के अनुसार लगभग 7 हजार पोधो का रोपण करना है।

अध्यक्ष रेखा कालबेले ने की अपील अधिक से अधिक वृक्षारोपण करे

नगर परिषद लांजी अध्यक्ष रेखा ताराचंद कालबेले के द्वारा समस्त नगर वासियों से अपील की गई है की नगरीय क्षेत्र में अधिक से अधिक वृक्षारोपण किया जाये। पर्यावरण संरक्षण के लिये अतिआवश्यक है कि हम सभी मिलकर वृक्षारोपण करे। हमे फलदार, फुलदार, छायादार, इमारती वृक्षो का रोपण करना है। आप सभी वृक्षारोपण के महत्व को समझिये यदि हमारा नगर हरा भरा रहेगा तो निश्चित रूप से हमे शुद्ध वायु प्राप्त होगी। जिससे हम सभी बिमारियों से दुर रहेंगे। इसके अतिरिक्त पर्यावरण संरक्षण एवं सुरक्षा में भी हम भागीदार बनेंगे। आप सभी संकल्प लेवे की नगर का हर व्यक्ति एक एक पौधारोपण अवश्य करे। एक पेड़ माँ के नाम अवश्य लगाये और इस जन अभियान एकजुटता के साथ सहयोग देकर इस अमृत हरित माह अभियान के भागीदार बने।

दायित्वधारी दायित्व को अवसर में बदले-एड निशिकान्त चौधरी

हम फाउन्डेशन मालवा प्रान्त मध्यप्रदेश का दायित्व ग्रहण समारोह सम्पन्न

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जो दायित्व हमे मिला है अपनी कर्मठता, सक्रियता एवं क्रियाशीलता से अपने कर्तव्य का निर्वहन कर उसे अवसर में बदलने का प्रयास करे। जो कि आनेवाले पदाधिकारियों के लिए आदर्श के रूप में स्थापित हो सके। कभी कभी एक साधारण कार्यकर्ता भी अपने श्रेष्ठतम कार्य एवं सहभागिता से सन्गठन में बड़ा सम्मान पाता है, उदगार राष्ट्रीय सेवा व सांस्कृतिक सन्गठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एड निशिकान्त चौधरी ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। अवसर था हम फाउण्डेशन भारत मालवा प्रान्त मध्यप्रदेश कार्यकारिणी के दायित्व ग्रहण समारोह का। बाबासाहेब अम्बेडकर की नगरी महू में आयोजित दायित्व ग्रहण समारोह तथा कार्यशाला में प्रदेश अध्यक्ष प्रोफेसर इकबाल अली ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने अपने उद्बोधन में सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यक्रम की शुरुवात विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यर्पण एवं उपस्थितों के स्वागत से हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सह संयोजक महिला सहभागिता मुनमुन भट्टाचार्य, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष प्रमेश शंकर शर्मा, प्रदेश महामंत्री प्रशासन प्रमोद

समाधियां, प्रदेश सन्गठन मंत्री मुकेश गौर तथा प्रदेश सम्पर्क प्रमुख कमलेश त्रिवेदी ने सभा को सम्बोधित किया। स्वागत भाषण प्रान्तीय अध्यक्ष राकेश कुमार जैन एवं कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रान्त कार्यकारी अध्यक्ष सजनी कलोसिया ने दी। अतिथियों का परिचय कार्यकारी अध्यक्ष रवि पांडे ने दिया। समस्त नवनियुक्त पदाधिकारीयो ने अनुशासन के साथ कार्य करने एवं दायित्व निर्वहन की शपथ ली। सभा का संचालन प्रान्त उपाध्यक्ष डॉ रेखा मण्डलोई तथा आभार प्रदर्शन प्रान्त महासचिव आयुष त्रिवेदी ने किया। सभा का समापन राष्ट्गान से हुआ। इस अवसर पर प्रान्त के विंभिन्न जिलों से पधारे प्रतिनिधियों की भारी संख्या में उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

धरती आबा उत्कर्ष एवं पीएम जनमन के जिला स्तयरीय शिविर में हितलाभ का हुआ वितरण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधानमंत्री धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं प्रधानमंत्री जनमन अभियान के अंतर्गत 30 जून को सांदीपनी विद्यालय बालाघाट में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांसद श्रीमती भारती पारधी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में विधायक विवेक (विक्की्) पटेल, कलेक्टर मृणाल मीणा, नगर पालिका अध्यलक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, श्रीमती मौसम हरिनखेड़े, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, बैहर एसडीएम अर्पित गुप्तो, नगर पालिका के पार्षद, सभी विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन व हितग्राही उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया गया। कार्यक्रम मे अतिथियों द्वारा ग्राम सर्रा की उर्मिला मड़ावी और ग्राम खैरा के आकाश उईके को जाति प्रमाण पत्र, कोचेवाही की सुनीता कुमरे को आधार कॉर्ड, ग्राम सोनखार के निजाम सिंह को पेंशन स्वी्कृति, बिरसा तहसील के ग्राम सुजी की प्रिताबाई टेकाम एवं सुरतयॉ आरमों को आयुष्मान कार्ड, बैहर तहसील के ग्राम नव्ही् के कुंजेलाल मरकाम को किसान क्रेडिट कॉर्ड प्रदान किया गया। कृषि विभाग द्वारा वन पट्टाधारी कृषक ग्राम मलधर के भद्देलाल, ब्रजलाल, परदेशी, उदेलाल, रट्टा के रोशनलाल एवं बघोली के ध्यानचंद बाहेश्वर, रंजन पंचेश्वर को रागी बीज मिनी किट का वितरण किया गया।

वाद्य यंत्र एवं वेशभूषा सामग्री पाकर खुश हुए बैगा जनजाति के नृतक दल

मुख्य मंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा की संस्कृति एवं परम्पराओं के संरक्षण के लिए विशेष निर्देश दिये गए है। इसी के परिपालन में कलेक्टर मृणाल मीणा की पहल पर हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मलाजखंड द्वारा बैगा समुदाय के पॉच नृतक दलों को वाद्य यंत्र, श्रृंगार सामग्री एवं वेशभुषा के लिए कपड़े प्रदाय किये गए है। बैगा नृतक दलों को वाद्य यंत्रो में मांदर, नगाड़ा, टिस्कीर, करताल, पैजना, चटकलियॉ, टिमकी एवं बॉसूरी प्रदान की गई है। इसके साथ ही पारंपरिक वेशभूषा के लिए साड़ी/लुगड़ा, ब्लाकउज, धोती, कुर्ता, फेटा, गमछा, जाकेट, कोटी, बिछोली, बाजुबंद, हरेईया, उराई, मोरपंखा एवं मूंगामाला प्रदान की गई। यह सामग्री प्राप्तप करने वाले दलों में विकासखंड बैहर के ग्राम सेमरखेरो के बैगा नृतक दल के 16 पुरूष व 18 महिलाए, बिरसा विकासखंड के ग्राम समनापुर-बांधाटोला के 16 पुरूष व 16 महिलाए, समनापुर-झगडाटोला के 15 पुरूष व 15 महिलाए, ग्राम लगमा के 10 पुरूष व 06 महिलाए तथा ग्राम कोरका के बैगा नृतक समूह के 18 पुरूष एवं 12 महिलाए शामिल है। यह सामग्री पाकर बैगा नृतक दल खुश हो गए है।

बैगा बसाहटों में 09 सड़के पूर्ण, 20 मोबाईल टॉवर लगे

प्रधानमंत्री जनमन योजना के अतर्गत बालाघाट जिले में निवास करने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा की कुल 260 बसाहटों के 7357 परिवारों की 31 हजार 35 जनसंख्या को शामिल किया गया है। इसमें विकासखंड बैहर, परसवाड़ा, बालाघाट, बिरसा, लांजी, किरनापुर, वारासिवनी, लालबर्रा एवं कटंगी की कुल 255 तथा नगरीय क्षेत्र बैहर, मलाजखंड, बालाघाट, लांजी एवं वारासिवनी की 05 बसाहटें शामिल है। इस अभियान के अंतर्गत महाजनटोला एवं बैहर जनपद के माड़ी में 02 बहुउद्देश्यीय केंद्र पूर्ण होने जा रहे है। बैगा बसाहटों के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से 82 किलोमीटर की लंबाई की 28 सड़के स्वीकृत की गई है। इनमें से 24 किलोमीटर की लंबाई की 09 सड़के पूर्ण हो चुकी है। बैगा बसाहटों के लिए 4114 पीएम आवास स्वीकृत किये गए है। इनमें से 2324 आवास पूर्ण हो चुके है और 5520 परिवारों को नलजल योजना का लाभ मिलने लगा है। जिले के 20 पहुंच विहीन बैगा ग्रामों में मोबाईल टॉवर लगाए जा चुके है और 11 टॉवर का कार्य प्रगति पर है।

2500 से अधिक जाति प्रमाण पत्र जारी

प्रधानमंत्री धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत जिले के 500 या उससे अधिक जनसंख्यौ वाले तथा कम से कम 50 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या् वाले गांवो को चिन्हित किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत जिले के विकासखंड बैहर, बिरसा, परसवाड़ा, लांजी, किरनापुर, बालाघाट, कटंगी एवं लालबर्रा की 137 ग्राम पंचायतों के 200 ग्रामों को चिन्हित किया गया है। इन ग्रामों में 16 विभागों की 25 हितग्राहीमूलक योजनाओं का शत प्रतिशत सेच्यूरेशन का लक्ष्य है। इसके लिए 15 जून से चिन्हित ग्रामों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों का आयोजन 15 जुलाई तक किया जाएगा। जिले अब तक लगाए गए शिविरों में 2500 से अधिक जाति प्रमाण पत्र जारी किये गए है। 1200 से अधिक के आधार कॉर्ड बनाए गए है या अपडेट किये गए है। 2500 लोगो के सिकल सेल एनिमियॉ स्क्रीनिंग की गई है। 1500 से अधिक जनजातीय सदस्यौं के आयुष्मा्न कॉर्ड बनाये गए है। 500 से अधिक लोगो को विभिन्न पेंशन योजनाओं एवं बीमा योजनाओ से जोड़ा गया है और 300 से अधिक जनजातीय सदस्यों को जनधन बैंक खाते खोले गए है।

30 जून की मध्यरात्रि से 01 अक्टूबर 2025 तक रेत खदानों से खनन पर प्रतिबंध

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा दिनांक 14 जून 2019 एवं भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, नागपुर के पत्र के अनुसार, मध्यप्रदेश मे वर्षा ऋ्रतु के लिए मानसून सत्र की अवधि 15 जून से 01 अक्टूबर निर्धारित है। संचालक, भौमिकी तथा खनिकर्म, भोपाल के दिये गये निर्देशानुसार कलेक्टर मृणाल मीणा ने जिले मे मानसून सत्र अवधि एवं स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए दिनांक 30 जून 2025 के मध्य रात्रि से दिनांक 01 अक्टूबर 2025 तक निर्धारित कर इस अवधि मे जिले में संचालित समस्त रेत खदानों मे खनन कार्य पूर्णत: प्रतिबंधित कर दिया है। इसके साथ ही जिले के ई-निविदाकार/अनुबंधित ठेकेदारों को रेत खदानो मे रेत निकासी हेतु बनाई गई अस्थाई संरचना जैसे पुल-पुलिया, सड़क हेतु डाली गई मिट्टी, मुरूम आदि मलबा को नदी के जल प्रवाह क्षेत्र से तत्कारल हटाने के निर्देश दिये गए है। जिले मे स्वीकृत समस्त रेत खदानों के ई-निविदाकार/अनुबंधित ठेकेदारो से कहा गया है कि उक्त आदेश का पालन सुनिश्चित करे।

फॉर्मर रजिस्ट्री एवं खसरा आधार लिंकिंग के लिए 02 एवं 04 जुलाई को विशेष शिविरों का आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधानमंत्री किसान सम्माचन योजना का लाभ लेने के लिये किसान की फॉर्मर रजिस्ट्री होना अनिवार्य है। फार्मर रजिस्ट्री नहीं होने पर किसान को इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। माह जून 2025 की पीएम किसान योजना का लाभ प्राप्त करने के लिये किसान की फॉर्मर आईडी का होना अनिवार्य है। इसी परिप्रेक्ष्य में राजस्व विभाग व कृषि विभाग के निर्देशन के परिपालन में 02 जुलाई एवं 04 जुलाई को जिले की सभी तहसीलों की प्रत्ये क ग्राम पंचायत में शिविरों का आयोजन किया जायेगा। कलेक्टर मृणाल मीणा ने सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि 02 जुलाई एवं 04 जुलाई को अपने क्षेत्र की प्रत्योक ग्राम पंचायत में किसानों की फॉर्मर आईडी बनाने एवं खसरे को आधार नम्बर से लिंक करने के लिये शिविर आयोजित करें। इन शिविरों के व्या्पक प्रचार-प्रसार के लिये गांवों में मुनादी कराने के निर्देश दिये गए है। प्रत्येक शिविर में पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव, कृषि विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, सहकारी समिति के कर्मचारी, ग्राम कोटवार, सर्वेयर की टीम को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिये गए है। फार्मर आईडी बनाये जाने के लिये शेष सभी हितग्राहियों की जानकारी गूगल शीट के माध्यम से उपलब्ध कराने कहा गया है। जिसमे शत प्रतिशत जानकारी दर्ज करना होगा। सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया गया है कि 02 जुलाई एवं 04 जुलाई को प्रात: 08 बजे से दोपहर 02 बजे एवं अपरान्ह 4 बजे से शाम 6 बजे तक शिविरों की सतत निगरानी करे और शाम 06 बजे तक गुगल सीट में कार्य की प्रगति से अवगत कराए। जिले के किसानों से अपील की गई है कि यदि उनकी फॉर्मर आईडी अब तक नहीं बन पायी है और खसरे की आधार से लिंकिंग नही हुई है तो 02 एवं 04 जुलाई को उनके ग्राम पंचायत में आयोजित शिविर में जाकर अपनी फार्मर आईडी अवश्य बनवाए और खसरे को आधार से लिंक कराए।

दुरस्थ क्षेत्रों के ग्रामीण वित्ती य लेन-देन के लिए बैंको से जुड़े

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अग्रणी बैंक प्रबंधक संजीव कुमार ने जिले के दुरस्थन क्षेत्रों में रहने वाले लोगो से अपील की है कि वित्ती य लेन-देन के लिए वे बैंको से जुड़े और अपने खाते खुलावाए। बैंक में खाते खुलवाने से उन्हें प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना एवं अन्य योजनाओं का लाभ सुगमता से मिलेगा। बैंक से जुड़ने पर दुरस्थ, एवं पहुंच विहीन क्षेत्रों के ग्रामीणों को बैंको से जरूरी काम के लिये ऋ्रण मिलेगा। जिससे वे अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकेंगे और विकास की ओर अग्रसर होंगे। बैंक से जुड़ने में उन्हेंव साहूकारों या अन्य व्यक्तियों से ऋ्रण लेने की जरूरत नहीं होगी। साहूकारों से लेन-देन करने पर व्युक्ति को ब्याज एवं कर छूट का लाभ नही मिलता है। अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री कुमार ने बताया कि देश एवं प्रदेश के विकास के लिए वित्तीकय समावेशन जरूरी है। इसका सीधा सा अर्थ दूर-दराज क्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति तक बैंक की सेवाओं की पहुंच होना है। वित्तीहय समावेशन होने से क्षेत्र के आर्थिक उत्थानन में मदद मिलती है और बैंको के माध्यम से सभी लेन-देन पारदर्शी रूप से सम्पन्न होते है। अशिक्षा, जानकारी का अभाव, कम आमदनी, कमजोर संसाधन एवं दुरस्थी व दुर्गम रिहायसी क्षेत्र क्षेत्र वित्तीबय समावेशन नहीं होने के कारण है। इससे साहूकारों द्वारा अधिक ब्याज वसूला जाता है। इन सबसे बचने के लिए दुरस्थ क्षेत्रों में भी लोगो का वित्तीय साक्षर होना जरूरी है और उनका बैंको से जुड़ना बहुत जरूरी है।

पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में पंजीयन की अंतिम तिथि 18 जुलाई

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी पर्यटन क्विज प्रतियोगिता प्रदेश स्तर पर किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता दो चरणों में होगी। प्रथम चरण 1 अगस्त 2025 को जिला स्तर पर होगा, वहीं दूसरा चरण 26 सितंबर 2025 को राज्य स्तर पर होगा। इस प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी हिस्सा ले सकेंगे। पंजीयन 25 जून 2025 से प्रारंभ हो गए है और इसकी अंतिम तिथि 18 जुलाई 2025 शाम 05:30 बजे तक निर्धारित है। कलेक्टर मृणाल मीणा ने जिला शिक्षा अधिकारी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए अधिक से अधिक छात्र छात्राओं का पंजीयन कराने के निर्देश दिये है। प्रदेश के समृद्धिशाली इतिहास, परम्पराओं, ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विविधताओं, कला, प्राकृतिक समृद्धि, महापुरुषों, पर्यटन महत्व की संभावनाओं आदि से विद्यार्थियों को अवगत कराने और पर्यटन के माध्यम से जागरूक करने के उद्देश्य से 'पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। वर्ष 2016 से इस प्रतियोगिता का निरंतर आयोजन किया जा रहा है। इसमें मध्यप्रदेश के समस्त जिलों में एक साथ व एक ही तिथि को मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा जिला प्रशासन, जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद एवं स्कूल शिक्षा के सहयोग से 2 चरणों (जिला स्तरीय एवं राज्य स्तरीय) में किया जाता है। वर्ष 2024 में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में प्रदेश के शासकीय एवं अशासकीय लगभग 7300 स्कूल के 21900 बच्चों ने प्रतिभागिता की थी।

इस प्रकार करें ऑनलाइन होंगे पंजीयन

विद्यालय प्राचार्य/प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों की टीम का पंजीयन 25 जून 2025 से ऑनलाइन माध्यम से किया जा रहा है। https://www.mptourism.com/tourismquiz w®wz/schools/ लिंक पर जाकर पंजीयन कराया जा सकता है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

इंतजार खत्म... कर्मचारियों की पदोन्नति की तैयारियां तेज

पहली डीपीसी में ही 90 प्रतिशत को मिल जाएगा प्रमोशन

भोपाल। मप्र में जिन शासकीय सेवकों का 9 साल से ओहदा नहीं बढ़ा, अब उन्हें जल्द ही पदोन्नति मिलेगी। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने उच्चस्तरीय बैठक में यह डेडलाइन तय कर दी है। मुख्य सचिव के निर्देश के बाद बाद सभी विभागों ने विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकें बुलाने की तैयारियां तेज कर दी हैं। विभाग प्रमुखों ने अपने मातहत अधिकारियों को डीपीसी जल्द करने के निर्देश दिए हैं। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक डीपीसी की पहली बैठक के बाद ही प्रदेश के करीब साढ़े चार लाख कर्मचारियों को प्रमोशन मिल जाएगा। यह पदोन्नति के लिए पात्र कुल कर्मचारियों की संख्या का 90 प्रतिशत है। ये वे कर्मचारी हैं, जो दिसंबर, 2024 की स्थिति में पदोन्नति के लिए पात्र हैं।

गौरतलब है कि सीएस ने निर्देश दिया है कि अफसर-कर्मियों की गोपनीय चरित्रावली (सीआर) अधिकतम 1 सप्ताह में लिखें। विभागीय पदोन्नत समिति (डीपीसी) की बैठक कर हर हाल में 31 जुलाई तक पदोन्नति दें। मुख्य सचिव के निर्देश के बाद कर्मचारियों की पदोन्नति की तैयारियां तेज हो गई हैं। सभी विभागों को पहली डीपीसी 31 जुलाई से पहले करना है, ताकि दिसंबर 2024 की स्थिति में रिक्त पदों पर पदोन्नति की जा सके। दूसरी डीपीसी सितंबर से नवंबर के बीच करना है, ताकि दिसंबर 2025 की स्थिति में रिक्त पदों पर पदोन्नति की जा सके। इसके बाद अगले साल सितंबर से नवंबर के बीच दिसंबर, 2026 की स्थिति में रिक्त होने वाले पदों के लिए डीपीसी करना है। नगरीय प्रशासन विभाग में प्रमोशन प्रक्रिया के तहत 25 जुलाई को डीपीसी की बैठक आयोजित की जाएगी। इससे पहले 4 जुलाई को नगर निगम, नगरपालिका और नगर परिषद स्तर पर वरिष्ठता सूची तैयार की जाएगी। प्रदेश में 22 जुलाई को वरिष्ठता सूची प्रकाशित की जाएगी।

पदोन्नत से करीब दो लाख पद होंगे रिक्त

कर्मचारियों के पदोन्नत होने से करीब दो लाख पद रिक्त होंगे, जिन्हें सीधी भर्ती के जरिए भरा जाएगा। उधर, सामान्य प्रशासन विभाग डीपीसी की तैयारी पूरी कर चुका है। अधिकारियों को विभागीय अपर मुख्य सचिव संजय दुबे की हरी झंडी मिलने का इंतजार है। अधिकारियों का कहना है कि जुलाई के पहले हफ्ते में डीपीसी की बैठक कर पदोन्नति के आदेश जारी कर दिए जाएंगे। विभाग में करीब 600 कर्मचारियों को पदोन्नति मिलेगी। मप्र राज्य निर्वाचन आयोग भी कर्मचारियों की पदोन्नति की तैयारियां पूरी कर चुका है। आयोग जल्द ही 10 से ज्यादा कर्मचारियों के पदोन्नति आदेश जारी करेगा। बता दें कि हाल में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने एसीएस, पीएस, सचिव, आयुक्त और विभागाध्यक्षों के साथ बैठक कर 31 जुलाई से पहले पूर्व डीपीसी की पहली बैठक बुलाने के निर्देश दिए थे, ताकि दिसंबर, 2024 की स्थिति में प्रमोशन के लिए पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति दी जा सके।

पदोन्नति के नए नियम

सरकार ने पदोन्नति के जो नए नियम बनाए हैं उसके अनुसार पदोन्नति के लिए, रिक्त पदों को एससी (16 प्रतिशत), एसटी (20 प्रतिशत) और अनारक्षित में बांटा जाएगा। क्लास-1 अधिकारी के लिए लिस्ट मेरिट कम सीनियोरिटी के आधार पर, जबकि क्लास-2 और नीचे के पदों के लिए सीनियोरिटी कम मेरिट के आधार पर दावेदारों की सूची बनेगी। पूर्व में प्रमोशन पा चुके कर्मचारियों को रिवर्ट नहीं किया जाएगा, न रिटायर्ड कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। पदोन्नति से भरे जाने वाले हर संवर्ग के पद अलग से तय होंगे। डीपीसी में एससी-एसटी वर्ग का एक-एक अधिकारी शामिल होगा।

स्कूल शिक्षा विभाग ने आज बुलाई बैठक

पदोन्नति को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने बुधवार को भोपाल में बैठक बुलाई है। बैठक में सभी जिम्मेदार अफसरों को संभाग और जिला स्तर के प्राचार्यों, व्याख्याताओं और शिक्षकों की सीआर के साथ आने को कहा गया है। सभी जिलों से एक अप्रैल, 2025 की स्थिति में वरिष्ठता सूची के साथ वर्ष 2017-18 से 2024-25 तक की गोपनीय चरित्रावली की जानकारी बुलाई गई है। इसमें हायर सेकंडरी और हाईस्कूल के प्राचार्य, व्याख्याता, उच्च माध्यमिक शिक्षक, उच्च श्रेणी शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक की वरिष्ठता की जानकारी शामिल है।

मप्र हाईकोर्ट को जल्द मिल सकते हैं नए जज

- सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के पास न्यायिक और वकील कोटे से भेजे गए 13 नाम

भोपाल। मप्र हाईकोर्ट में लंबे समय से खाली चल रहे न्यायाधीशों के पद जल्द ही भरे जा सकते हैं। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को 13 नामों की सूची भेजी है, जिसमें वकील और न्यायिक कोटे के नामों की सिफारिश की गई है। वर्तमान में हाईकोर्ट में 53 पद स्वीकृत हैं। 30 जून को जस्टिस संजय द्विवेदी के रिटायरमेंट के बाद अब हाईकोर्ट में 33 न्यायाधीश कार्यरत हैं। आने वाले महीनों में भी कुछ और जज रिटायर होने वाले हैं, जिससे यह संख्या और कम हो सकती है।

जानकारी के अनुसार, अगस्त में जस्टिस दिनेश कुमार पालीवाल और जस्टिस पीएन सिंह सेवानिवृत्त होंगे। वहीं, दिसंबर में जस्टिस अचल कुमार पालीवाल का कार्यकाल पूरा हो रहा है। ऐसे में हाईकोर्ट में न्यायिक कार्यों पर असर पड़ने की आशंका बनी हुई है।

13 नामों की सिफारिश भेजी गई

मप्र हाईकोर्ट को नए जज मिलने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के पास प्रदेश से 13 नामों की सिफारिश भेजी गई है। इनमें वकील कोटे से 8 और न्यायिक सेवा से 5 अधिकारियों के नाम शामिल हैं। अब इन नामों पर अंतिम निर्णय सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को लेना है। वकील कोटे से जो नाम भेजे गए हैं उनमें मणिकांत शर्मा, पुष्पेंद्र यादव, जयकुमार पिल्लई, निधि पाटनकर, अजय निरंकारी, अमित लोहाटी, आनंद सिंह और हिमांशु जोशी शामिल हैं। वहीं न्यायिक सेवा कोटे से जो नाम भेजे गए हैं उनमें राजेश कुमार गुप्ता, आलोक अवस्थी, रत्नेश चंद्र सिंह बिसेन, बीपी शर्मा और प्रदीप मित्तल शामिल हैं।

न्यायिक प्रक्रिया में तेजी की उम्मीद

हाईकोर्ट में जजों की संख्या बढ़ने से लंबित मामलों की सुनवाई में तेजी आने की उम्मीद है। फिलहाल, हाईकोर्ट पर बढ़ते दबाव को देखते हुए जल्द नियुक्तियों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की मंजूरी के बाद इन नियुक्तियों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

सीवेज मेंटेनेंस घोटाला : विभाग कर रहा जांच

पीएचई के इंजीनियर ने बगैर तकनीकी स्वीकृति कर दी 14.79 करोड़ का पेमेंट

भोपाल। मध्य प्रदेश लोक स्वास्थ्य यंत्रकी (पीएचई) विभाग राजधानी परियोजना खंड 2 भोपाल में एक बड़ा घोटाला सामने आया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 सीवेज मेंटेनेंस में बगैर तकनीकी स्वीकृति लिए, कार्यपालन यंत्री बृजराज सेंगर ने 14.79 करोड़ का भुगतान कर दिया। जबकि भुगतान से पहले विभाग के सक्षम अधिकारी से तकनीकी स्वीकृति लेना अनिवार्य होता है, लेकिन सेंगर ने इसे उचित नहीं समझा। खास बात यह है कि प्रमुख अभियंता से इसकी शिकायत विभाग के ही अधीक्षण यंत्री सुनील कुमार चतुर्वेदी ने की है। उन्होंने अपने शिकायत में कहा है कि हमने पिछले 5 साल में किए गए सीवेज मेंटेनेंस के कार्य की तकनीकी स्वीकृत जानकारी मांगी थी, जिसमें कार्यपालन यंत्री बृजराज सेंगर ने 2024- 25 के समय किए गए काम की जानकारी नहीं दी। जांच में पता चला कि इस काम की तकनीकी अनुमति नहीं ली गई थी। इससे साबित होता है कि इसमें बड़ा गड़बड़ झाला किया गया है। अधीक्षण यंत्री ने मांग की है कि बृजराज सेंगर की जांच करवा कर उनको पद से हटाया जाए। नियम है कि कार्य विभाग के मैन्युअल की धारा 2004, 2005 एवं 2006 के प्रावधान के अनुसार कार्यपालन यंत्री के द्वारा भुगतान के पहले यह सुनिश्चित किया जाता है कि संबंधित कार्य की सक्षम अधिकारी द्वारा तकनीकी एवं प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई हैं। लेकिन बृजराज सेंगर ने बगैर सुकृति लिए पेमेंट कर दिया जो कि नियम का उल्लंघन है। मुख्य अभियंता को किए गए शिकायत में लिखा गया है कि कार्यपालन यंत्री के द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति के बिना ही 14.79 करोड़ का व्यय कर दिया गया जोकि कार्य विभाग के मैन्युअल के प्रावधानों का उल्लंघन हैं, जो कि गंभीर अनियमितता की श्रेणी में आता है। सम्पूर्ण वर्ष में इनके द्वारा लापरवाही की गई हैं। भुगतान के पूर्व इन्होंने सक्षम अधिकारी की स्वीकृत की जांच नहीं की एवं न ही इनके द्वारा सक्षम अधिकारी से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त करने की किसी भी तरह की कोई कार्यवाही की हैं।

नियम का किया उल्लंघन

अधीक्षण यंत्री सुनील कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि राजधानी परियोजना भोपाल खंड 2 में पदस्थ प्रभारी कार्यपालन यंत्री बृजराज सेंगर 2024-25 में सीवेज मेंटेनेंस कार्य की तकनीकी स्वीकृति नहीं ली है। इसलिए हमने प्रमुख अभियंता को पत्र लिखकर इनकी जांच और इन्हें निलंबित करने की मांग की है। इन्होंने नियम का उल्लंघन किया है। पीएचई के मुख्य अभियंता आरके हिरोड़िया ने बताया कि हमारे पास शिकायत आई है। हम जांच कर रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद ही क्या कार्रवाई होगी इस पर जवाब दे पाएंगे। अगर जांच में कोई गड़बड़ी पाई जाती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्कूलों में ऑनलाइन अटेंडेंस सिस्टम लागू

प्रतिनियुक्ति वाले शिक्षकों को भी लगानी होगी ई-उपस्थिति

भोपाल। मप्र में मंगलवार से स्कूलों में ऑनलाइन अटेंडेंस सिस्टम लागू किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग में इस सिस्टम के लागू होने से प्रदेश की सवा लाख शालाओं में ऑनलाइन अटेंडेंस प्रक्रिया शुरू हो रही है। इस सिस्टम के लागू होने से प्रतिनियुक्ति वाले शिक्षकों की परेशानी बढ़ गई है। इन्हें भी ई-उपस्थिति लगाना होगी। अन्यथा इनको हर माह वेतन सहित हर सुविधाओं में कटौती कर ली जाएगी।

गौरतलब है कि स्कूल शिक्षा विभाग ने मंगलवार से अपने सभी विद्यालयों में ई-अटेंडेंस शुरू कर दिया है। इसके दायरे में चार लाख शिक्षक आ रहे हैं। सोमवार को दिन भर लोक शिक्षण संचालनालय ने इस कार्य की समीक्षा की। राज्य स्तर से हर जिले में शिक्षा अधिकारियों से फीडबैक लिया गया कि क्या स्थिति है। शिक्षा विभाग में पदस्थ पांच हजार टीचर जनजातीय कार्य विभाग के विद्यालयों में प्रतिनियुक्ति पर हैं। इन्हें भी ई-उपस्थिति लगाना होगी। अन्यथा इनको हर माह वेतन सहित हर सुविधाओं में कटौती कर ली जाएगी।

पांच हजार शिक्षक प्रतिनियुक्ति पर

शिक्षा विभाग ने अपने सभी विद्यालयों में ई-अटेंडेंस शुरू कर दिया है। इधर ट्रायबल डिपार्टमेंट ने यह सिस्टम शुरू करने से दूरियां बनाई हैं जबकि अध्यापन व्यवस्था का काम समान है। अब दिक्कत यह है कि यहां शिक्षा विभाग के पांच हजार टीचर प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं। शिक्षा विभाग का कहना है कि हर टीचर और कर्मचारी के लिए ई-अटेंडेंस अनिवार्य है। ट्रायबल में जितने शिक्षक प्रतिनियुक्ति पर हैं, उन सभी को भी मोबाइल पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करनी होगी। शिक्षा विभाग के अधीन चार लाख शिक्षक हैं। जिनके लिए पोर्टल 3.0 पर हमारे शिक्षक ई गवर्नेंस प्लेट फार्म के संगणित किया जाएगा। हमारे शिक्षक प्रणाली के माध्यम से ई-उपस्थिति दर्ज होगी। वहीं शालाओं का निरीक्षण भी वरिष्ठ अधिकारी की अनुमति के उपरांत ही किया जाएगा। सेवा अभिलेख में भी इस तथ्य को विशेष उपस्थिति के रूप में दर्ज किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग के सबसे ज्यादा शिक्षक जनजातीय कार्य विभाग की शालाओं में प्रतिनियुक्ति पर है।

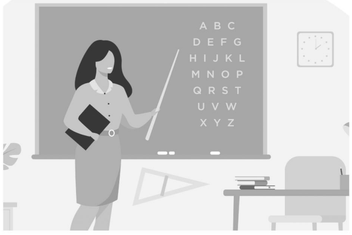

अंतर्गत मोबाइल पर ऑनलाइन हाजिरी लगेगी। अधिकारियों के अनुसार नवीन पोर्टल 3.0 पर शिक्षक विद्यालयों में पहुंचकर एक घंटे के अंतराल में ऑनलाइन अटेंडेंस दर्ज करेंगे। स्कूलों में पहुंचने के अलावा जब छुट्टी होगी। तब आधा घंटा पूर्व या बाद में ई-उपस्थिति लगेगी। निर्धारित समय सीमा के पश्चात उपस्थिति दर्ज करने पर अर्द्ध दिवस का आकस्मिक अवकाश दर्ज किया जाएगा। जिसका शिक्षकों का देय 13 आकस्मिक अवकाश एवं 3 एच्छिक अवकाश से समायोजन किया जाएगा। समायोजन के पश्चात अवकाश अवधि को अब इन्हें ऑनलाइन उपस्थिति लगाना होगी तभी इनकी वेतन सहित अन्य सुविधाएं तैयार हो पाएंगी। लोक शिक्षण संचालनालय का कहना है कि जो ऑनलाइन उपस्थिति का पालन नहीं करेगा उन पर कार्यवाही की जाएगी। डायरेक्टर लोक शिक्षण संचालनालय केके द्विवेदी का कहना है कि जनजातीय कार्य विभाग में हमारे जितने भी शिक्षक प्रतिनियुक्ति पर है। उन सभी को नियम अनुसार मोबाइल पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना होगी। उसी के अनुसार इनकी सुविधाएं निर्धारित होगी।

अब हर पौधे की होगी सेटेलाइट से निगरानी

भोपाल में वन महोत्सव की शुरुआत; लोक निर्माण विभाग ने लगाए ढाई लाख पौधे

भोपाल। राजधानी के चिनार पार्क में मंगलवार को वन महोत्सव का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने पौधारोपण कर की। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि लोक निर्माण विभाग को 1 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन विभाग ने ढाई लाख पौधे लगाकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि लगाए गए पौधों के रख-रखाव और संरक्षण के लिए सैटेलाइट मॉनिटरिंग की व्यवस्था की जा रही है। इस योजना में अहमदाबाद स्थित भास्कराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस एप्लिकेशन सहयोग कर रहा है, जिससे हर पौधे की निगरानी डिजिटल रूप से की जा सकेगी।

कार्यक्रम में जानकारी दी गई

कि भोजपुर रोड को 4 लेन बनाने की योजना के तहत रास्ते में आने वाले 450 पेड़ों को हटाना था। लेकिन अब इन्हें काटने की बजाय ट्रांसप्लांट (शिफ्ट) किया जाएगा ताकि पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे।

7 जुलाई तक चलेगा वन महोत्सव

विधायक भगवानदास सबनानी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वन महोत्सव 1 से 7 जुलाई तक चलेगा। उन्होंने कहा कि कोरोना के समय हमारे पास पैसे थे, लेकिन ऑक्सीजन नहीं थी। प्रकृति हमें बिना किसी लागत के जीवनदायिनी हवा देती है, इसलिए इसके संरक्षण के प्रति समाज को और जागरूक होना होगा। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने बताया कि अब तालाबों और जलस्त्रोतों का निर्माण बिना योजना के नहीं होगा। हर निर्माण कार्य कलेक्टर की अनुमति और स्थानीय जरूरतों के आधार पर होगा, जिससे भूजल स्तर भी बढ़ेगा और गांवों को स्थायी जलस्रोत मिल सकेंगे।

वफ्फ बोर्ड में अब लेन-देन होगा पारदर्शी

भोपाल . मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अधीन 15 हजार वक्फ सम्पत्तियां रजिस्टर्ड है। कमेटियों के बैंक खाता नहीं होने के कारण भारी अनियमितताएं होने की लगातार शिकायतें मिल रही थी। इस पर वफ्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सनवर पटेल के सख्त निर्देश पर बोर्ड ने गहन छानबीन करते हुए बताया कि कमेटियों के बैंक खाते नहीं होने के कारण बोर्ड भारी असुविधा एवं आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा था। राज्य के बोर्ड ने अपने काम में पारदर्शिता लाने, ऊपरी लेन देन रोकने और बोर्ड एवं कमेटियों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए बोर्ड की कमेटियों का बैंक खाता अनिवार्य रूप से खुलवाने का फैसला किया, परन्तु प्रदेश भर में कमेटियों के खाते खोलने को लेकर बैंक में बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अनेक स्थानों पर तो बैंक खाते खुल ही नहीं पाते थे। कमेटियों की इस परेशानी को दूर करने के लिए बोर्ड चेयरमैन डॉ सनवर पटेल ने बोर्ड की टीम के साथ सेन्ट्रल बैंक के जोनल हेड एवं मैनेजमेंट से अनेक दौर की चर्चा की। उक्त कार्य में मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने भी महत्वपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन किया। आज सेंट्रल बैंक ने बड़ा निर्णय लेते हुए बोर्ड के इतिहास में पहली बार अपनी सभी शाखाओं को बोर्ड की वैधानिक कमेटियों का खाता खुलवाने का सर्कुलर जारी कर दिया है।

इवेंटबाजी से नहीं आयेगा वास्तविक निवेश - भूपेन्द्र गुप्ता

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार रोज नए-नए इन्वेस्टमेंट के एम ओ यू की घोषणा कर रही है लगभग सवा साल में मोहन सरकार लगभग 3 लाख करोड़ के निवेश की घोषणा कर चुकी है जबकि धरातल पर प्रगति गायब है।

प्रदेश कांग्रेस के विचार विभाग के अध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता ने सरकार से जानना चाहा है कि अगर मध्य प्रदेश में निवेश की परिस्थितियां इतनी अनुकूल है तो फिर मध्य प्रदेश में 29 बड़े उद्योग बंद क्यों हो गए? गुप्ता ने कहा सरकार बताये कि मंडीदीप की हेवी फैब्रिकेशन यूनिट,गोविंदपुरा की मैसर्स जी ई ई पावर लिमिटेड चावल बनाने वाली मेसर्स एस एस ए इंटरनेशनल भिंड की ग्लास पार्ट कैथोड रे ट्यूब, गैस बेस थर्मल पावर प्लांट, लिमि हॉटलाइन ग्ला, कलर्ड पिक्चर ट्यूब बनाने वाली हॉटलाइन सीपीटी लिमिटेड धार की इंडोरामा टेक्सटाइल लि., लक्ष्मी पाइप एंड फिटिंग, मित्तल कॉरपोरेशन लिमिटेड, मेटलमेन पाइप मैन्युफैक्चरिंग, परसरामपुरिया इंटरनेशनल, भानु आयरन एंड स्टील, सोनी इस्पात लिमिटेड, वेरटैक्स टेक्नो सॉफ्ट ,वरुण सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड, पाली लॉजिक इंडिया लिमिटेड, गिल्ट पैक यूनिट , पैंटेल ड्रग्स प्राइवेट लिमिटेड, सिद्धार्थ ट्यूब्स लिमि.,गिरनार फाईबर लिमि.,नियो कार इंटरनेशनल लि.,सकोज इंडिगो प्रा लिमि..,एडवांस सर्फेक्टेंट इंडिया लिमि.,निधि इंडस्ट्रीज जैसे बड़े उद्योग बंद क्यों हो गये ?इन उद्योगों के बंद होने से कितने लोग बेरोजगार हो गये ?

मप्र के टाइगर रिजर्व में एडवांस बुकिंग शुरू

भोपाल। मध्य प्रदेश के खुले जंगल में टाइगर और दूसरे वन्य जीवों के के दीदार करने के शौकीनों के लिए काम की खबर है। अब अगले 3 माह मध्य प्रदेश के टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में जाकर वन्य प्राणियों को नहीं देख सकेंगे। 1 जुलाई से प्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व को बंद कर दिया जाएगा। 3 माह यानि 30 सितंबर के बाद ही सभी टाइगर रिजर्व को खोला जाएगा। हालांकि इस दौरान 3 माह तक पर्यटक बारिश के मौसम का बफर जोन में जाकर मजा उठा सकेंगे। बफर जोन में पर्यटकों को वन्य जीवों का दीदार भी हो सकता है।

बारिश के 3 माह के दौरान हर साल टाइगर रिजर्व को बंद कर दिया जाता है। इस साल 1 जुलाई से 3 माह के लिए टाइगर रिजर्व को बंद किया जा रहा है। अब 1 अक्टूबर के बाद ही पर्यटकों को टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में प्रवेश मिल सकेगा। हालांकि टाइगर रिजर्व में पर्यटन से जुड़े लोगों की रोजी-रोटी चल सके और पर्यटक बारिश के मौसम में जंगल में जाकर आनंद ले सकें, इसके लिए टाइगर रिजर्व के बफर जोन में पर्यटकों को एंट्री मिल सकेगी। मध्य प्रदेश के टाइगर रिजर्व के बफर जोन में पर्यटकों के लिए कैंपिंग साइट पर नाइट स्टे की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा जंगल में ट्रेकिंग रूट पर सफारी का आनंद ले सकेंगे। पेंच टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश सिंह बताते हैं कि बफर जोन में भी पर्यटकों को बाजीराव नाम के नर बाघ और काले तेंदुए के दीदार हो जाते हैं। इसके अलावा कई और भी बाघ अक्सर घूमते दिखाई दे सकते हैं।

अक्टूबर के लिए अभी से करा लें बुकिंग

3 माह के लिए सभी टाइगर रिजर्व को बंद किया जा रहा है लेकिन 1 अक्टूबर से टाइगर रिजर्व के लिए अभी से बुकिंग कराई जा सकती है। मध्य प्रदेश वन विभाग ने इसकी बुकिंग अभी से शुरू कर दी है। वन विभाग की साइट पर जाकर इसकी एडवांस बुकिंग कराई जा सकती है।

विदेशी पर्यटकों को पसंद आ रहे मध्य प्रदेश के जंगल

मध्य प्रदेश के टाइगर रिजर्व में हर साल पर्यटकों की संख्या में इजाफा हो रहा है। मध्य प्रदेश का वन्य जीव पर्यटन आकर्षण का केन्द्र बनकर उभरा है। मध्य प्रदेश के टाइगर रिजर्व में देशी-विदेशी पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। साल 2024 में मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में सबसे ज्यादा 32 हजार 528 विदेशी पर्यटक पहुंचे थे। इसके अलावा कान्हा टाइगर रिजर्व में 23 हजार 590 पर्यटक खुले जंगल में टाइगर का दीदार करने पहुंचे। पेंच टाइगर रिजर्व में 13 हजार 127 और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में 10 हजार 380 वहीं पन्ना टाइगर रिजर्व में 15 हजार 201 विदेशी पर्यटक पहुंचे थे। देशी-विदेशी पर्यटकों के हिसाब से देखें तो मध्य प्रदेश के कान्हा नेशनल पार्क में 2 लाख 48 हजार पर्यटक पिछले एक साल के दौरान पहुंच। जबकि पेंच में 1 लाख 92 हजार, बांधवगढ़ में 1 लाख 94 हजार तो पन्ना में 3 लाख 85 हजार में पर्यटक पहुंचे।

राजा भोज एयरपोर्ट को बम से उडाने की धमकी

भोपाल। भोपाल के राजाभोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। धमकी भरा ई-मेल एयरपोर्ट निदेशक के पास रविवार 29 जून की सुबह 10ः15 बजे पहुंचा। जिसमें लिखा था कि एयरपोर्ट के चारों तरफ बैग में शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण छिपाए गए हैं। मेल में चेतावनी दी गई जल्दी खाली करो एयरपोर्ट, वर्ना अंदर के लोग मारे जाएंगे। सूचना मिलते ही एयरपोर्ट प्रशासन और पुलिस-प्रशासन ने बम डिस्पोजल स्क्वॉड को मौके पर बुलाकर पूरे एयरपोर्ट परिसर के कोने कोने की जांच कराई गई। हालांकि, कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर सुरक्षा एजेंसियो ने राहत की सांस ली है। सुरक्षा के लिहाज से एयरपोर्ट पर पुलिस बल और सीआईएसएफ की तैनाती बढ़ा दी गई है। एयरपोर्ट के मुख्य सुरक्षा अधिकारी आकाश तिवारी की शिकायत पर गांधीनगर थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, मेल कहां से भेजा गया, इसकी जांच जारी है। संबंधित कंपनी से मेल ट्रेस करने के लिए संपर्क किया गया है। साथ ही साइबर सेल की टीमें मेल भेजने वाले की लोकेशन और पहचान पता लगाने में जुटी हैं। एयरपोर्ट की सुरक्षा एजेंसियों के साथ-साथ खुफिया विभाग भी इस मामले में सक्रिय हो गया है। हर आने-जाने वाले यात्री की निगरानी के साथ सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा की जा रही है।

दूसरे टेस्ट में नई रणनीति और बदलावों के साथ उतरेगी भारतीय टीम - डोशेट

बुमराह को मिलेगा आराम, कुलदीप पर संशय, सुंदर को मिल सकती है जगह

बर्मिंघम। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां बुधवार से शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अभी तक अपनी टीम घोषित नहीं की है। यहां के एजबेस्टन मैदान पर होने वाले इस मैच को लेकर अनुमान है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जाएगा और स्पिनर कुलदीप यादव या वाशिंगटन सुंदर में से किसी एक अंतिम ग्यारह में शामिल किया जाएगा। वहीं भारतीय टीम के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने भी मीडिया से बात करते हुए कहा कि कहा कि भारतीय टीम नई रणनीति से उतरेगी। डोशेट ने कहा है कि दूसरे टेस्ट में कम से कम दो बदलाव किये जाएंगे। ऐसे में टीम बर्मिंघम टेस्ट में नए संयोजन के साथ उतर सकती है। डोशेट ने बताया कि तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह को बर्मिंघम टेस्ट में आराम दिया जाएगा। कार्यभार प्रबंधन के तहत ही उन्हें यह ब्रेक दिया जा रहा है हालांकि वह लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे टेस्ट में वापसी करेंगे। बुमराह ने पहले टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन किया था पर फिटनेस बनाये रखने उन्हें आराम दिया जा रहा है।

वहीं पहले टेस्ट में युवा सलामी बल्लेबाज़ यशस्वी जैसवाल ने फील्डिंग के दौरान चार कैच छोड़े थे, जिससे इंग्लैंड की टीम को लक्ष्य हासिल करने में सहायता मिली थी। इसी को देखते हुए ही अब टीम प्रबंधन ने कहा है कि जायसवाल को स्लिप से हटाकर किसी अन्य जगह पर रखा जाएगा। वहीं ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर पहले टेस्ट में प्रभावित नहीं कर पाये थे, ऐसे में उनकी जगह युवा नीतीश कुमार रेड्डी को भी टीम में शामिल किय जा सकता है।

बर्मिंघम में गर्म मौसम और सूखी पिच को देखते हुए इसमें स्पिनरों को सहायता मिल सकती है। ऐसे में भारतीय टीम दो स्पिनरों को अंतिम ग्यारह में जगह दे सकती है। ऐसे में अनुभवी रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव और वॉशिंगटन सुंदर में से दो को टीम में जगह मिल सकती है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसर टीम प्रबंधन कुलदीप की जगह वॉशिंगटन सुंदर को शामिल कर सकता है। इसी कारण सुंदर अभ्यास सत्र में सक्रिय नजर आये। वहीं पहले टेस्ट में जडेजा ही एकमात्र स्पिनर थे, वह अपनी बल्लेबाजी और अनुभव के कारण टीम में जगह बचाये रह सकते हैं। भारतीय टीम पहले टेस्ट में हार से इस सीरीज में 1-0 से पीछे है। ऐसे में उसका लक्ष्य ये मैच जीतकर सीरीज में वापसी करना रहेगा।

एजबेस्टन में बल्लेबाजी के अनुकूल पिच होने की संभावना - वोक्स

भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार से यहां बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे मैच में उतरेगी। यहां गरमी होने के कारण पिच सूखी है जिसको देखते हुए यहां समय बीतने के साथ ही स्पिनरों को भी सहायता मिलने की उम्मीद है। इसी कारण भारतीय टीम अपनी अंतिम ग्यारह का चयन मैच से कुछ समय पहले ही करेंगी। वहीं दूसरे ओर मेजबान इंग्लैंड ने इस मैच के लिए अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। एजबेस्टन के मैदान पर भारतीय टीम आज तक नहीं जीती है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर भारत ने आठ मैच खेले हैं, जिसमें से उसे सात में हार का सामना करना पड़ा है जबकि एक मैच ड्रॉ रहा था। अभी इस सीरीज में मेजबान टीम 1-0 से आगे है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। वहीं इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स एको उम्मीद है कि एजबेस्टन की पिच बल्लेबाजों के अनुरुप होगी। वोक्स ने कहा, हमारे गेंदबाजों ने लीड्स में अच्छी गेंदबाजी की थी और इस मैच में भी हमारा लक्ष्य वही लय बनाये रखना है। साथ ही कहा कि हम एक और ऐसी पिच पर खेलेंगे जो बल्लेबाजी के लिए अच्छी होगी। इस तेज गेंदबाज को उम्मी है कि वह मैच में बेहतर प्रदर्शन कर मार्क वुड की कमी पूरी करने का प्रयास करेंगे। अच्छे मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए यहां गेंदबाजों की राह आसान नहीं रहने की संभावना है। इसी को लेकर वोक्स ने कहा कि हमने पिछले सप्ताह अच्छी तरह से खेला था और वहीं सिलसिला हम यहां भी बनाये रखना चाहेंगे

डीविलियर्स बोले इस प्रकार सभी मैच खेल सकते हैं बुमराह

जोहांसबर्ग। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में ही उतारा जाना तय हुआ है। ऐसे में टीम इंडिया का गेंदबाजी आक्रमण प्रभावित होगा। इसी को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डी विलियर्स ने सुझाव दिया है कि उन्हें बड़ी सीरीजों में खेलना चाहिये और कम महत्वपूर्व सीरीजों में आराम दिया जाना चाहिये ताकि उनकी फिटनेस भी बनी रही। डिविलियर्स ने कहा कि हमारी टीम के तेज गेंदबाज डेल स्टेन यही तरीका अपनाते थे और हर बड़ी सीरीज खेलते थे। डिविलियर्स के अनुसार स्टेन का ये तरीका बुमराह को भी अपनाना चाहिये क्योंकि भी भारतीय टीम के लिए इंग्लैंड सीरीज से अधिक जरुरी अभी कुछ नहीं है। भारतीय टीम पहले ही सीरीज में 0-1 से पीछे हैं। ऐसे में अगर बूमराह सभी मैच नहीं खेलते हैं तो उसे नुकसान होगा। अब देखना है कि भारतीय टीम प्रबंधन डिविलियर्स के इस सुझाव को मानता है या नहीं। इंग्लैंड दौरा शुरू होने से पहले ही साफ हो गया था कि बुमराह इस सीरीज में तीन मैच ही खेलेंगे। वहीं अब भारत पहला मैच हारकर पिछड़ रहा है, ऐसे में टीम को बुमराह की काफी जरूरत है। इन हालातों में बुमराह अपने कार्यभार प्रबंधन को प्रबंधित कर सीरीज के सभी मैच खेल सकते हैं।

एबी डी विलियर्स ने कहा, वह शायद इस समय सभी फॉर्मेट में दुनिया के शीर्ष गेंदबाज हैं। मेरे विचार से, इस टेस्ट सीरीज उसे सभी पांच मैचों के लिए तैयार रहना चाहिये। डेल के साथ हमने यही किया, उसे कम महत्वपूर्ण टी20 और एकदिवसीय सीरीज में आराम दिया और उसे बड़े टेस्ट दौरों - ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत - के लिए पूरी तरह से तैयार किया।

वहीं उन्होंने कहा हो सकता है कि सर्जन ने उसे बताया हो कि वह सभी पांच मैच नहीं खेल सकता। अगर ऐसा है, तो आपको इसका सम्मान करना होगा। लेकिन अगर यह कार्यभार के बारे में है, तो मुझे भरोसा नहीं है कि उन्होंने इसे सही तरीके से लिया है।

दूसरे टेस्ट में सुदर्शन को शायद ही अवसर मिले, करुण बल्लेबाजी में तीसरे नंबर पर उतरेंगे !

बर्मिंघम। यहां बुधवार से शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के बदलावों के साथ उतरने की संभावना है। इसमें पहले टेस्ट में विफल रहे बल्लेबाज साई सुदर्शन को दूसरे टेस्ट में शायद ही जगह मिले। वहीं बल्लेबाज करुण नायर को नंबर 3 पर भेजा जा सकता है। वहीं ऑलराउंडर शार्दुल की जगह नीतीश रेड्डी का खेलना तय है। शार्दुल पहले मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही विफल रहे थे , नीतीश गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी भी करते हैं। वहीं स्पिन ऑलराउंर के तौर पर रविन्द्र जडेजा के साथ वाशिंगटन सुंदर को अवसर मिल सकता है।

पुरुष एशिया कप हॉकी 2025 से पाकिस्तान का बाहर होना तय

- अभी तक नहीं मिली मंजूरी

नई दिल्ली। बिहार के राजगीर में 29 अगस्त से 9 सितंबर तक पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट 2025 खेला जाएगा। भारत की मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान को शामिल किये जाने की कोई संभावना नहीं हैं। वहीं हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में सरकार के साथ बातचीत जारी है और उसके बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा पर इस अधिकारी के अनुसार जिस प्रकार के तनावपूर्ण संबंध दोनो देशों के बीच हैं उसमें पाक का बाहर होना तय है। पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर को देखते हुए पाकिस्तान पुरुष हॉकी टीम को बाहर करने की मांग तेज हो गयी है। वहीं हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर कहा, हम सरकार के संपर्क में हैं और हम उसके निर्देशों का पालन करेंगे। मौजूदा स्थिति के अनुसार मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान टीम को भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। साथ ही कहा कि हम सरकार के आदेशों के अनुसार ही काम करेंगे।

गौरतलब है कि पुरुषों का एशिया कप 2025-2026 एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप का क्वालीफाइंग इवेंट भी है जिसकी मेजबानी बेल्जियम और नीदरलैंड करेंगे। टूर्नामेंट के विजेता विश्व कप में जगह मिल जाएगी। इसके अलावा भारत एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 की भी मेजबानी करेगा, जो 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा। इसमें भी पाक को शायद ही जगह मिले। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान को बाहर करने की मांग के कारण भारत में जूनियर इवेंट में उठी है। पाक की पुरुष हॉकी टीम ने अंतिम बार 2023 में भारत का दौरा किया था, जब भारत ने चेन्नई, तमिलनाडु में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी की थी।

जांच ट्रिब्यूनल ने चिन्नास्वामी स्टेडियम भगदड़ मामले में आरसीबी को जिम्मेदार बताया

बेंगलुरु। यहां के चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के बाद हुई भगदड़ के मामले में जांच ट्रिब्यूनल ने आरसीबी प्रबंधन को ही जिम्मेदार बताया है। ट्रिब्यूनल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस मामले में पुलिस प्रशासन को दोष नहीं दिया जा सकता है क्योंकि ये कार्यक्रम अचानक ही आयेजित किया और पुलिस से इसकी पहले से अनुमति नहीं ली गयी थी। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हुई थी। आदेश में साफ तौर पर कहा गया कि आरसीबी ने पुलिस प्रशंसान को जानकारी दिये बिना ही जश्न की जानकारी अचानक सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी थी। ट्रिब्यूनल ने कहा है कि पुलिसकर्मी भी इंसान हैं और अचानक बिगड़े हालात को सुधारने के लिए उनके पास कोई जादू नहीं है। ट्रिब्यूनल के इस फैसले से आरसीबी के साथ ही राज्य सरकार को भी करारा झटका लगा है। ट्रिब्यूनल ने कहा कि आरसीबी ने सोशल मीडिया पर बिना पुलिस की अनुमति के ही विजय जुलूस का आमंत्रण भेज दिया था जिससे प्रशंसक लाखों की तादाद में पहुंच गये जिसे संभालने में पुलिस असमर्थ थी। पुलिस के पास सुरक्षा इंतज़ाम के लिए पर्याप्त समय ही नहीं था। पुलिस अचानक ही सब कुछ ठीक किस प्रकार कर सकती है। ट्रिब्यूनल ने यह भी कहा, पुलिसकर्मी भी इंसान हैं, न तो भगवान और न ही जादूगर। उनके पास अलादीन का चिराग नहीं है, जिससे वे एक झटके में सारी व्यवस्थाएं कर दें। इसी मामले में निलंबित किए गए आईपीएल अधिकारी विकास कुमार को भी इस फैसले से राहत मिली है। ट्रिब्यूनल ने उनके निलंबन को रद्द करते हुए कहा कि उनकी निलंबन अवधि को सेवा का हिस्सा माना जाए। विकास भगदड़ के समय वेस्ट जोन के एडीशनल कमिश्नर और चिन्नास्वामी स्टेडियम के प्रभारी थे।ट्रिब्यूनल ने साथ ही कर्नाटक सरकार से कहा है कि वह अन्य दो वरिष्ठ अधिकारियों बेंगलुरु के तत्कालीन पुलिस कमिश्नर बी दयानंद और डीसीपी शेखर एच टेक्कण्णावर के निलंबन पर भी फिर से विचार करे।ट्रिब्यूनल ने कहा, पुलिस अधिकारियों के निलंबन का फैसला पर्याप्त सबूतों के आधार पर नहीं लिया गया है। ऐसा कोई ठोस आधार नहीं था जिससे यह साबित हो कि इन अधिकारियों की लापरवाही से यह हादसा हुआ।

भारतीय टीम ने इसलिए दो रंगों वाली गेंद से अभ्यास किया - सहायक कोच

बर्मिघंम। यहां के एजबेस्टन मैदान मैदान पर भारतीय टीम ने बुधवार से होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए जमकर अभ्यास किया।

इस दौरान खिलाड़ी दो रंग की गेंदों से अभ्यास करते दिखे। जसप्रीत बुमराह आधा सफेद और आधा लाल रंग की गेंद से गेंदबाजी की. इसके बाद टीम के अन्य गेंदबाजों ने भी दो रंगों की गेंद से गेंदबाजी की। भारतीय टीम जब से ही इंगलैड दौरे पर आई है तभी से हर अभ्यास सत्र में एक से अधिक रंग वाली गेंदों से वह अभ्यास करती रही है। इसको लेकर टीम के सहायक कोच रेयान डेस्कोटे ने कहा कि दो रंग की गेंदों से अभ्यास करने से सीमित ओवरों के प्रारुप में खेलने की आदत वाली सफेद गेंद से खिलाड़ी को छुटकारा मिलता है क्योंकि उसे टेस्ट में लाल गेंद से खेलना होता है।

डेस्कोटे ने साथ ही कहा कि वह गेंदबाजों को सीमित ओवरों वाले लाइन लेंथ की आदत में सुधार करना चाहते है और दो रंगों वाली गेंद को संकेत देने का सबसे आसान तरीका माना जाता है, रेयान ने आगे कहा कि हमारे खिलाड़ी आईपीएल के लंबे सत्र के बाद यहां आये हैं जिससे उन्हें सफेद गेंद की आदत पड़ गयी थी। इसलिए गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल की देख रेख में गेंदबाज पिछले दो सप्ताही से अभ्यास में दो रंगों वाली गेंद का उपयोग कर रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि इससे तेज गेंदबाजों की लाइन व लैंथ लीड्स के मुकाबले अच्छी नजर आएगी।

दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम में बदलाव नहीं

आर्चर को नहीं मिली जगह

लंदन। इंग्लैंड ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ बुधवार से शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए कोई बदलाव नहीं किया है। बेन स्टोक्स की कप्तानी में दूसरे टेस्ट में वही टीम उतरेगी जिसने पहले टेस्ट में भारतीय टीम को पांच विकेट से हराया था। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की इस मैच से वापसी की उम्मीदें थीं पर वह गलत साबित हुईं। आर्चर को अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली है। दूसरा टेस्ट बुधवार से बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जाएगा। इंग्लैंड की टीम पहले टेस्ट में जीत के कारण पांच मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे हैं। उंगली की चोट से उबरने के बाद इंग्लैंड की टीम में शामिल किए गए आर्चर निजी कारणों से एजबेस्टन में सोमवार के अभ्यास सत्र में भी शामिल नहीं किये गये थे। वहीं जोश टंग, ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स को तेज गेंदबाज के तौर पर टीम में बनाये रखा गया है। वहीं माना जा रहा है कि भारतीय टीम इस मैच में बदलाव के तौर पर उतरते हुए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम देगी। वहीं स्पिनर कुदलीप यादव को भी अवसर मिल सकत है।

इंग्लैंड की अंतिम 11

बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग, शोएब बशीर।

भारतीय टीम को दूसरे टेस्ट में जीत के लिए स्पिनरों का बेहतर इस्तेमाल करना होगा

मुम्बई । मेजबान इंग्लैंड के साथ यहां 2 जुलाई से शुरु हो रहे दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की राह काफी मुश्किल नजर आ रही है। इसका कारण है कि एजबेस्टन के इस मैदान पर भारतीय टीम आज तक नहीं जीती है। इस मैदान पर दोनो टीमों के बीच आठ मैच खेले हैं। जिसमें सात मैच में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा। ऐसे में दिग्गज क्रिकेटरों के अनुसार शुभमन गिल की कप्तानी में यहां भारतीय टीम को जीत के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ ही रणनीति में भी बदलाव करने होंगे। ऐसे भारतीय टीम अगर 2 जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में कुछ बदलावों के साथ उतरती है तो उसके लिए इंग्लैंड को एजबेस्टन में

कड़ी टक्कर दे सकती है। इसके लिए उसे स्पिनरों का उपयोग करना होगा। एजबेस्टन की पिच आमतौर पर तेज गेंदबाजों के अनुकूल मानी जाती है पर चौथे-पांचवें दिन स्पिनर हावी हो जाते हैं। ऐसे में भारतीय टीम रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव को इंग्लैंड के खिलाफ गेंदबाजी आक्रमण में लगा सकती है। वहीं शुरुआती दिनों में तेज गेंदबाज जसप्रीत जसप्रीत बुमराह और अन्य गेंदबाजों को अपनी अपनी ओर से प्रभावी प्रदर्शन करना होगा। . इंग्लैंड के बल्लेबाज जैसे जॉनी बेयरस्टो और जैक क्राउली पर अंकुश लगाना होगा जिससे वह अच्छी शुरुआत नहीं कर सकें। वहीं बल्लेबाजी के दौरान शुभमन गिल सहित सभी बल्लेबाजों का बड़ी पारी खेलकर मेजाबन टीम पर दबाव बनाना होगा। इंग्लैंड की आक्रामक रणनीति के खिलाफ उसी अंदाज में जवाब देना होगा तभी भारतीय टीम हावी हो सकेगी।

मंधाना आईसीसी रैंकिंग में तीसरे नंबर पर पहुंची

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की रैंकिग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के लाभ के साथ ही तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। मंधाना को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी-20 की सीरीज के पहले मैच में शतक का लाभ मिला है। उस मैच में उन्होंने चोटिल हरमनप्रीत कौर की जगह कप्तानी करते हुए टीम को जीत दिलायी थी।

मंधाना ने 62 गेंद में 15 चौकों और तीन छक्कों के साथ 112 रन बनाए थे, जिसकी मदद से भारतीय टीम ने 97 रन से जीत हासिल की थी।

मंधाना के अब सबसे अधिक 771 रेटिंग अंक हो गये है। ये उनके करियर की सबसे बेतर रैंकिंग है। वहीं वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज 774 अंक लेकर दूसरे जबकि ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी 794 अंक के साथ पहले स्थान पर है। वहीं भारत की ही शेफाली वर्मा एक स्थान के लाभ के साथ ही 13वें जबकि हरलीन देयोल 86वें स्थान पर है। गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लौरेन बेल चौथे स्थान जबकि पाकिस्तान की स्पिनर सादियो इकबाल नंबर एक पर है।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में बराबरी के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

बर्मिंघम। भारतीय भारतीय क्रिकेट टीम यहां बुधवार से मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे टेस्ट मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले टेस्ट में पांच शतक लगाने के बाद भी खराब फील्डिंग के कारण हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में अपनी कमजोरियों को दूर करना रहेगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम की ओर से तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ही सफल रहे थे। वहीं अन्य गेंदबाज विफल रहे थे जिसका भी नुकसान उसे उठाना पड़ा था। पांच मुकाबलों की सीरीज का पहला मैच हारने के बाद भारतीय टीम 1-0 से पीछे हैं। ऐसे में उसके लिए यह मुकाबला बेहद अहम है। उसे सीरीज में बराबरी के लिए इसे जीतना ही होगा। इस मैच के लिए मेजबान टीम ने कोई बदलाव नहीं किया है। वहीं भारतीय टीम बदलावों के साथ उतरेगी पर क्या बदलाव होंगे ये मैच से पहले ही पता चलेगा क्योंकि भारतीय टीम ने अभी तक अपने अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों की घोषणा नहीं की है। भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज बुमराह को इस मैच में आराम दिया जाना है। ऐसे में उनकी जगह पर बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह या आकाशदीप सिंह को शामिल किया जा सकता है। वहीं ऑलराउंडर स्थान कुलदीप यादव को अवसर मिलने की संभावना नहीं है। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर पहले टेस्ट में प्रभावित नहीं कर पाये थे, ऐसे में उनकी जगह युवा नीतीश कुमार रेड्डी को भी टीम में शामिल किय जा सकता है।

बर्मिंघम में गर्म मौसम और सूखी पिच को देखते हुए इसमें स्पिनरों को सहायता मिल सकती है। ऐसे में भारतीय टीम दो स्पिनरों को अंतिम ग्यारह में जगह दे सकती है। ऐसे में अनुभवी रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव और वॉशिंगटन सुंदर में से दो को टीम में जगह मिल सकती है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसर टीम प्रबंधन कुलदीप की जगह वॉशिंगटन सुंदर को शामिल कर सकता है।

एजबेस्टन क्रिकेट मैदान की बात करें, तो मैच की शुरुआत में पिच से गति और उछाल हासिल हो सकता है। ऐसे में सलामी बल्लेबाजों के लिए तेज गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं होगा। शुरुआत के दो दिन भले ही ड्यूक गेंद से तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी, लेकिन तीसरे और चौथे दिन पिच बल्लेबाजी के लिए आसान हो सकती है। अगर बादल छाए रहे, तो तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी।

यहां मुकाबले के दूसरे और तीसरे दिन पिच नरम हो जाती है, जबकि चौथे और पांचवें दिन पिच पर दरारें और खुरदरे पैच नजर आने लगते हैं, जिससे स्पिनरों को सहायता मिलती है। मौसम विभाग के अनुसार मैच के पहले दिन बारिश की आशंका है। यहां खेल शुरू होने से पहले मौसम खराब हो सकता है। वहीं दूसरे दिन बीच-बीच में बादल आने की आशंका है। मुकाबले के तीसरे दिन बादल छाए रह सकते हैं। चौथे-पांचवें दिन बारिश के कारण खेल में आ सकती है बाधा आ सकती है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो इस मैच में इंग्लैंड का पलड़ा भारी है। इसका कारण है कि एजबेस्टन के इस मैदान पर भारतीय टीम आज तक नहीं जीती है। इस मैदान पर दोनो टीमों के बीच आठ मैच खेले हैं। जिसमें सात मैच में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारतीय टीम-

शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, ऋषभ पंत, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाशदीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, अभिमन्यु ईश्वरन, ।

मुंबई के लिए ही खेलेंगे यशस्वी, एनओसी वापस ली

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आने वाले समय में भी मुम्बई की ओर से खेलते रहेंगे। यशस्वी ने मुम्बई क्रिकेट बोर्ड (एमसीए) से जो अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मांगा था वह उन्होंने वापस ले लिया है। यशस्वी ने हाल ही में कहा था कि वह गोवा की ओर से खेलना चाहते हैं जिससे लिए उन्होंने एमसीए से एनओसी देने का अनुरोध किया था पर बाद में उन्होंने अपना इरादा बदल दिया। एमसीए ने शुरू में एनओसी के लिए उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया था। यशस्वी गोवा की टीम से जुड़ने के साथ उसके कप्तान बनना चाहते थे। एमसीए की शीर्ष परिषद ने इस युवा बल्लेबाज के एनओसी वापस लेने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है।

वहीं एमसीए ने बल्लेबजा पृथ्वी शॉ के दूसरे राज्य के लिए खेलने के अनुरोध को स्वीकार करते हुए उनको एनओसी देना मंजूर कर लिया है। यशस्वी आजकल भारतीय टीम के साथ ही इंग्लैंड दौरे पर हैं। वहीं खराज फार्म से गुजर रहे पृथ्वी अब अपनी गलतियों को सुधारकर नई शुरुआत करना चाहते हैं।

वनभूमि का पट्टा दिए जाने की मांग को लेकर देवरबेली के आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। देवरबेली के लगभग आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीण वन भूमि के पट्टे दिए जाने की मांग को लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे, यहां उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन दिया और बताया कि वह बीते 30 से 35 वर्षों से वन भूमि पर खेती किसानी का कार्य कर रहे हैं, किंतु वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा उन्हें वन भूमि पर खेती करने से मना किया जा रहा है, जबकि उनके द्वारा वन भूमि का पट्टा जारी करने को लेकर भी आवेदन कर दिया गया है वह इस समय प्रशासन से खेती किए जाने की मांग को लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे और कलेक्टर को आवेदन दिया है।

आपको बता दे कि बीते कुछ दिनों से बैहर, परसवाड़ा, उकवा और लांजी क्षेत्र के कुछ ग्रामीण जो वनभूमि पर वर्षों से खेती किसानी का कार्य करते आ रहे हैं। वह जिला मुख्यालय पहुंचकर वन भूमि के पट्टे दिए जाने की मांग कर रहे हैं, क्योंकि इन दिनों वन विभाग द्वारा वन भूमि पर खेती किए जाने से मना किया जा रहा है और कहा जा रहा हैं कि वन भूमि पर जबरदस्ती कब्जा कर खेती करता कोई पाया जाता है तो उन पर कार्रवाई किये जाने कि बात भी कही जा रही है। इस समस्या के समाधान के लिये ग्रामीण क्षेत्र से ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंच रहे हैं और पट्टा दिए जाने की मांग कर रहे हैं। इसी प्रकार 1 जुलाई को देवरबेली क्षेत्र के लगभग आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे यहाँ उन्होंने कलेक्टर को आवेदन दिया और बताया कि वह 30 से 35 वर्षों से वन भूमि पर खेती किसानी का काम कर रहे हैं, किंतु इस बार वन विभाग के अधिकारी आकर उन्हें खेती करने से मना कर रहे हैं। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वह वन भूमि पर खेती न करें यदि वह वन भूमि पर खेती करते हैं तो उन पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जबकि किसानों का कहना है कि उनके पास खेती के अलावा अन्य दूसरा कोई व्यवसाय नहीं है यदि वह खेती किसानी का कार्य नहीं करेंगे तो उनके सामने जीविका चलाने में समस्या आ जाएगी, वह प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि उन्हें वन भूमि पर पट्टा जारी कर खेती किए जाने की अनुमति दे।

वन विभाग खेती करने से मना कर रहा है - मोहितलाल

मोहितलाल यादव बताते हैं कि उन्हें वन भूमि का पट्टा दिया जाए, क्योंकि इन दिनों उन्हें वन भूमि का पट्टा नहीं दिया गया है, जिसके कारण आज उन्हें वन विभाग खेती करने से वन भूमि पर मना कर रहा है। कार्रवाई का डर सता रहा है। उनका कहना है कि यदि विभाग उन पर कार्रवाई कर देगा तो उनका परिवार बिखर जाएगा। इसलिए वह चाहते हैं कि उन्हें वन भूमि का पट्टा दिया जाए ताकि वह नियम अनुसार खेती किसानी का कार्य कर सके।

रोजी-रोटी की बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी - सेवकराम

सेवकराम यादव बताते हैं कि वह वन परिक्षेत्र के निवासी हैं और वहां पर व्यवसाय का कोई साधन नहीं है। इसलिए वह वन भूमि पर ही खेती किसानी कर अपनी जीविका चला रहे हैं। ऐसा नहीं है कि वह आज या कल से वन भूमि पर खेती का कार्य कर रहे हैं। जबकि उनके पूर्वजों के समय से ही वह वन भूमि पर खेती कर रहे हैं। किंतु अब वन विभाग उन्हें खेती करने से मना कर रहा है। जिससे उनके परिवार के सामने रोजी-रोटी की बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। इसलिए वह विभाग से मांग कर रहे हैं कि उन्हें वन भूमि का पट्टा दिया जाए।

नए आपराधिक कानूनों के लागू होने के एक वर्ष पूर्ण होने पर पुलिस ने आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। भारत में लागू नए आपराधिक कानूनों के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में किरनापुर पुलिस द्वारा जन-जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत आज ग्राम हिर्री के साप्ताहिक बाजार मे एक जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।कार्यक्रम मे थाना प्रभारी अशोक कुमार ननामा द्वारा आमजन को भारतीय न्याय संहिता (ब्हस), भारतीय साक्ष्य अधिनियम (ब्स) एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (ब्हस्स) के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन विशेषकर युवा वर्ग को नए कानूनों के प्रति जागरूक कर, उन्हें कानून का सजग सहयोगी बनाना रहा।थाना किरनापुर पुलिस अधिकारियों द्वारा लोगो की सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव,

सोशल मीडिया एवं मोबाइल फोन के सुरक्षित उपयोग, महिला संबंधी अपराधों की जानकारी और उनके कानूनी समाधान जैसे विषयों पर संवाद किया गया। साथ ही पीड़ितों को त्वरित और प्रभावी न्याय दिलाने की प्रक्रिया में आए सकारात्मक बदलावों को सरल भाषा में समझाया गया।कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण नागरिकों ने भी अपनी जिज्ञासाओं को साझा किया, जिनका समाधान अधिकारियों ने सहजता से किया। वही थाना प्रभारी अशोक कुमार ननामा ने बताया कि पुलिस लगातार समाज को कानून के साथ जोड़ने एवं सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने हेतु इस तरह के कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में मनाया गया दीक्षारंभ कार्यक्रम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नये शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के अवसर पर 01 जुलाई को तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए विशेष रुप से आयोजित किया गया, ताकि वे शिक्षा के प्रति उत्साहित हो और अपने नये शैक्षणिक परिवेश में सहज महसूस कर सके। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को उच्च शिक्षा के महत्व से अवगत कराना और संस्थान के नियमों से परिचित कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे द्वारा वरिष्ठ प्राध्यापकों की उपस्थिति में हुआ। प्राचार्य द्वारा विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करने, अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. प्रशांत डहाटे ने विद्यार्थियों संस्थान के इतिहास, उपलब्धियों, विभिन्न विभागों, संकाय सदस्यों एवं उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। डॉ. तेजेन्द्र सिंह शिव द्वारा प्रश्नोत्तर के माध्यम से छात्रों को अपने संदेहों को दूर करने और संस्थान के बारें में अधिक जानने के लिए प्रोत्साहित किया। महाविद्यालय की आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. सीमा श्रीवास्तव ने इस अवसर पर कहा कि दीक्षारंभ कार्यक्रम नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। यह उन्हें नये माहौल में ढलने और अपनी शैक्षणिक यात्रा को सकारात्मक रुप से शुरु करता है। डॉ. योगेश विजयवार ने कहा कि हम छात्रों को हर संभवन सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह कार्यक्रम भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न अंग है, जो छात्रों के सर्वांगिण विकास में महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में प्रमुख रुप से डॉ. पीएस कातुलकर, डॉ.एनएम कुरैशी, डॉ. कंचन मसराम, डॉ. तारा सिंगराम, डॉ. प्रतिमा बिसेन, डॉ. ताराचंद बड़घैया ने अपनी गरिमामय उपस्थिति से कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का सफल आयोजन डॉ. शाजिया तबस्सुम, डॉ. पुष्पलता कमलेशिया एवं डॉ. गजानन कटरे द्वारा किया गया।

वन भूमि पर खेती करते बीत गई कई पीढ़ी, पट्टे की मांग पर हाथ लगा सिर्फ आश्वासन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा तहसील अंतर्गत आने वाले कई गांवों से आए ग्रामीणों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है।सर्व आदिवासी समाज के बैनर तले सौपे गए इस ज्ञापन मे उन्होंने उक्त वन भूमि से उन्हें बेदखल ना किए जाने और देवास में आदिवासियो के घर व मकानों पर की गई बुलडोजर कार्यवाही में सामाजिक लोगो को इंसाफ दिए जाने की गुहार लगाई है। जिन्होंने मामले में इंसाफ ना मिलने पर कलेक्ट्रेट कार्यलय का घेराव कर धरना प्रदर्शन किए जाने की चेतावनी भी दी है।

कई गांवों के ग्रामीणों ने सौपा ज्ञापन, कहा वन विभाग भूमि से कर रहा बेदखल

कब्जे वाली भूमि का पट्टा दिए जाने की मांग को लेकर मंगलवार को तहसील बिरसा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मछुरदा, कोरका, कोमो, रंजना, धर्मशाला, लिखपथरा, गठिया, मातला, उर्सेकल एवं ग्राम पंचायत अडोरी के अंतर्गत ग्राम साजापाली, बंदारी में निवासरत बैगा आदिवासी परिवार के एक सैकड़ा से अधिक लोग ज्ञापन सौपने कलेक्ट्रेट कार्यलय पहुचे।जिसमें उन्होंने वन अधिकार अधिनियम के तहत उन्हें जल्द से जल्द पट्टे प्रदान किए जाने की मांग की।ज्ञापन सौपने कलेक्टर कार्यालय पहुंचे बैगा आदिवासी ग्रामीणों ने बताया कि सभी गांवों के बैगा आदिवासी कई पीढ़ियों से वहाँ निवास कर खेतीबाड़ी कर अपना जीवन यापन करते हैं।पिछली सरकारों द्वारा इन भूमियों पर पट्टा हेतु घोषणा की गई थी परंतु प्रशासन ने इस बैगा आदिवासी जो लिखना-पढ़ना और कागजी कार्यवाही से अनभिज्ञ होने की वजह से पट्टा प्राप्त करने से वंचित किया गया है। वर्तमान में वन विभाग के द्वारा कई पीढ़ियों से इन भूमि पर खेती कर फसलो से अपना जीवन यापनकर रहे है उस खेती को करने से तानाशाही रेवया अपना कर खेती करने रोका जा रहा है, जो हमारे जीवन-मरण का सवाल बड़ा हो गया है। अभी वन विभाग उन्हें खेती से बेदखल कर रहा है।वन विभाग की इस कार्यवाही पर रोक लगाकर, उक्त भूमि के पट्टे प्रदान किए जाने की मांग आदिवासी बैंगा ग्रामीणों द्वारा की गई है।

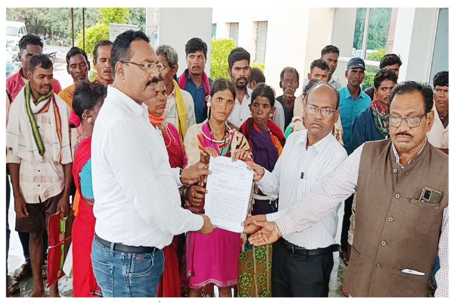

तो कलेक्ट्रेट में देंगे धरना- कोर्राम

आदिवासी प्रतिनिधि भुवनसिंह कोर्राम ने बताया कि जिले के मछुरदा और अडोरी पंचायत के लगभग 13 से 14 गांवो में निवासरत संरक्षित आदिवासी बैगा जनजाति के लोगों को वनविभाग, खेती करने से रोक रहा है, जबकि, वे पीढ़ियो से यहां खेती कर रहे है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि वह सालेटेकरी और बिरसा के वन अधिकारियो को आदेशित करें कि, आदिवासी बैगाओं को खेती करने से रोके नहीं। उन्होंने कहा कि यदि 10 दिनों के भीतर, प्रशासन, वनविभाग के अधिकारियों को आदेशित नहीं करता है तो दोनो ही पंचायत के सभी गांवो के बैगा आदिवासी, परिवार सहित, मुख्यालय पहुंचकर कलेक्ट्रेट के सामने धरना देंगे।

देवास में आदिवासियों के घरों पर की गई बुलडोजर कार्यवाही गलत- मरकाम

प्रदेश के देवास जिले की खातेगांव तहसील के खिवनी गांव में आदिवासी परिवारों के घरों को बुलडोजर से तोड़ने की कार्यवाही का आदिवासी समाज ने विरोध दर्ज किया है। आदिवासी कांग्रेस जिलाध्यक्ष धरमसिंह मरकाम ने बताया कि खातेगांव के खिवनी गांव में अनाधिकृत रूप से वनविभाग, पुलिस बल की मदद से जबरदस्ती आदिवासियों के घरो को बुलडोजर कार्यवाही से तोड़ने का काम कर रहा है। जिसको लेकर आज राष्ट्रपति और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया है। हमारी मांग है कि जबरन की जा रही इस कार्यवाही पर रोक लगाई जाए। उन्होंने इस कार्यवाही को सरकार के संरक्षण में होने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह अच्छी बात नहीं है। जिस पर सरकार तत्परता से कार्यवाही पर रोक लगाए।वही जिले के आदिवासी बैगाओं को भी इंसाफ दिए जाने की गुहार लगाई है।

जिला सेन समाज ने किया प्रतिभावान बच्चों और उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला सेन समाज द्वारा 1 जुलाई मंगलवार को स्थानीय शीतल पैलेस में प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें वर्ष 2024-25 में कक्षा 10 वीं व कक्षा 12 वीं बोर्ड परीक्षा में 70 प्रतिशत व उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं व राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले होनहारों को अतिथियों के हस्ते सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त अध्यक्ष राज्य केश शिल्पी मंडल नंदकिशोर वर्मा, सेन समाज विकास संगठन प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण सेन, राज्य केश शिल्पी मंडल सदस्य खुशीलाल श्रीवास, अमोल कुकडक़र सहित अन्य उपस्थित रहे। आपको बता दे की जिला सेन समाज द्वारा प्रतिवर्ष कक्षा दसवीं तथा 12वीं में 70 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वालों छात्र-छात्राओं का सम्मान किया जाता है। साथ ही समाज द्वारा सामाजिक स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को भी वह मंच से सम्मानित करते हैं। इसी प्रकार 1 जुलाई को भी स्थानीय शीतल पैलेस में समाज द्वारा प्रतिभावान बच्चों और उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान किया गया। जिसमें कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त अध्यक्ष नंदकिशोर वर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जिन्होंने सभी को अपने हाथों सम्मानित किया। समाज के पदाधिकारी पीतांबर उरकोड़े द्वारा बताया गया कि वह प्रतिवर्ष प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान करते हैं। साथ ही समाज में उत्कृष्ट कार्य करने और शिक्षा में आगे रहने वालों को भी वह बुलाकर सम्मानित करते हैं। जिले भर से लगभग 500 से अधिक समाज के लोग इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। जिसमें 70 से अधिक लोगों को उत्कृष्ट कार्य और शिक्षा जगत में अपना स्थान बनाए रखने के लिए सम्मानित किया गया है। 70 से अधिक वर्ष के बुजुर्गों को भी सम्मानित किया गया है। साथ ही उनकी इच्छा और समाज को एकजुट रखने के लिए क्या किया जा सकता है इसको लेकर भी उनके विचार जाने गए हैं। उन्होंने बताया कि आज बरसात का मौसम होने के बावजूद भी जिले के कोने-कोने से लोग समाज के इस कार्यक्रम में पहुंचे एवं प्रतिभावान सभी का समाज ने सम्मान किया है।

डॉक्टर्स डे पर इनर व्हील क्लब टाइग्रेस द्वारा किया गया डॉक्टर्स का सम्मान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। इनर व्हील क्लब ऑफ टाइग्रेस द्वारा आज डॉक्टर्स डे के उपलक्ष में जिला चिकित्सालय में सभी डॉक्टर का सम्मान किया गया। कार्यक्रम को लेकर डॉक्टर निलय जैन ने कहा मानव सेवा का दूसरा रूप डॉक्टर होते हैं। गांव में मरीजों की सेवा के लिए इनर व्हील क्लब के साथ मिलकर कैंप लगाए जाएंगे जिससे कि सुदूर अंचल गांव में भी मेडिकल सेवा उन्हें सुचारू रूप से मिलती रहे। डॉक्टर निलय जैन के द्वारा जानकारी दी गई जिला अस्पताल में वाटर कूलर भी क्लब द्वारा पूर्व में भेंट किया गया। डॉ मनोज पांडे ने कहा कि आज जिला अस्पताल में राष्ट्रीय स्तर की सभी मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध है जिससे विभिन्न बीमारियों का इलाज बालाघाट अस्पताल में ही हो सकता है। बालाघाट जिले का नंबर राष्ट्रीय स्तर पर स्टार की रैंक प्राप्त हुई है जिससे यह सिद्ध होता है कि जिला चिकित्सालय बालाघाट में मेडिकल की सुविधा राष्ट्रीय स्तर पर नंबर एक की है।कार्यक्रम में मुख्य रूप से सिविल सर्जन डॉक्टर निलय जैन सी एच एमओ डॉक्टर परेश उपलप डॉक्टर मनोज पांडे आईएमईआई के जिला अध्यक्ष डॉ प्रवीण ज्योतिषी प्रदेश अध्यक्ष डॉ बी एम शरणागत इनर व्हील क्लब की संरक्षक डॉ गुरमीत त्रिवेदी, अध्यक्ष राधिका असाटी, सचिव सोनल गांधी, बबीता अग्रवाल, मनीषा छुटनी ,गीतांजलि मिश्रा अर्चना गुप्ता माधुरी अग्रवाल पूजा अग्रवाल रोशनी सचदेव शिखा चावड़ा वर्षा चंदानी सुरभि शर्मा रेखा बानोडीया रिचा हरिनखेडे राधिका सरोदे की उपस्थिति रही।

अंधश्रद्धा एवं कार्यकर्ता/चिंतन शिविर 5 व 6 जुलाई को

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारतीय बौद्धो की सर्वोच्च शिखर धम्म संघठना दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया अपने उद्देश्यो की पूर्ति एवं आम धम्म बंधुओ को समस्त महापुरूषो के विचारो से अवगत कराने हेतु संस्था के 24 प्रकार के धम्म प्रशिक्षण शिविरो का आयोजन पूरे देश व प्रदेश में निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में बालाघाट जिले की लांजी तहसील मुख्यालय के बुद्धघोष बुद्ध विहार दखनीटोला में 2दिवसीय अंद्धश्रद्धा एवं कार्यकर्ता/ चिंतन धम्म प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 5 एवं 6 जुलाई को दोपहर 12 बजे से किया गया है। शिविर के मुख्य अतिथि एवं मुख्य प्रशिक्षक एम.डी.सरोदे गुरूजी केन्द्रीय प्रशिक्षण विभाग उप प्रमुख एवं वरिष्ठ केन्द्रीय शिक्षक मुंबई, प्रमुख अतिथि एवं प्रशिक्षक भीमराव कांबले राष्टीय सचिव एवं केन्द्रीय शिक्षक मुंबई, प्रमुख अतिथि,शिविर के उदघाटक, प्रशिक्षक मध्यप्रदेश राज्य शाखा द.के अध्यक्ष व केन्द्रीय शिक्षक डॉ.चरनदास ढेंगरे म.प्र.बालाघाट, शिविर के अध्यक्ष प्रमोद भिमटे अध्यक्ष तहसील शाखा लांजी, प्रमुख अतिथि आर.के.कठाने प्रदेश सचिव होगें। इसी प्रकार विशेष अतिथियो में हेमलता राजेन्द्र डोंगरे प्रदेश उपाध्यक्ष, राजकपुर कामडे प्रदेश कार्यालय सचिव, एस.एल.रंगारे जिला अध्यक्ष बालाघाट, खुशीयाल मेश्राम जिला उपा., प्रमीला ताई चौहान जिला कोषाध्यक्ष व जिला सचिव, अशोक मेश्राम, धरम श्यामकुंवर, के.के.भालाधरे, संघठक पी.एल.भालाधरे, पुरनलाल मेश्राम,पूर्व अध्यक्ष बी.आर. रामटेके, सी.एल.बोरकर कोषाध्यक्ष, शशि बौद्ध, धर्मशीला मेश्राम तहसील व नगर अध्यक्ष प्रज्ञा महिला मंडल लांजी, कमलकिशोर मेश्राम नगर अध्यक्ष लांजी,एम के बौद्ध पूर्व अध्यक्ष लांजी होगें।

लखनलाल सोनवाने को सेवा निवृत्ति पर दी गई बिदाई

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। स्थानीय निर्वाचन कार्यालय बालाघाट में पदस्थ लखनलाल सोनवाने 30 जून को अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्तच हो गए है। उनके सेवानिवृत्ति पर 01 जुलाई को कलेक्ट्रेट कार्योलय में उन्हें भावभिनी बिदाई दी गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, कलेक्ट्रेट कार्यालय एवं स्थाानीय निर्वाचन कार्यालय के सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। अपर कलेक्ट रश्री धुर्वे ने सेवानिवृत्त हुए लखनलाल सोनवाने के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके स्वस्थ , सुखी एवं लम्बे जीवन की कामना की। इस अवसर पर लखनलाल सोनवाने को शाल, श्रीफल एवं उपहार भेंट कर सम्मा नित किया गया।

नई शिक्षा नीति में संस्कृत भाषा की जा रही उपेक्षा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। देश के विभिन्न राज्यो में अलग-अलग भाषाओं को लेकर चल रहा विवाद अब मध्य प्रदेश में भी आ गया है। जहां नई शिक्षा नीति में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देकर संस्कृत भाषा की अपेक्षा की जा रही है। ऐसा आरोप संस्कृत विषय पढाने वाले शिक्षकों द्वारा लगाया गया है।जिन्होंने संस्कृत भाषा को विकल्प के रूप में दर्शाने पर अपनी आपत्ति जताते हुए कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा गया है। जिसमें उन्होंने नई शिक्षा नीति के तहत बनाए गए त्रिभाषा सूत्र में संस्कृत विषय को अनिवार्य किए जाने की मांग की है।बताया गया कि देववाणी और भाषाओं की जननी, संस्कृत भाषा को अनिवार्य भाषा के रूप में पाठ्यक्रम में बनाए रखने की जरूरत है।लेकिन संस्कृत विषय की जगह अन्य पाठ्यक्रमों को दी जा रही है।संस्कृत की स्कूलो में हो रही इस उपेक्षा से संस्कृत शिक्षक नाराज है।इसपर अपना एतराज जताते हुए जिले के विद्यालयो में पदस्थत, संस्कृत शिक्षकों ने नई शिक्षा नीति में हो रही संस्कृत की उपेक्षा पर नाराजगी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री के नाम, प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है।जिन्होंने संस्कृत विषय को अनिवार्य विषय के रूप में बनाए रखने की मांग है।

व्यावसायिक शिक्षा के चलते संस्कृत भाषा को बना दिया विकल्प- ठाकरे

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान संस्कृत विषय के उच्च माध्यमिक शिक्षक कोमलप्रसाद ठाकरे ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत विद्यालयो में संस्कृत के विकल्प के रूप में व्यवसायिक शिक्षा को प्रमोट किया जा रहा है, जो संस्कृत भाषा की उपेक्षा और अवहेलना है।जबकि संस्कृत भाषा, अन्य भाषाओं की जननी और गौरवमयी देववाणी है। नई शिक्षा नीति में त्रिभाषा सूत्र को लागु नही किया जा रहा है, उन्होंने बताया कि हम व्यवसायिक शिक्षा के विरोध में नही है लेकिन संस्कृत भाषा के पक्ष में है, किन्तु जिस तरह से विद्यालयो में व्यवसायिक शिक्षा के कारण, संस्कृत भाषा को विशेष रूप से अलग करने का काम किया जा रहा है। जो सही नहीं है।उन्होंने बताया कि देश का हरियाणा प्रदेश का बोर्ड भी त्रिभाषा सूत्र के तहत संस्कृत को बढ़ावा देने का काम कर रहा है, तो प्रदेश में यह स्थिति कैसी पैदा हो रही है।संस्कृत शिक्षकों ने मांग की कि 9 से 12 वीं तक संस्कृत को अनिवार्य किया जाए। त्रिभाषा सूत्र के तहत व्यवसायिक शिक्षा को सातवे विषय के रूप में रखा जाए। उन्होंने बताया कि 9 से 10 वीं तक संस्कृत को अनिवार्य किया जाए और 11 से 12 वीं में यदि कोई छात्र संस्कृत विषय लेता है तो अंग्रेजी को अतिरिक्त रखा जाए। जब सरकार भी चाहती है कि त्रिभाषा सूत्र में संस्कृत की अनिवार्यता हो, तो विद्यालयो में संस्कृत के रूप में व्यवसायिक शिक्षा को लागु किया जाना, न्यायोचित नहीं है। हम चाहते है कि संस्कृत का संरक्षण और संवर्द्धन हो और संस्कृत भाषा को विकल्प के रूप में नहीं बल्कि अनिवार्य किया जाए।

नपा. के श्रमिकों ने सीएम हेल्पलाइन में की शिकायत तो नौकरी से धोना पड़ा हाथ

मामला मलाजखंड नगर पालिका का, श्रमिकों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, कहा सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करना पड़ा महंगा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर पालिका मलाजखंड में कचरा पृथक का कार्य करने वाले 35 श्रमिकों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में आवेदन दिया है । जिसमें श्रमिकों द्वारा बताया गया कि वह कचरा पृथक्करण में कार्य करते है जिसमे उन्हें 3 महीने से वेतन नही देने सहित अन्य सुविधा नहीं मिलने के कारण, सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की गई थी । शिकायत करने के बाद उन्हें काम से बंद कर दिया गया है । उनका कहना है कि उन्हें सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करने के कारण ही उन्हें काम से बंद कर दिया गया है । जबकि मुख्य नगर पालिका अधिकारी मलाजखंड का कहना है कि श्रमिक ठेका पद्धति से काम कर रहे थे और ठेका खत्म होने पर उन्हें ठेकेदार द्वारा हटाया गया है । वह मलाजखंड नगर पालिका के श्रमिक नहीं है ।

आपको बता दे की इन दिनों आमजनों के द्वारा अपनी शिकायतों को लेकर सुनवाई नहीं होने पर सीधे आमजन मुख्यमंत्री को 181 पर शिकायत करते हैं । सीएम हेल्पलाइन लगते ही उसे कटवाने के लिए विभाग द्वारा जोर दिया जाता है और नहीं कटवाने पर उन्हें धमकियां दी जाती है। जिसमें कई बार तो शासकीय विभाग के अधिकारी समस्या को सुलझाने के बजाय ,उन्हें दबाव बनाने हेतु नौकरी से निकालने सहित अन्य प्रकार की प्रशासनिक धमकी देकर, सीएम हेल्पलाइन कटवाते हैं। ऐसा ही एक मामला मलाजखंड नगर पालिका का सामने आया है । जहां मलाजखंड नगर पालिका में कचरा पृथक करने का कार्य करने वाले श्रमिकों ने मलाजखंड नगर पालिका पर सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करने के बाद श्रमिकों को काम से बंद करने का आरोप लगाया हैं। जिसमें श्रमिकों द्वारा बताया गया कि उन्हें सप्ताह में सात दिन काम नहीं दिए जाने सहित कचरा पृथक्करण में प्रयुक्त दस्ताने और समय पर वेतन नहीं दिए जाने को लेकर सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत की थी । जिसके बाद मलाजखंड नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा उन पर दबाव बनाते हुए सीएम हेल्पलाइन कटवाने को कहा गया और उन्हें काम से बंद करवा दिया गया । अब श्रमिकों का कहना है कि उन्हें काम दिया जाए और पीएफ आदि की सुविधा भी शुरू की जाए । उन्होंने बताया कि वह कचरा पृथक्करण के समय गंदा कचरा सहित दुर्गंध में काम करते हैं। किन्तु उनका मेडिकल चेकअप सहित काम के समय उन्हें सुरक्षा उपकरण नहीं दिये जाते , इसी समस्या को लेकर उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की थी, किंतु उन्हें वेतन देने के बाद सीधे काम से बंद कर दिया गया है । जिसके कारण अब उनके सामने रोजी-रोटी का संकट उत्पन्न हो गया है । इसी समस्या को लेकर वह 1 जुलाई को जिला मुख्यालय पहुंचे और जनसुनवाई में उन्होंने आवेदन दिया है ।

मेडिकल चेकअप सहित मूलभूत सुविधाएं भी नहीं दी गयी - प्रभा

श्रमिक प्रभा धानेश्वर बताती हैं कि वह डोरा मलाजखंड की रहने वाली है और मलाजखंड नगर पालिका में कचरा पृथक्करण का कार्य करती थी, किंतु उन्हें इन दिनों उन्हें काम से बंद कर दिया गया है । उनकी समस्याओं की किसी प्रकार से कोई सुनवाई नहीं हो रही है ,उन्हें कचरा पृथक्करण के समय किसी प्रकार के दस्ताने नहीं दिए जाते। साथ ही उनका मेडिकल चेकअप सहित मूलभूत सुविधाएं भी नहीं दी जाती। कलेक्टर रेट पर भी उन्हें वेतन नहीं दिया जा रहा है, उन्होंने नियमित काम दिए जाने सहित कलेक्टर रेट पर वेतन की मांग की है।

सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करने के कारण नौकरी गयी - सुखवती

सुखवती बाई बताती है कि उन्हें नियमित रूप से काम नहीं दिया जा रहा है। उन्हें बीते 10 दिनों से काम से बंद कर दिया गया है । उनके द्वारा अपनी समस्याओं को लेकर सीएम हेल्पलाइन के 181 नंबर पर शिकायत की गई थी। इसी का कारण बताकर उन्हें काम से बंद कर दिया गया है । उन्हें 3 महीने से वेतन नहीं मिला था। इसी कारण श्रमिकों द्वारा सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की गई थी । किंतु वेतन तो मिल गया पर, सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करने के कारण काम से बंद कर दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करने के कारण ही नौकरी से बंद कर दिया गया है।

सौरभ बेदी ने सीएम हेल्पलाइन को कटवाने दबाव बनाया था - कौशल्या

कौशल्या बताती है कि मलाजखंड नगर पालिका के सौरभ बेदी द्वारा सीएम हेल्पलाइन को कटवाने के लिए दबाव बनाया गया था । सौरभ बेदी द्वारा कहा गया था कि यदि वह सीएम हेल्पलाइन नहीं कटवाएंगे तो उन्हें जेल भी भेजा जा सकता है ।

जो श्रमिक निकाले गए हैं वह ठेका श्रमिक है - दिनेश वाघमारे

इस पूरे विषय को लेकर जब हमारे द्वारा मलाजखंड नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी दिनेश वाघमारे से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि जो श्रमिक निकाले गए हैं, वह ठेका श्रमिक है । सफाई का ठेका खत्म होने के बाद ठेका निरस्त किया गया है । जो आरोप श्रमिक लगा रहे हैं वह निराधार है ।

ट्रैक्टर की जबरदस्त ठोकर से गंभीर रूप से घायल मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति की मौत

रामपायली थाने के ग्राम साकड़ी नाला के पास हुई

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रामपायली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम साकड़ी नाला के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। ट्रैक्टर की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी जिला अस्पताल में मौत हो गई। मृतक अनिल पिता नरबत बरले 35 वर्ष ग्राम धानीटोला थाना वारासिवनी में निवासी है। 1 जुलाई की शाम 6:00 बजे करीब यह घटना उस समय हुई जब यह व्यक्ति मोटरसाइकिल में वारासिवनी से अपने ससुराल साकड़ी जा रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल बरले अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। सन 2014 में अनिल बरले की शादी ग्राम साकड़ी से हुई थी। शादी के बाद अनिल बरले अपनी पत्नी रजनी के साथ परिवार से अलग रहता था। 28 जून को अनिल बरले अपनी पत्नी रजनी बरले के साथ मोटरसाइकिल में अपने ससुराल ग्राम साकड़ी आए थे और उसी दिन अपने रिश्तेदारों के साथ शिर्डी गए थे। 1 जुलाई को अनिल बरले अपनी पत्नी रजनी और रिश्तेदारों के साथ शिरडी से अपने ससुराल साकड़ी आया था। दोपहर में अनिल बरले मोटरसाइकिल में अपनी ससुराल साकड़ी से वारासिवनी अपने किसी काम से आया था और वारासिवनी से अपना काम निपटाने के बाद मोटर साइकिल में अपने ससुराल ग्राम साकड़ी जा रहा था। शाम 6:00 बजे करीब ग्राम साकड़ी के समीप नाला के पास साकड़ी की ओर से तेज रफ्तार से आ रहे ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। ट्रैक्टर की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल सवार अनिल बरले गंभीर रूप से घायल और बेहोश हो गया। जिसे तुरंत ही जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल अनिल बरले को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा था। उसी समय उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले ने मोके की कार्यवाही करने के बाद मृतक अनिल बरले का शव पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रख दी है ।जिसका पोस्टमार्टम 2 जुलाई को किया जाएगा।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

मछली मारने तालाब गए व्यक्ति घर नहीं लौटा

हरलाल धुर्वे की तालाब में डूबने की संभावना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा थाने की सालेटेकरी पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम देवगांव जंगल किनारे तालाब में मछली मारने गए एक व्यक्ति घर नहीं लौटा इस व्यक्ति के तालाब में डूबने की संभावना व्यक्त की जा रही है। यह व्यक्ति हरलाल धुर्वे 60 वर्ष ग्राम देवगांव निवासी है जिसकी तालाब में स्थानीय तैराकों ओर मछुआरों द्वारा खोजबीन की गई किंतु वह व्यक्ति नहीं मिला। जिसकी खोजबीन की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरलाल धुर्वे दो भाई है। दोनों भाई अलग-अलग रहते हैं और खेती किसानी करते हैं। हरलाल धुर्वे की पत्नी की बहुत पहले ही मृत्यु हो चुकी है जो अकेला ही रहता था और अपने छोटे भाई जेलू धुर्वे के घर खाना खाता था ।बताया गया है कि 30 जून की शाम 6:00 बजे करीब हरलाल धुर्वे मछली मारने के लिए जंगल किनारे तालाब गया था किंतु रात को वह घर वापस नहीं लौटा। 1 जुलाई को सुबह हरपाल धुर्वे की उसके भाई जेलू धुर्वे सहित अन्य लोगों ने खोजबीन किये। तालाब किनारे जाकर देख तालाब किनारे मछली मारने की जाल रखी हुई थी और तंबाकू को डिब्बी भी पड़ी हुई थी। किंतु हरलाल धुर्वे नहीं था। सूचना मिलते ही सालेटेकरी पुलिस चौकी प्रभारी धन सिंह धुर्वे अपने स्टाफ के साथ ग्राम देवगांव पहुंचे और गोताखोरों मछुआरों से तालाब में हरलाल धुर्वे की तलाश कराई गई किंतु वह नहीं मिला। जिसके गुम होने की रिपोर्ट उसके परिजनों ने बिरसा थाना में दर्ज कराई है बिरसा पुलिस गुम इंसान कायम कर जांच कर रही है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

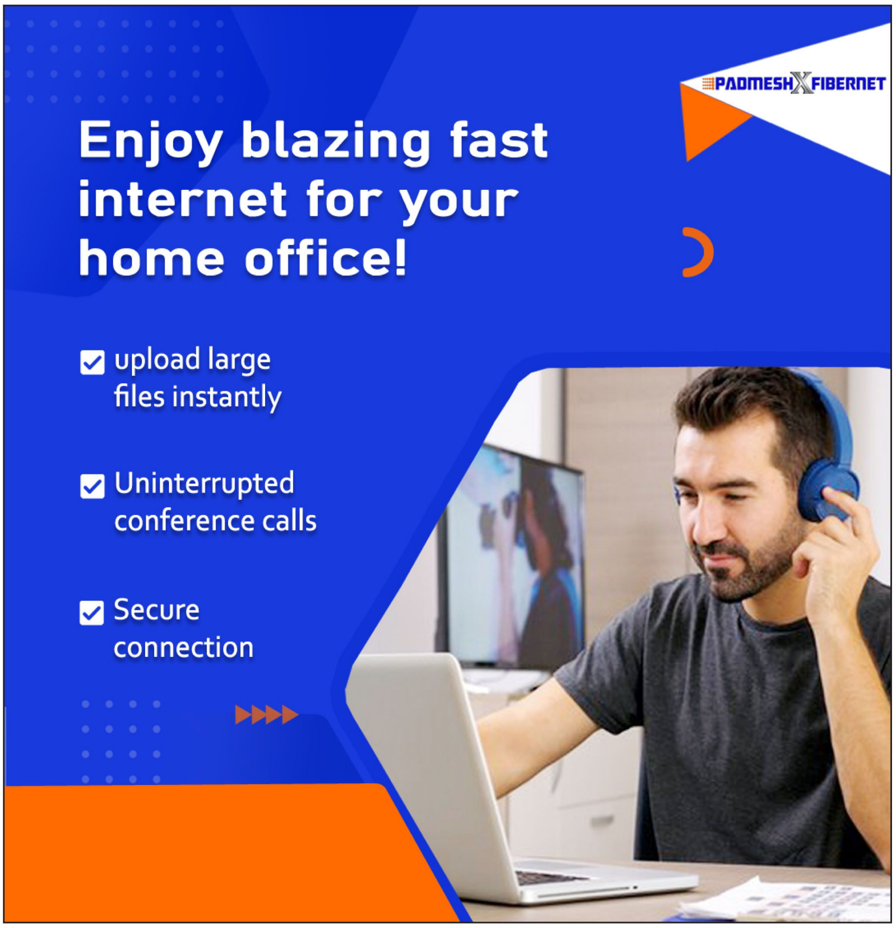

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट